रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-सेना और पुलिस का एक ही मिशन राष्ट्र की रक्षा करना
- 12

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की हुई रिकॉर्ड बिक्री
- 12

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं
- 13

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे
- 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.20

सूर्यास्त 05.38

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 08:17 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 204, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नौसेना कमांडरों का सम्मेलन आज से

नई दिल्ली। नौसेना के शीर्ष कमांडर बुधवार से तीन दिन तक यहां भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हिन्द महासागर तथा हिन्द प्रशांत क्षेत्र के खतरों से निपटने की रणनीति पर गहन चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कमांडरों को संबोधित करेंगे। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिन के सम्मेलन का दूसरा संस्करण बुधवार को यहां शुरू होगा। इस सम्मेलन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुंबई में ऊंची इमारत में आग से चार की मौत

मुंबई। नवी मुंबई के वाशी इलाके में सोमवार देर रात एक 12 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई जिससे चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि यह घटना वाशी के सेक्टर 14 स्थित रहेजा रेजीडेंसी बिल्डिंग में हुई। नगर निगम अग्निशमन विभाग के अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आठ दमकल गाड़ियों तथा लगभग 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पाया।

पटाखे फोड़ने के विवाद में फौजी की हत्या

नोएडा। नोएडा में पटाखे फोड़ने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने सेना से सेवानिवृत्त अपने चाचा की ईंट मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर मंगलवार दोपहर को दो लोगों को हिरासत में ले लिया जबकि दो आरोपी फरार हैं। दनकौर थाने के प्रभारी निरीक्षक मुनेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मुतैना गांव में दिवाली की रात 11 बजे के आसपास पटाखे फोड़ने को लेकर सेवानिवृत्त फौजी सतपाल का उनके भतीजे सुभाष से झगड़ा हो गया। सुभाष ने उनके सिर पर ईंट मार दी।

गिलास में पटाखा फोड़ रहे युवक की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले की छिजारसी कॉलोनी में सोमवार रात को स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ने से घायल हुए 20 वर्षीय युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नोएडा सेक्टर 63 थानाक्षेत्र की छिजारसी कॉलोनी में युवक स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ रहा था कि जोरदार धमाके से गिलास के चिथड़े उड़ गए और स्टील के टुकड़े उसके शरीर में कई जगह घुस गए।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के जेलर, 84 की उम्र में निधन

मुंबई, एजेंसी

- पांच दशकों से फिल्मों में सक्रिय थे मशहूर हास्य अभिनेता असरानी

फिल्म शोले में सनकी जेलर की भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले और हास्य भूमिकाओं के लिए दिग्गज अभिनेता असरानी का सोमवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री मोदी सहित फिल्म जगत और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

पांच दशकों से अधिक समय तक कई फिल्मों में काम करने वाले गोवर्धन असरानी, जिन्हें असरानी के नाम से जाना जाता है, को शोले, नमक हराम और गुड्डी में उनके किरदारों के लिए याद किया जाता है। उनका निधन सोमवार को अपराह्न तीन बजे हुआ। चार दिन पहले उन्हें उपनगरीय जुहू स्थित भारतीय आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दीपावली के बाद दिल्ली पर छाई जहरीली धुंध की चादर

- गंभीर श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई कम हो गई राजधानी में दृश्यता

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में बीती रात बहुत से लोगों ने दिवाली पर उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारित समयसीमा से ज्यादा समय तक पटाखे चलाए जिसकी वजह से मंगलवार सुबह आसमान में धुंध छाई रही, दृश्यता कम हो गई और वायु गुणवत्ता रेड जोन में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण ब्यूरो (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह आठ बजे 352 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। सुबह पांच बजे यह 346, सुबह छह बजे 347 और सुबह सात बजे 351 दर्ज किया गया। उच्चतम न्यायालय ने दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में रात आठ बजे से 10 बजे के बीच हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। हालांकि, कई लोगों ने अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया और देर रात तक जश्न जारी रहा। सीपीसीबी के प्रति घंटे के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई रात 12 बजे 349 और एक बजे 348 था। सोमवार को राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 36 ने प्रदूषण का स्तर रेड जोन में दर्ज किया।

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन से पानी का छिड़काव।

सुप्रीम कोर्ट निर्देशों के उल्लंघन पर 150 प्राथमिकी

दिल्ली पुलिस ने पटाखे फोड़ने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, अवैध तरीके से पटाखों की बिक्री में करीब 50 मामले दर्ज किए गए हैं। उच्चतम न्यायालय ने पटाखे फोड़ने के लिए सुबह 6 बजे से 7 बजे तक तथा रात 8 बजे से 10 बजे तक की अनुमति दी थी।

कोलकाता और मुंबई की वायु गुणवत्ता भी खराब

दीपावली के बाद कोलकाता और मुंबई में हवा की गुणवत्ता भी खराब हुई है। कोलकाता में सोमवार रात काली पूजा के अवसर पर आतिशबाजी के बाद मंगलवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' रही। मुंबई में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भारी गिरावट आई और मंगलवार को यह खराब श्रेणी में पहुंच गया।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया अन्याय का बदला : प्रधानमंत्री

नागरिकों के नाम लिखे पत्र में मोदी ने कहा-मर्यादा का पालन भी किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दीपावली के अवसर पर देश के नागरिकों को एक पत्र लिखा और ऑपरेशन सिंदूर की सफलताओं और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डाला। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने धर्म और मर्यादा को कायम रखते हुए बेटियों के साथ हुए अन्याय का बदला लिया। साथ ही कहा कि जब दुनिया संकटों से घिरी हुई है तब ऐसे समय में भारत स्थिरता के प्रतीक के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री ने जीएसटी दरों को कम करने के निर्णय को अपनी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी अपनाने, सभी भाषाओं का सम्मान करने, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और योग को अपनाने का भी आग्रह किया। मोदी ने कहा कि ये सभी प्रयास हमें तेज़ी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद यह दूसरी दीपावली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम हमें मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं और अन्याय से लड़ने का साहस भी देते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हमने कुछ महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न केवल धर्म का पालन किया बल्कि अन्याय का बदला भी लिया। उन्होंने कहा कि यह दीपावली खास है क्योंकि पहली बार देश भर के कई जिलों में, जिनमें दूरदराज के इलाके भी शामिल हैं, दीप जलेंगे। ये वे जिले हैं जहां नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद का जड़ से सफाया हो चुका है।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर देश

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के बीच, देश ने हाल के दिनों में अगली पीढ़ी के सुधारों की भी शुरुआत की है। मोदी ने कहा कि नवरात्र के पहले दिन जीएसटी की कम दरें लागू की गईं। इस जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक संकटों से जूझ रही दुनिया में भारत स्थिरता और संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नागरिकों की प्राथमिक जिम्मेदारी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना है।

स्वदेशी अपनाएं, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को दें बढ़ावा

मोदी ने नागरिकों से स्वदेशी अपनाने और गर्व से यह बताने कि यह स्वदेशी है का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा दें। सभी भाषाओं का सम्मान करें। स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आइए हम अपने भोजन में तेल का प्रयोग 10 प्रतिशत कम करें और योग को अपनाएं। ये सभी प्रयास हमें तेज़ी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। कहा कि दीपावली हमें यह भी सिखाती है कि जब एक दीप दूसरे दीप को रौशन करता है तो उसकी रोशनी कम नहीं होती, बल्कि और बढ़ती है। इसी भावना के साथ आइए इस दीपावली हम समाज और आस-पास सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप जलाएं।

पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम

अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म : योगी

- मुख्यमंत्री ने कहा, शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य पूंजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

शहीद के परिजन को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम करते लोगों ने हुए कहा कि कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म है। बोले, यह केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन नहीं, बल्कि उन आदर्शों को याद करने का क्षण है, जिन्होंने वर्दी की मर्यादा और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। शहीद स्मारक उनकी अमर गाथा का साक्षी है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी।

रिजर्व पुलिस लाइन सोमवार को उस समय देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठी, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस 2025 पर उत्तर प्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर तीन वीर सपूतों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। आधुनिक संसाधनों, तकनीक और संवेदना के नए युग में यूपी पुलिस को लगातार सशक्त किया जा रहा है।

नारी शक्ति की झलक और शौर्य का सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ परेड कमांडर द्वारा मुख्यमंत्री को सलामी देने से हुआ। नारी शक्ति की प्रतीक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक (अभिसूचना मुख्यालय) आभा पांडेय ने शोक पुस्तिका वाहक की भूमिका निभाई और मुख्यमंत्री को शहीदों की स्मृति पुस्तिका सौंपी। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीरगति प्राप्त जवानों के अदम्य साहस और समर्पण का विवरण प्रस्तुत किया।

भारतीय वायुसेना की तीसरी रैंकिंग पर बौखलाया चीन

- कहा-कागज पर नहीं, वास्तविक क्षमता पर होना चाहिए आकलन

बीजिंग, एजेंसी

दुनिया की वायुसेनाओं की एक नई रैंकिंग में भारत को अमेरिका और रूस के बाद तीसरा स्थान दिया गया है और चीन से आगे रखा गया है। इस रैंकिंग ने मीडिया में नई चर्चा छेड़ दी है। किसी ने भारत की शीर्ष तीन देशों में एंट्री को शानदार बताया तो किसी ने चेतावनी दी कि कोई भी गलत आकलन या अति आत्मविश्वास घातक परिणामों को जन्म दे सकता है। वहीं चीन भी नई रैंकिंग को पचा नहीं पा रहा है। एक चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि सैन्य शक्तियों को कागज पर नहीं, बल्कि वास्तविक क्षमताओं के आधार पर रैंक किया जाना चाहिए, संभावित गलत गणनाएं किसी का भला नहीं करेंगी।

यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएमए) द्वारा तैयार की गई है, जो 103 देशों और 129 वायु सेवाओं को कवर करती है, जिसमें सेना, नौसेना और मरीन एविएशन ब्रांच शामिल हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को इस रैंकिंग का जश्न मनाया, इसे गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि 1,716 विमानों वाली भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना बन गई है, जिसमें 69.4 की ट्रूवैल रेटिंग है और वैश्विक हवाई शक्ति रैंकिंग में चीन को पीछे छोड़ दिया है।

डब्ल्यूडीएमएमए रैंकिंग का हवाला देते हुए, भारतीय मीडिया ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दावा किया कि शीर्ष तीन सबसे शक्तिशाली वायुसेनाओं वाली देशों की सूची से चीन बाहर हो गया है और भारत ने शानदार एंट्री की है।

चीनी सैन्य मामलों के विशेषज्ञ झांग जुनशी ने कहा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सैन्य बलों की वास्तविक युद्धक्षेत्र क्षमताएं ही सार्थक तुलना का आधार बनाती हैं, न कि उनकी कागजी ताकत। कुछ अमेरिकी और भारतीय मीडिया द्वारा किए जा रहे हाइप के पीछे चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को भड़काने के छिपे हुए मकसद हो सकते हैं।

आरपीजी और लॉन्चर के साथ दो गिरफ्तार

- डीजीपी ने कहा- पंजाब में बड़ा संभावित आतंकवादी हमला टला

अमृतसर, एजेंसी

पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में, एक आतंकवादी गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक टैंक रोधी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और लांचर बरामद किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान अमृतसर के वडाली निवासी महकदीप सिंह उर्फ महक और अमृतसर के भागा छीना गांव निवासी आदित्य उर्फ अधी के रूप में हुई है। आरपीजी बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी मोटरसाइकिल भी ज़ब्त कर ली है, जिस पर वे सवार थे। यादव ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ़्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान की आईएसआई के उस एजेंट के संपर्क में थे जिसने सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए यह खेप भेजी थी। इसके अलावा, वे फ़िरोज़पुर जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ़ विक्की के भी संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि आरपीजी का उद्देश्य एक लक्षित आतंकवादी हमला करना था। उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े सभी संबंधों को स्थापित करने के लिए जांच चल रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतसर ग्रामीण मनिंदर सिंह ने कहा कि खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया जब वे खेप पहुंचाने के लिए जा रहे थे।

रेलवे ने देशभर में स्थापित किए 80 वार रूम

- ट्रेनों के सुचारू परिचालन के साथ भीड़ की हो रही निगरानी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में ट्रेनों के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने और यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए देशभर में भारतीय रेलवे के 80 से अधिक वार रूम 24 घंटे काम कर रहे हैं।

रेलवे बोर्ड की ओर से मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार मौजूदा समय में रेलवे बोर्ड से लेकर जोनल और डिविजनल स्तर तक 80 से अधिक वार रूम सक्रिय हैं। इन वार रूमों से देशभर में ट्रेनों की स्थिति, यात्रियों की संख्या और सुरक्षा गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। रेलवे ने कहा है कि त्योहारों के सीजन में ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हो गई है, ऐसे में ये वार रूम यात्रियों की सुविधा के लिए वारदान साबित हो रहे हैं।

यदि किसी स्टेशन पर असामान्य गतिविधियां देखी जाती हैं, तो वार रूम से जोनल व डिविजनल स्तर के अधिकारियों को सूचित किया जाता है और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सीईओ सतीश कुमार खुद समय-समय पर रेलवे बोर्ड के वार रूम में जाकर स्थिति की समीक्षा करते हैं।

आज बंद होंगे गंगोत्री धाम के कपाट

देहरादून। चार धामों में से एक गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को बंद हो जाएंगे। मंदिर प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तरकाशी जिला प्रशासन के अनुसार, बुधवार (22 अक्टूबर) को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे।

कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त 11:36 बजे हैं। विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद मां गंगा की विग्रह डोली भोगमूर्ति शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना होगी। रात को डोली मुखबा गांव से करीब दो किमी पहले मार्कण्डेय मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। इसके बाद 23 अक्टूबर की दोपहर विग्रह डोली मुखबा गांव पहुंचेगी जहां भोगमूर्ति को मंदिर में शीतकाल के लिए स्थापित किया जाएगा।

कोर्ट की टिप्पणी | दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा-अपराध साबित करने को साक्ष्य का होना आवश्यक

शारीरिक संबंध शब्द दुष्कर्म साबित करने को पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि साक्ष्यों के बिना महज शारीरिक संबंध शब्द का इस्तेमाल दुष्कर्म या शील भंग के मामलों को स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति की अपील को स्वीकार करते हुए की, जिसमें उसने बलात्कार के मामले में अपनी दोषसिद्धि और 10 वर्ष के कारावास को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने उसे आरोपों से बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने 17 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि इस मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों में, 'शारीरिक संबंध' शब्द का प्रयोग, बिना किसी सहायक साक्ष्य के, यह मानने के लिए पर्याप्त नहीं होगा कि अभियोजन पक्ष अपराध को उचित संदेह से परे साबित करने में सक्षम रहा है। अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपीलकर्ता की दोषसिद्धि कायम रखने योग्य नहीं है।

अदालत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण मामला बताते हुए कहा कि वह मामले का निर्णय उसके गुण-दोष के आधार पर करने के लिए बाध्य है। फैसले में कहा गया है कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता ने बार-बार कहा कि शारीरिक संबंध स्थापित किए गए थे, हालांकि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं थी कि इस अभिव्यक्ति का क्या मतलब था। अदालत ने कहा कि कथित कृत्य का कोई और विवरण नहीं दिया गया है। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष या अधीनस्थ अदालत ने पीड़ित से कोई प्रश्न नहीं पूछा, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि याचिकाकर्ता पर लगाए गए अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध हुए हैं या नहीं।

आईपीसी और पॉक्सो एक्ट में नहीं शारीरिक संबंध की परिभाषा

अदालत 2023 में दर्ज एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें 16 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसके रिश्ते के भाई ने 2014 में शादी का झूठा झांसा देकर एक साल से अधिक समय तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। व्यक्ति ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने उसकी अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला केवल मौखिक साक्ष्य पर आधारित है, जो कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता की गवाही है तथा रिकॉर्ड में कोई फॉरेंसिक साक्ष्य नहीं है। अदालत ने कहा कि शारीरिक संबंध शब्द का प्रयोग या परिभाषा न तो आईपीसी के तहत दी गई है और न ही पॉक्सो अधिनियम के तहत। न्यायाधीश ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नाबालिग पीड़िता का शारीरिक संबंध शब्द से क्या तात्पर्य है और क्या इसमें शील भंग का प्रयास शामिल था।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

The Management, Principal and all Staff Wishing you

HAPPY DEEPAWALI

DIVINE INTERNATIONAL SCHOOL

Special Features :

- 100% Board result
- Big Playground
- Special training of Music, Dance and Arts
- Well Furnished & ventilated Class Rooms
- Special focus on English speaking

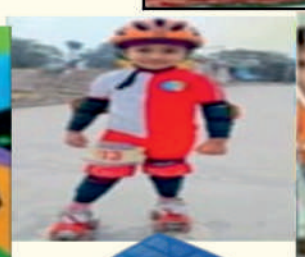

Vill Gada Farm-Mathkhera, Swar Road, Post Bilaspur, UP

8958860005, 8958860006

समस्त क्षेत्रवासियों, शुभचिन्तकों को दीपावली की

हार्दिक बधाई

अपील:-

- बिजली की चोरी न करें।
- बिजली की बकाया शीघ्र जमा करें।

कर्मवीर सिंह
अधिशासी अभियंता

प्रदीप कुमार प्रसाद गुप्ता
एस.डी.ओ.

विद्युत उपखण्ड, बिलासपुर एवं समस्त स्टाफ, बिलासपुर (रामपुर)

समस्त क्षेत्रवासियों को

दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी जुल्फिकार अली
एम.डी.
फलक सिटी, ग्राम मनकरा
बिलासपुर-रामपुर
मो. 9837974251

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की हार्दिक शुभकामनाएं

सोमेंद्र कौशिक
मंडी सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बिलासपुर, रामपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद बिलासपुर, रामपुर

सबका साथ
सबका विकास
सबका विश्वास
सबका प्रयास

विशेष अपील

● डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में सहयोग करें। ● अपने घरों व आसपास के स्थानों को स्वच्छ रखने में सहयोग दें। ● सार्वजनिक स्थानों पर गन्दगी न फैलाएं। ● पॉलिथीन व थर्माकोल से निर्मित वस्तु/थैले का प्रयोग कदापि न करें। ● सड़े-गले फलों व खुले में रखे गए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। ● सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य करने के पश्चात उक्त स्थल पर कूड न फेंके। ऐसा करने पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जा सकता है। ● अपने घरों का कूड़ा-करकट नाली में न डालें।

सभी जनपद एवं क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. नितिन कुमार सिंह
अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बिलासपुर

चित्रक मित्तल
अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद

सौजन्य से : सभी सभासदगण, नगरवासी बिलासपुर, रामपुर

ब्रीफ न्यूज

कब्रिस्तानों में अब नहीं बिकेगी कब्र की जगह

रामपुर, अमृत विचार : वक्फ बोर्ड में पंजीकृत कर्बला, इमामबाड़ा, मकबरा और कब्रिस्तान में कब्र की जगह का पैसा लेने पर कड़ी कार्रवाई होगी। कर्बला और कब्रिस्तानों में मुर्दा दफन करने पर कर्बला और कब्रिस्तान के कुछ मुतवल्लियों और प्रशासकों द्वारा भारी भरकम वसूली की जाती है। उ.प्र. शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने बताया कि कब्र की जगह बिकने नहीं दी जाएगी। कहा कि कब्र की खुदाई, पटरे एवं कब्र को पक्का कराए जाने में जो पैसा खर्च होगा वही लिया जाएगा। जो पैसा लिया जाएगा उसकी रसीद जारी की जाएगी। किसी भी वक्फ मुतवल्ली, प्रशासक की कोई भी शिकायत बोर्ड को मिलने पर सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवक की बुखार से मौत

मसवासी, अमृत विचार : नगर पंचायत मसवासी के मोहल्ला चाऊपुरा निवासी मुकेश(30) पुत्र ओमप्रकाश दिवाली के मौके पर अपने घर आया हुआ था। तभी उसको तेज बुखार आ गया। परिजन उसको चिकित्सकों के यहां ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका। बुखार के चलते मुकेश की हालत गंभीर हो गई। परिजन मुकेश को काशीपुर के अस्पताल भर्ती करा दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी रविवार देर रात मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि युवक हरियाणा के सिडकुल गुड़गांव में काम किया करता था, वह शादीशुदा था। दीपावली के अवसर पर घर पर आया था। परिजन बेहाल हैं।

नशा करने से मना करने के विवाद में किशोर की हत्या

भाई से भिड़ गए थे नशेड़ी, बीच बचाव पर चाकू से किया हमला

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कटघर थाना क्षेत्र में विवाद के बाद किशोर पर तीन स्मैकियों ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने घटना स्थल को सील करते हुए घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की ओर से देर रात तक पुलिस को तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी पुले कौशिक को पकड़ लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश कर रही है।

● पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

मृतक विनायक ठाकुर।

मंगलवार शाम थाना कटघर क्षेत्र के मोहल्ला कटघर पचपेड़ा छता बीच होली का मैदान निवासी पुले कौशिक, अनिल पंडित और उनका एक साथी स्मैक का नशा कर रहे थे। इसी बीच मोहल्ला निवासी भाजपा नेता अनुराग ठाकुर के भतीजे अभिषेक पुत्र पवन ठाकुर ने मोहल्ले में नशेबाजी का विरोध जताया जिसे लेकर तीनों आरोपियों ने गाली गलौज के साथ हाथापाई शुरू कर दी। शोर शराबा सुन अभिषेक का भाई विनायक ठाकुर(17) पहुंच गया और बीच बचाव का प्रयास किया। इसी बीच पुले कौशिक ने चाकू से विनायक पर हमला कर दिया। हमलावर विनायक को गंभीर हालत में जमीन पर पड़ा देखा फरार हो गए। खून से लथपथ विनायक को देख मोहल्ले में हड़कंप मच गया। अभिषेक ने कटघर पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई थी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि दो पक्षों में नशा करने और उसका विरोध करने को लेकर झगड़ा हुआ था जिसमें एक पक्ष के चाकू से हमला करने में किशोर की मौत हो गई। देर रात तक तहरीर नहीं दी गई थी। हालांकि मुख्य आरोपी पुले कौशिक को पकड़ लिया है।

मातम में बदलीं दिवाली की खुशियां, दो घरों के बुझे चिराग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सोमवार को शहजादनगर और पटवाई में हुए अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। दोनों परिवारों की दिवाली की खुशियां मातम में बदल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शहजादनगर थाना क्षेत्र के गांव जसमौली निवासी रवि कुमार(22) चेन्नई में हेयर कटिंग करता था। वह दिवाली मनाने के लिए घर आया था। इस दौरान सोमवार शाम को वह कपड़े लेने के लिए बाइक से केमरी गया था। लौटते समय नगली भगवंत के भट्टे के निकट बुलेट वाले ने बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की शादी पांच साल पहले हुई थी। उसके एक लड़का और एक लड़की है। दिवाली की खुशियां मातम में बदल गई।

जिला अस्पताल में गुमसुम बैठे परिजन। ● अमृत विचार

मृतक रवि कुमार।

● अलग-अलग हादसों में दो युवकों की जान गई

● शहजादनगर और पटवाई में हुई सड़क दुर्घटना

मुरादाबाद के युवक की रामपुर में मौत

मुरादाबाद के थाना बिलारी के गांव मकरमपुर निवासी राजेश कुमार(35) किसी काम से सोमवार को रामपुर आ रहा था। नारायनपुर के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक राजेश की बाइक से टकरा गई। हादसे के बाद वह बाइक से नीचे गिर गया। घायल को पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया। घर में दिवाली की तैयारी चल रही थी घटना से परिवार में मातम पसर गया।

महिला का शव मिला, शिनाख्त नहीं

पाकबड़ा, अमृत विचार: पाकबड़ा थानाध्यक्ष ने बताया कि मंगलवार सुबह हाईवे पर बागड़पुर सर्विस रोड पर अज्ञात महिला के शव की सूचना मिली। उप निरीक्षक विनीत कुमार ने जांच की। महिला की उम्र 22 वर्ष है। सिर पर चोट लगी थी। महिला गुलाबी रंग की कुर्ती व पीला व सफेद रंग का प्लाजो पहने है। शिनाख्त के लिए जिले के सभी थाने व बार्डर पुलिस को भी सूचना दी गई है।

महिला ने प्रेमी के साथ जहर खाकर दी जान

संवाददाता, बिजनौर

● बिजनौर के किरतपुर क्षेत्र के एक गांव का मामला

अमृत विचार: एक विवाहिता और उसके प्रेमी ने गन्ने के खेत में एक साथ ज़हर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

किरतपुर क्षेत्र के एक गांव में महिला आरती का गांव निवासी अपने रिश्ते के देवर (21) से अफेयर चल रहा था। दोनों का प्रेम परवान चढ़ा तो महिला अपने दो बच्चों को छोड़कर एक अक्टूबर 2025 को फरार हो गई। पति ने पत्नी और प्रेमी के खिलाफ थाना किरतपुर में रिपोर्ट दर्ज कर दी। पुलिस ने दोनों को 14 दिन बाद बरामद कर लिया।

महिला ने दोनों बच्चों को देखने के बाद भी प्रेमी संग जाने की जिद पकड़ ली। लेकिन समझाने-बुझाने पर 15 अक्तूबर को आरती अपने पति साथ चली गई। दीपावली के दिन करीब एक बजे महिला और उसके प्रेमी ने घर से कुछ ही दूर गन्ने के खेत में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

जहर का असर होने लगा तब प्रेमी ने अपने बड़े भाई को सूचना दी। परिवार समेत ग्रामीण खेत पर पहुंचे । पुलिस ने दोनों को तुरंत बिजनौर भेज दिया गया। जहां उपचार के दौरान शाम पांच बजे दोनों की मृत्यु हो गई।

धमाके से दहली कॉलोनी, कार जलकर राख

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● एलटी लाइन के तार पर पटाखा गिरने से हुए शॉर्ट सर्किट की चिंगारी कार पर जा गिरी

● पंचशील कॉलोनी में घर के सामने खड़ी कार में रखे थे पटाखे, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

पंशचील कॉलोनी में कार में लगी आग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: थाना सिविल लाइन क्षेत्र के पंचशील कॉलोनी में एक कार में रखे पटाखों में अचानक आग लग गई। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। कार से उठ रही ऊंची ऊंची लपटों से आसपास के लोग सहम गए। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम ने स्थिति पर काबू पा लिया।

सोमवार की रात मुकुल बंसल पुत्र विजय बंसल निवासी हाउस नंबर 9 पंचशील कॉलोनी थाना सिविल लाइन के घर के सामने खड़ी कार में पटाखे रखे हुए थे। आतिशबाजी के दौरान एलटी लाइन के तार पर पटाखा गिरने से शॉर्ट सर्किट हुआ जिसकी चिंगारी कार पर जा गिरी जिससे कार में रखे पटाखों ने आग पकड़ ली।

जिसके बाद और देखते ही देखते कार से लपटें उठने लगी। लगभग आधे घंटे तक कार में रखे पटाखों के धमाके देर तक होते रहे जिससे पूरी कॉलोनी दहल गई।

फायर बिग्रेड के पहंचने तक कार जलकर राख बन चुकी थी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है।

संभल में शुरू होगा नया गन्ना केंद्र

मुरादाबाद, अमृत विचार: मुरादाबाद के गन्ना भवन पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) असली के किसानों का धरना प्रदर्शन सफल साबित हुआ। अब संभल में एक नया गन्ना केंद्र खोलने की स्वीकृति लखनऊ से मिल गई है।

मंगलवार को उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि संभल जिले के लिए भाकियू अराजनैतिक असली के किसानों की संभल तहसील के गांव भदरौला में गन्ना केंद्र खोले जाने की मांग काफी समय से लंबित थी। पिछले वर्ष भाकियू असली के किसानों ने उप-आयुक्त गन्ना कार्यालय मुरादाबाद में 18 दिन तक धरना प्रदर्शन किया था। संभल प्रभारी संजीव गांधी ने बताया कि संघर्ष का परिणाम सकारात्मक रहा। इस फैसले को किसानों ने अपनी मेहनत और संघर्ष की सफलता बताया।

टायर शोरूम में भीषण आग, धू-धूकर उठी लपटें

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: दिवाली की रात टायर शोरूम में जबरदस्त आग लग गई। धू-धूकर लपटें निकलती देख अफरा-तफरी मच गई। दमकल की दो गाड़ियों ने लगभग सवा घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने से लगभग 30 लाख रुपए की क्षति का अनुमान लगाया गया है। शोरूम के स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कांठ-मुरादाबाद हाईवे पर शिव विहार कॉलोनी में एसएस टायर हाउस है। सोमवार की रात लगभग 8:00 बजे मोहल्ला पट्टी वाला निवासी शोरूम स्वामी सत्यपाल सिंह शोरूम में पूजा अर्चना कर घर चले गए थे। इसके बाद शोरूम में आग लग गई। रात्रि 10:00 बजे करीब कंबोडिया होटल के स्वामी अमित कुमार ने दुकान के रोशनदान में धुआं और आग निकलते देखा। होटल स्वामी की सूचना पर शोरूम स्वामी अपने बेटे अंकुर के साथ शोरूम पहुंचे। 112 नंबर पर सूचना के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक एवं अग्निशमन प्रभारी प्रकाश चंद गुप्ता अपनी अपनी टीम के साथ पहुंचे। तब तक आग भयंकर रूप धारण कर चुकी थी। अग्निशमन दल ने किसी तरह शोरूम के दोनों शटर खोलकर आग बुझाना शुरू किया। अग्निशमन दल की एक गाड़ी मुरादाबाद से मंगाई गई। लगभग सवा घंटे में आग पर काबू पाया गया। आग से शोरूम का फर्नीचर एवं 30 लाख रुपए के टायर आदि सामान जलकर राख हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह ने बताया कि शोरूम स्वामी पूजा करने आए थे। किस कारण से आग लगी है इसकी जांच की जा रही है।

शो रूम में जलकर राख हो गए टायर। ● अमृत विचार

आग बुझाते दमकल कर्मचारी।

● आग लगने से लगभग 30 लाख का नुकसान

बरेली में बवाल प्रशासन की नाकामी: आजम खां

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● बोले, दीए रोशन करने वाले उजाला और देते हैं ठंडक

आजम खां।

अमृत विचार: पूर्व मंत्री आजम खां ने कहा दिवाली पर दीए जलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो दीए जलाते हैं वे कुछ भी जला सकते हैं। लेकिन जो लोग दिए रोशन करते हैं उनका मकसद सिर्फ उजाला देना होता है ठंडक देना होता है। उन्होंने कहा कि नफरतों के अंधेरे को मिटाना होता है। यह लोग काबिले कद्र है।

दिल्ली के सर गंगाराम से चेकअप कराने के बाद शहर के मोहल्ला मीरबाज खां टंकी नंबर 5 पर पहुंचे आजम खां ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि उनकी तबीयत बहुत अच्छी नहीं है। लोगों का बहुत प्यार मिला जो पहले नहीं देखा। जानता हूं उनका मेरे लिए इतना प्यार क्यों है। इसके पीछे कुर्बानियों की लंबी फेहरिस्त है। कहा कि वह तो सीधे भुक्तभोगी हैं। लेकिन जिस समाज में हम रहते हैं उसका कोई धर्म, जात और हदें नहीं हैं। वह लोग पहली बार इतनी मोहब्बत और अकीदत से मिले हैं। आजम ने कहा कि उनकी हमदर्दी के बोल मेरी बीमारी के लिए दुआ है। पिछले दिनों बरेली में हुए बवाल की बाबत आजम खां ने कहा कि यह प्रशासन की कमी है। प्रशासन चाहता तो बातचीत के जरिए मसअले का हल निकाल सकता था।

आठ माह के गर्भस्थ शिशु की मौत, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अस्पताल के बाहर हंगामा करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कांठ रोड स्थित एक नर्सिंग होम में मंगलवार को एक प्रसूता के परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण आठ माह के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। पति ने चिकित्सक के सिविल लाइंस थाने में कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है।

मंगलवार को थाना कांठ इलाके के मोहल्ला फकीर गंज निवासी सौरभ चौधरी ने चिकित्सक पर आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी पत्नी दीक्षा चौधरी आठ माह की गर्भवती थी और पिछले एक माह से कांठ रोड स्थित नर्सिंग होम में लेडी डॉक्टर से इलाज करा रही थी। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई बार अल्ट्रासाउंड कराने की बात कही, लेकिन डॉक्टर ने हर बार इसे टाल दिया।सौरभ के अनुसार, दीक्षा ने कई बार गर्भ में शिशु की हलचल महसूस नहीं होने की शिकायत की, लेकिन कोई जांच नहीं कराई गई।

● सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से बात कर मामले को शांत कराया

शनिवार, 18 अक्टूबर को रूटीन चेकअप के दौरान डॉक्टर ने बताया कि बच्चे की हार्टबीट बंद हो चुकी है। बाद में अल्ट्रासाउंड में पुष्टि हुई कि शिशु की गर्भ में ही मौत हो गई थी। इसके बाद डॉक्टर ने एबॉर्शन कर मृत नवजात को बाहर निकाला। इस दौरान महिला की हालत गंभीर रूप से बिगड़ गई। दीक्षा को होश आने पर बच्चे की मौत की जानकारी दी गई, जिससे वह बेहोश हो गई।

परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से बातचीत कर मामले को शांत कराया।

पटाखा बाजार में बम चोरी के शक में युवक की पिटाई, वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● पीड़ित आरोप से इंकार कर छोड़ने की लगाता रहा गुहार, दबंगों को नहीं आया रहम

● सदर कोतवाली पुलिस आरोपियों तक पहुंची, पीड़ित की तरफ से नहीं मिली तहरीर

युवक को पीटते लोग।

अमृत विचार: दीपावली के दिन इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सदर कोतवाली क्षेत्र में कुछ दबंगों ने चोरी का आरोप लगाकर एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सदर कोतवाली पुलिस वीडियो वायरल होने के बाद आरोपियों तक पहुंच गई। लेकिन पीड़ित की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली।

सोमवार को दिवाली पर पारकर इंटर कॉलेज के मैदान में अस्थायी पटाखा बाजार लगाया गया था। वहीं एक युवक पर पटाखे की दुकान से बम का पैकेट चोरी करने का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। जिसका वहां मौजूद एक किसी व्यक्ति ने वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक हाथ जोड़कर खुद छोड़ने की बात कहते हुए चोरी के आरोप से इनकार कर रहा है, लेकिन दबंगों को उस पर जरा भी तरस नहीं आया। राहगीरों की मौजूदगी के बावजूद किसी ने बीच-बचाव की हिम्मत नहीं की। हालांकि वायरल वीडियो को देखकर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वीडियो की सत्यता की जांच और आरोपियों के खिलाफ पीड़ित की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण को नुकसान

दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार, ट्रांसपोर्ट नगर, ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

पटाखों के धुएं व आतिशबाजी के शोर ने घोला हवा में जहर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● कांठ रोड पर सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में सर्वाधिक एक्यूआई 264 पीजीएम रिकॉर्ड किया

● बुद्धि विहार में 263, ट्रांसपोर्ट नगर में 247, कांशीराम नगर में सुबह 10 बजे 257 रहा

दिल्ली रोड पर आतिशबाजी करते लोग।

अमृत विचार: दिवाली के जश्न में लोगों ने पर्यावरण फ्रेंडली के संकल्प को तार तार कर दिया। सोमवार को दिवाली पर रात के दो बजे तक हुई जमकर आतिशबाजी के चलते पटाखों के धुएं और शोर ने प्रदूषण को खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया। दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार, ट्रांसपोर्ट नगर, ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में वायु प्रदूषण खतरे के निशान को पार कर रेड जोन में पहुंच गया। इसका असर मंगलवार को सुबह भी रहा। धुएं की धुंध छाई रही।

दिवाली के दिन आतिशबाजी के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर पर जा पहुंचा। रात में कई जगह प्रदूषण का स्तर 300 पीजीएम पहुंच गया। मंगलवार की सुबह 10 बजे के करीब कांठ रोड पर सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में सर्वाधिक एक्यूआई 264 पीजीएम रिकॉर्ड किया गया। जबकि बुद्धि विहार में 263, ट्रांसपोर्ट नगर में 247, कांशीराम नगर निगम सुबह 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 257 रहा। सबसे कम सूचकांक जिगर कालोनी में 187 रिकॉर्ड किया गया।

खूब हुई आतिशबाजी, भूल गए ईको फ्रेंडली का संकल्प

त्योहारों के जश्न में लोग पर्यावरण की सुरक्षा को ताख पर रख देते हैं। होली हो या दिवाली ईको फ्रेंडली त्योहार मनाने का संकल्प और जागरुकता की प्रतिबद्धता केवल कागजी बनकर रह जाता है। इस बार भी निजी संगठनों की ओर से चलाए गए जागरूकता अभियान का असर दिवाली की रात टूट गया। जमकर की गई आतिशबाजी ने पर्यावरण को खूब नुकसान पहुंचाया। महानगर में दिवाली के लिए 18 से 20 अक्टूबर तक प्रशासन की निगरानी में कराए गए नीलामी के बाद तय स्थानों पर करोड़ों रुपये के पटाखे और आतिशबाजी की सामग्री जमकर बिकी। दिवाली की शाम से ही आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ तो 2:00 बजे रात तक पटाखों के धमाकों के शोर गूंजते रहे। शक्तिशाली पटाखों के शोर से लोग दहल उठते थे। वहीं इसके धुएं ने वायु प्रदूषण को खतरनाक स्तर पर पहुंचाकर बीमारों को और परेशान कर दिया। हृदय व सांस से संबंधित मरीजों के लिए दिवाली के दिन सांस लेना मुश्किल हो गया। किसी की धड़कन बढ़ी तो कई खुद को कमरे में बंद कर सुरक्षित रखने में जुटे रहे। दीपावली के उत्साह में लोगों ने ईको फ्रेंडली पर्यावरण के संकल्प को दरकिनार कर दिया। निजी संगठनों के अभियान बेमानी साबित हुए।

प्रदूषण वाले क्षेत्रों में कराया जा रहा पानी का छिड़काव

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल का कहना है कि वाटर स्प्रिंकलर से प्रदूषण वाले क्षेत्रों में पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। वहीं सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग भी कराई जा रही है।पेड़ों पर भी पानी का छिड़काव करा रहे हैं।

पटाखे की चिंगारी से वर्कशॉप में गाड़ियां और सामान जला

बिजनौर, अमृत विचार: एक वर्कशॉप में देर रात भीषण आग लग गई। पटाखे की चिंगारी से लगी इस आग ने पूरी वर्कशॉप को अपनी चपेट में ले लिया। गाड़ियां समेत अन्य सामान जल गया।

बिजनौर के मोहल्ला जुलाहान निवासी जहीरुद्दीन की कारों और ट्रैक्टरों की डेंटिंग-पेंटिंग की यह वर्कशॉप है। दिवाली का एक पटाखा अचानक वर्कशॉप में आ गिरा, जिससे आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही समय में पूरा परिसर उसकी चपेट में आ गया। एसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह, सीओ गौतम राय, कोतवाल धर्मेंद्र सोलंकी और दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने लगभग डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

वर्कशॉप मालिक जहीरुद्दीन के अनुसार, इस आग में उनकी एक ऑल्टो कार, एक सेंट्रो कार, एक मैजिक /छोटा हाथी और वर्कशॉप में रखा अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उन्हें करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

दीनदयाल नगर में लाइटों की रोशनी में सजे घर। ● अमृत विचार

दिवाली पर फुलझड़ी जलाती महिलाएं। ● अमृत विचार

झालरों से जगमगाया महानगर, दीपों से सजे घर-द्वार

लक्ष्मी-गणेश का किया पूजन-अर्चन, घरों से लेकर मंदिरों में बनाई गई आकर्षक रंगोली, आतिशबाजी से सतरंगी हुआ आसमान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **दिन भर पूजा की तैयारी, शाम को किया लक्ष्मी गणेश का पूजन**

अमृत विचार : दिवाली का पर्व उल्लास व उमंग के साथ मनाया गया। ज्योति के इस पर्व पर घर आंगन और छत जगमग हो उठे। लक्ष्मी जी का विधि विधान के साथ पूजन किया गया। मिष्ठान, पान, सुपारी, मेवा के साथ विघ्नहर्ता और मां लक्ष्मी की मंत्रोचारण के साथ पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। कारोबार में वृद्धि, पढ़ाई में तरक्की और निरोग रहने की प्रार्थना पूजा अर्चना कर की।

घर के आंगन और मंदिरों में रंगोली बनी। घर की चौखट, छत और मुंडेर पर दीपक रखे। मन में मां लक्ष्मी के प्रति आस्था का भाव रहा। घर के बाद भक्तों ने मंदिरों में दीपक जलाकर पूजन किया। महालक्ष्मी की आरती के बाद उन्हें भोग लगया। परिवारों ने मिलकर दीपावली की खुशिया बांटीं। दिवाली पर महिलाएं ने पूजा अर्चना के बाद जमकर आतिशबाजी का दौर चला। रात दो बजे तक पटाखों का शोर सुनाई देता रहा। हरा, लाल, पीला, नीला, बैंगनी रंग की चिंगारी स्काई शॉट से निकलीं। इन दृश्यों को लोगों ने मोबाइल से कैमरे में कैद किया।

दिवाली पर पूजन करते लोग। ● अमृत विचार

मोमबत्ती जलाते दंपती। ● अमृत विचार

पैराशूट वाली आतिशबाजी छतरी की तरह आसमान में खुल गई, यह नजारा देख बच्चे हर्षित हुए। अनार, चरखी छुड़ाकर भी आतिशबाजी का आनंद लिया। रामगंगा विहार, आशियाना, दीनदयाल नगर, नवीननगर, लाइनपार, बुद्धिविहार, हरथला, मंडी चौक, बुधबाजार, जिगर कालोनी, कांशीराम नगर, पीतलनगरी, गुलाबबाड़ी, कटघर, कोठीवाल नगर, मालवीय नगर, बंगलागांव, किसरौल, गोविंदनगर से लेकर पूरे महानगर में दीपावली उल्लास के साथ मनाई गई। दीपावली के दिन देर शाम तक बाजार और महानगर गुलजार रहा।

प्रीति योग में गोवर्धन पूजा आज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **महिलाएं गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बना करेंगे पूजा-अर्चना**

शुभ मुहूर्त : ● प्रातः काल मुहूर्त 6 :26 से 8 :42 तक।

● सायंकाल मुहूर्त दोपहर 3 :29 से 5 :44 बजे तक।

अमृत विचार : कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा पर बुधवार को गोवर्धन पर्व मनाया जाएगा। महिलाएं घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाएंगी और पूजा करेंगी। गोवर्धन पूजा कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाई जाती है। हर साल दिवाली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है, लेकिन इस साल अमावस्या तिथि की वृद्धि होने के कारण यह पर्व एक दिन बाद बुधवार को मनाया जाएगा।

ज्योतिषाचार्य दीपक कृष्ण उपाध्याय।

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। ज्योतिषाचार्य दीपक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि गोवर्धन पूजा के दिन भगवान कृष्ण, गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा के दिन 56 प्रकार के पकवानों का श्रीकृष्ण को भोग लगाना शुभ माना जाता है। इन्हीं पकवानों को अन्नकूट कहते हैं। बताया कि बुधवार को पूरे दिन स्वाति नक्षत्र और प्रीति योग रहेगा। ये योग शुभ और लाभकारी हैं। मान्यता है कि इन योग में किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार ब्रजवासियों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी दिव्य शक्ति से विशाल गोवर्धन पर्वत को छोटी उंगली में उठाकर बृजवासियों को भगवान इंद्र के कोप से बचाया था। श्रीकृष्ण ने इंद्र के घमंड को चूर कर गोवर्धन पर्वत की पूजा की थी। इस दिन लोग अपने घरों में गाय के गोबर से गोवर्धन बनाते हैं। कुछ लोग गाय के गोबर से गोवर्धन का पर्वत मनाकर उसे पूजते हैं तो कुछ गाय के गोबर से गोवर्धन भगवान को जमीन पर बनाते हैं। माना जाता है कि गोवर्धन पूजा करने से कृषि और संसाधनों के स्वामी ग्रह शुक्र और बुध प्रसन्न होते हैं। शनि और राहु जैसे ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

दूसरे दिन भी रोशनी में नहाया शहर

मुरादाबाद, अमृत विचार : दीपावली का उल्लास मंगलवार को भी रहा। मंगलवार को घरों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों में दीप जला लोगों ने खुशियां मनाईं। बच्चों ने आतिशबाजी की। मंगलवार शाम को भी लोगों के घर दीपों व सतरंगी झालरों से सजे रहे। शाम को कॉलोनियां रोशन हो गईं। गतौरा, गोविंदपुर कलां, लालाटीकर, बिलारी और स्योंडारा सहित अन्य क्षेत्रों में त्योहार का उल्लास रहा। बाजारों में पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह समाजसेवी संस्थाओं ने दीपदान और गरीब परिवारों को मिठाई वितरण कर त्योहार की खुशियों को साझा किया। सोशल मीडिया पर भी दीपावली की तस्वीरें साझा की गईं। अगले दिन तक दीपोत्सव की बधाइयों का दौर चलता रहा।

दावे धराशायी, घंटों गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही से परेशान रहे उपभोक्ता**

अमृत विचार: दिवाली पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के दावे धराशायी हुए। महानगर के कई इलाकों में बिजली गुल रही। देर रात जब पूरा महानगर रोशनी से जगमगा रहा था, तभी लालबाग, पीतल नगरी, गुलाबबाड़ी और बलदेवपुरी के उपकरणों में फॉल्ट से विद्युत आपूर्ति बाधित रही।

स्थानीय लोगों के फोन करने पर कर्मचारियों ने फोन नहीं उठाया। जबकि दिवाली पर कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाने का आदेश दिया था। दौलतबाग विद्युत केंद्र से जुड़े लालबाग क्षेत्र में सुबह करीब चार बजे ट्रांसफार्मर में फॉल्ट हो गया। स्थानीय लोगों ने विभागीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी ,लेकिन सुबह 10 बजे तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। करीब छह घंटे तक बिजली गुल रहने से क्षेत्र के सैकड़ों घरों में परेशानी बनी रही। इसी तरह पीतल नगरी विद्युत केंद्र से जुड़े बलदेवपुरी, गुलाबबाड़ी और पीतल नगरी इलाके में भी रात 12 बजे से बिजली गुल रही। रात भर कटौती से परेशान रहे उपभोक्ताओं का कहना है कि शिकायतों के बावजूद विभागीय अधिकारी और लाइनमैन मौके पर नहीं पहुंचे। लोगों ने बताया कि सुबह 12 बजे बिजली आपूर्ति सुचारु हो सकी। दिवाली जैसे पर्वों पर भी बिजली कटौती से अव्यवस्था बनी रही। जबकि विभाग की ओर से दावा किया गया था कि त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी ड्यूटी लगाई गई है।

> दिवाली पर अधिक बिजली आपूर्ति के इस्तेमाल से कुछ जगहों पर फाल्ट होने सूचना मिली थी।जहां उपभोक्ताओं के फोन करने कर्मचारियों के फोन उठाने की शिकायत मिली।संबंधित अधिशासी अभियंता को ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है जिन्होंने फोन रिसीव नहीं किए। **-अशोक कुमार चौरसिया,** मुख्य अभियंता विद्युत वितरण खंड

मां काली की पूजा कर ढोल की थाप के बाद विसर्जित की प्रतिमा

मनोरंजन सदन में पूजन के बाद मौजूद सार्वजनिन बंगाली एसोसिएशन के सदस्य।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रेलवे मनोरंजन सदन में सार्वजनिन बंगाली एसोसिएशन द्वारा सोमवार को दीपावली की रात 12 बजे से मां काली की पूजा-अर्चना की गई।

पुरोहित बोनोमाली चक्रवर्ती ने मां काली की प्रतिमा की विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की। लोगों ने निर्जला व्रत रख मां को पुष्पांजलि अर्पित की। मंगलवार शाम चार बजे रामगंगा विहार स्थित सीएल गुप्ता घाट पर ढोल नगाड़ों की थापों के बीच मूर्ति का विसर्जन किया। इस मौके पर असित बनर्जी, सुदीप बनर्जी, उज्ज्वल गुप्ता, अविजित रॉय, आलोकेश बोस,अरुण भट्टाचार्य, देवाशीष भट्टाचार्य, सौरभ चक्रवर्ती, राजेश पाल आदि मौजूद रहे।

जोरदार मांग से खिला फूलों का बाजार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **त्योहारी मौसम में फूल विक्रेताओं को मिला बेहतरीन मुनाफा, कमल की माला 150 रुपये तक बिकी**

अमृत विचार : दीपावली के अवसर पर शहर भर के फूलों के बाजार में जमकर रौनक देखने को मिली। त्योहारी सीजन के कारण फूलों की मांग में भारी इजाफा हुआ, जिससे फूल विक्रेताओं के चेहरे खुशी से खिल गए। लक्ष्मी जी को सबसे प्रिय माने जाने वाले कमल के फूल की इस बार सबसे अधिक बिक्री हुई।

कमल की माला 120 से 150 रुपये तक में बिकी, जो सामान्य दिनों 80 रुपये तक में मिल रही थी। लोगों ने लक्ष्मी पूजा के लिए विशेष रूप से कमल के फूलों की खरीदारी की। मंडी चौक, गाड़ीखाना, गुलाबबाड़ी और मकबरा मंडी जैसे प्रमुख फूल बाजारों में दीपावली के दिन सुबह से ही ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गेंदा, गुलाब, चमेली और कमल के फूलों की सबसे अधिक खरीदारी हुई। मंडी चौक में फूल विक्रेता विनय कुमार ने बताया इस साल दीपावली पर बिक्री बहुत अच्छी रही है। कमल के फूल की मांग सबसे ज्यादा थी। वहीं, विक्रेता दीपक माली ने बताया कि त्योहारी सीजन में मेहनत रंग लाई है। ग्राहकों ने फूलों की काफी सराहना करते हुए खरीदारी की। फूल व्यापारियों का कहना है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहारों से उन्हें साल भर की मेहनत का फल मिल जाता है। इस बार की अच्छी बिक्री हुई।

मंडी चौक में फूलों की बिक्री के लिए बैठे विक्रेता।

रसोइया स्कूल परिवार का महत्वपूर्ण अंग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने दिवाली पर कुंदरकी और मूंढापांडे ब्लॉक की रसोइयों को मिष्ठान, उपहार और दीपक देकर शुभकामनाएं दीं। कुंदरकी ब्लॉक का कार्यक्रम ब्लॉक सभागार कुंदरकी और मूंढापांडे ब्लॉक का कार्यक्रम ब्लॉक सभागार में हुआ।

विधायक ने कहा कि रसोइया स्कूल परिवार की महत्वपूर्ण अंग हैं। रसोइया विद्यालय की रीढ़ होती हैं, जो न केवल बच्चों के पोषण का ध्यान रखती है। कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो, ये स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए खाना बनाकर खिलाती हैं। ये एक योद्धा है, जो ठंड, गर्मी व बरसात के दिनों समय से स्कूल पहुंचकर अपनी सेवा देकर अहम भूमिका निभाती आ रही है। बहुत कम मानदेय पर इतनी मेहनत करने वाली रसोइयों का हर स्तर पर सम्मान होना चाहिए। सरकार हर वर्ग के मेहनतकश लोगों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। रसोइयों की मांगों को वह शीघ्र की मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम बिलारी विनय कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, संजय कश्यप, महेंद्र सैनी, नीरज चंद्रा, रोहित सिंह, रामकिशोर लोधी, बिजेंद्र चौधरी, संजय दिवाकर, अरविंद ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

रसोइयों को संबोधित करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

● **ब्लॉक परिसर में हुए कार्यक्रम में विधायक ने रसोइयों को उपहार देकर बढ़ाई खुशियां**

सुबह धुंधली, दिन में गर्माहट तो शाम को सर्दी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : दिवाली के अगले दिन मंगलवार को मौसम थोड़ा बदला नजर आया। सोमवार की रात जमकर हुई आतिशबाजी के बाद सुबह शहर धुंध की चादर में लिपटा दिखा। हालांकि, दिन चढ़ते ही सूरज की किरणों ने वातावरण में गर्माहट घोल दी। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस तरह अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री का अंतर दर्ज किया गया, जिससे दिन में हल्की उमस और शाम को ठंडक दोनों का अहसास हुआ।

दिवाली की रात हुई आतिशबाजी से हवा में धुएं और बारूद के कण तैरते रहे। जिसके कारण मंगलवार सुबह दृश्यता पर असर पड़ा। कई लोग सुबह की सैर के दौरान हल्की जलन और खांसी की शिकायत करते नजर आए। नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीमों ने भी सुबह से सफाई और मॉनिटरिंग का काम तेज कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले सप्ताह तक मौसम में गर्माहट बनी रहेगी। दिन के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड बढ़ सकती है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि दिवाली के बाद के दिन आमतौर पर ठंड की शुरुआत का संकेत देते हैं, मगर इस बार अभी भी गर्मी का असर महसूस हो रहा है। कुल मिलाकर दिवाली की रौनक के बाद महानगर की सुबह धुंधली और दिन गर्माहट लिए रही, जबकि शाम होते-होते हवा के झोंके सर्द मौसम का संकेत दे रहे थे।

सिविल लाइन क्षेत्र में सुबह छाई धुंध। ● अमृत विचार

टीएमयू की चार छात्राएं ई-पोस्टर नेशनल कम्पीटिशन विजीक्वेस्ट में आईं प्रथम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **श्री गोकुलम मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च फाउंडेशन केरल में प्रस्तुत किए आठ पोस्टर**

अमृत विचार: तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की चार छात्राएं राष्ट्रीय स्तर की ई-पोस्टर प्रतियोगिता विजीक्वेस्ट में प्रथम आईं।

केरल के श्री गोकुलम मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च फाउंडेशन में पांचवें राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के उपलक्ष्य में आपकी सुरक्षा, बस एक क्लिक दूर- पीवीपीआई को रिपोर्ट करें पर हुई राष्ट्रीय ई-पोस्टर प्रतियोगिता विजीक्वेस्ट में मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस बैच 2021-22 की प्रियांशा चावला, रिया चेची, निष्ठा रानी और अनन्या चावला संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहीं। जबकि दूसरे पोस्टर के लिए प्रियांशा चावला और रिया चेची ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस सफलता के लिए निदेशक प्रशासन अभिषेक कपूर, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एनके सिंह, डीन एकेडमिक्स-मेडिकल प्रो. एसके जैन ने एएमसी और एमडीएमसी के समन्वयक प्रो. प्रीथपाल सिंह मटरेजा ने बधाई दी।

टीएमएमसी एंड आरसी के एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर- एएमसी और मेडिकल डिवाइस मॉनिटरिंग सेंटर- एमडीएमसी के तहत कुल आठ पोस्टर प्रस्तुत किए। मूल्यांकन देश के फार्माकोलॉजी विभाग के संकाय की ओर से किया गया। यह ई-पोस्टर प्रतियोगिता विभिन्न श्रेणियों में आयोजित हुई।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो. 7906815587

सूचना

मैंने अपना नाम BABU BEG से बदलकर MUKHTAR BAIG रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जाए। MUKHTAR BAIG S/O ANWAR BEG R/O GALI HAJI KALU BAIG मुरादाबाद।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दीपोत्सव के अगले दिन जिला अस्पताल में बढ़ी भीड़

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **आतिशबाजी और असंतुलित खानपान से बिगड़ी तबीयत**

अमृत विचार : दीपोत्सव के उत्साह में जरा सी चूक भारी पड़ी। सोमवार की रात आतिशबाजी के चलते कई लोग झुलस गए तो किसी को पटाखों के धुएं व शोर से सांस लेने में तकलीफ बढ़ गई। मंगलवार को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज कराते दिखे।

मंगलवार की सुबह से शाम तक 150 से अधिक मरीज इमरजेंसी में पहुंचे। इनमें से अधिकांश मरीजों को पटाखों के धुएं और प्रदूषण के कारण सांस लेने में परेशानी हो रही थी। कई लोग आंखों में जलन और त्वचा पर जलने की शिकायत लेकर आए। बच्चों और बुजुर्गों में यह समस्या अधिक देखी गई। इसके अलावा, दीपावली की रात तले-भुने मसाले वाले भोजन से पेट दर्द की दिक्कत हुई। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि दीपोत्सव के अगले दिन हर साल मरीजों की संख्या में वृद्धि होती है।

इस बार भी अधिकतर मरीज पटाखों के धुएं से सांस संबंधी परेशानी, जलन या चोट के साथ आए। वहीं, कुछ ने भारी भोजन या मिठाइयों के सेवन से पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत की। मरीजों को प्राथमिक इलाज दिया गया।

परेशानी | नवंबर में अर्द्धवार्षिक परीक्षा, दिसंबर में निपुण विद्यालयों का किया जाएगा आंकलन

डिजिटल के दबाव में शिक्षक, पढ़ाई कम सूचना देने में बीत रहा समय

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● **एक शिक्षक के मोबाइल में 30 से अधिक सरकारी ऐप इंस्टॉल**

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के शिक्षक अब पढ़ाने से ज्यादा समय मोबाइल पर सूचनाएं भरने में बिता रहे हैं। शिक्षा विभाग की ओर से डिजिटल मॉनिटरिंग को बढ़ावा देने के नाम पर शिक्षकों पर इतना अधिक ऑनलाइन काम का बोझ डाल दिया गया है कि अब एक शिक्षक के मोबाइल में औसतन 30 से अधिक सरकारी ऐप इंस्टॉल हैं। ऐसे में नवंबर में बच्चों की परीक्षा की तिथि भी जल्द ही आने वाली है। शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने का समय बीएलओ की ड्यूटी करने में लग रहा है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि पढ़ाई-लिखाई, प्रशिक्षण और विभागीय रिपोर्टिंग के बीच अब हर गतिविधि मोबाइल पर दर्ज करनी पड़ती है। प्रेरणा, प्रेरणा डीबीटी, दीक्षा, रीड अलांग, निपुण प्लस, शारदा, उल्लास, य-डाइस, आई गॉट कर्मयोगी, निपुण टीचर, एम-आधार, हरितिमा, इको क्लब, ज्ञान समीक्षा, स्विप्ट चैट, परख, किताब वितरण, गूगल मीट, उमंग, मानव संपदा, एनबीएमसी, जूम, ई-कवच जैसे ऐप्स पर रोजाना जानकारी अपलोड करनी अनिवार्य कर दी गई है। जिससे दिनभर स्कूल में और घर जाकर देर रात तक रिपोर्ट अपलोड करने में समय निकल जाता है। कई बार नेटवर्क या तकनीकी समस्याओं के कारण उन्हें घंटों एक ही काम में लगे रहना पड़ता है। इस कारण बच्चों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना मुश्किल हो गया है। अभिभावक भी अब आरोप लगाने लगे हैं कि शिक्षक पढ़ाने की जगह मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। जानकारी अपडेट न करने पर कार्रवाई की चेतावनी मिल जाती है।

शिक्षकों से बातचीत

शिक्षकों पर डिजिटल काम का अत्यधिक दबाव है। पढ़ाने से ज्यादा समय मोबाइल पर जानकारी भरने में निकल रहा है ऐसे में महिला अध्यापकों के सामने त्रिकोणीय समस्या बनी हुई बच्चों को स्कूल में पढ़ाने फिर विभाग द्वारा दिए गए अतिरिक्त कार्य और फिर घरेलू कामकाज को बोझ पड़ रहा है। सरकार को चाहिए कि शिक्षण से जुड़ा डेटा अपलोड करने के लिए अलग तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति करे। ताकि शिक्षक केवल शिक्षण कार्य पर ध्यान केंद्रित रहे सकें। – **ऋतु त्यागी (जिला अध्यक्ष)**, महिला शिक्षक संघ

विभाग की दी गई जिम्मेदारी में हम पूर्ण रूप से सहयोग कर रहे है तो शिक्षकों से बीएलओ का काम न लिया जाए। जिससे शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा को माहौल दे सकें और बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत हो सके। – **शिवि गुप्ता,** जिला प्रचार मंत्री, प्राथमिक शिक्षक संघ

घर में छोटे बच्चों हो तो महिला शिक्षक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है ।जहां सरकार बेहतर शिक्षा के करोड़ों रुपये खर्च कर रही वहीं शिक्षकों को उनके मूल कार्य से हटकर अन्य कार्य लिए जा रहे हैं। सरकार शिक्षा से अलग कार्य के लिए अलग से नियुक्ति करे तो दोनों कार्यों का बेहतर परिणाम निकलेगा। – **प्रेमलता गौड़, जिला उपाध्यक्ष,** महिला शिक्षक संघ

न्यूज ब्रीफ

युवती के अपहरण में नामजद को भेजा जेल

भोजपुर, अमृत विचार : उप निरीक्षक अंकुर चौधरी ने गांव अक्का भीकनपुर निवासी शानेआलम को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया। युवक के खिलाफ एक ग्रामीण ने पांच दिन पहले बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

दंपती समेत चार पर मारपीट की रिपोर्ट

भोजपुर, अमृत विचार : पुलिस ने गांव चकबेगमपुर निवासी कमल सैनी की तहरीर पर गांव के ही सुरजपाल उसकी पत्नी बीना एवं नौबत सिंह और उसके बेटे प्रवेंद्र सिंह के खिलाफ मां और भाई के साथ मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसों में चार घायल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : मंगलवार को उत्तराखंड के थाना गदरपुर के भोगपुर राम निवासी मंगत सिंह पुत्र राम सिंह किसी काम से ठाकुरद्वारा आए थे वापस लौटते समय ठाकुरद्वारा काशीपुर मार्ग पर वाहन की चपेट में आकर घायल हो गए। वहीं थाना डिलारी के गांव बहादुर नगर निवासी अंकुश पुत्र ओमप्रकाश की बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गयी जिसमें अंकुश घायल हो गया। वार्ड 14 निवासी मोहम्मद फारूक सन्यासी वाला गांव से वापस बाइक से लौट रहा था इसी दौरान फैजुल्लागंज स्थित मंदिर के निकट सड़क पार कर रहे भानु सिंह की बाइक से टक्कर हो गई जिसमें दोनों लोग घायल हो गए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली का पर्व, दीप जलाए, आतिशबाजी की

देर रात तक लोग छुड़ाते रह पटाखे, दीपों और झालरों से जगमगा उठा नगर, घरों में बनाए गए पकवान

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : प्रकाश पर्व दीपावली का त्योहार सोमवार को नगर एवं देहात क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कुछ क्षेत्रों में मंगलवार को दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है।

सोमवार को घरों, गलियों और बाजारों को दीपों एवं रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया। पूरे दिन जहां बाजारों में खरीदारी को लेकर रौनक रही, वहीं शाम होते ही दीपों की झिलमिल रोशनी से नगर और ग्रामीण क्षेत्र जगमगा उठे। लोग एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते नजर आए। नगर के सनातन धर्म हिंदू इंटर कॉलेज के मैदानमें मंगलवार को भी जमकर आतिशबाजी की बिक्री हुई। शाम के समय लक्ष्मी-गणेश पूजन के बाद लोगों ने मिठाइयां और व्यंजन बनाकर प्रसाद वितरित किया। बच्चों ने देर रात तक आतिशबाजी कर उल्लास व्यक्त किया और "जय श्रीराम" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया।

ठाकुरद्वारा में सनातन धर्म हिंदू इंटर कॉलेज में आतिशबाजी खरीदते लोग।

क्षेत्र में धूमधाम से मना दीपावली का पर्व

कांठ/छजलैट, अमृत विचार : गांव से शहर तक दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान लोगों ने जमकर पटाखे दागे और आतिशबाजी की। गली-चौराहे से लेकर चौबारे तक रोशनी से जगमग रहे। सोमवार को दीपावली के अवसर पर लोगों ने शाम को गणेश व लक्ष्मी की विधिविधान से पूजा-अर्चना कर मंगल कामना की। गणेश और भगवती लक्ष्मी के आगमन की तैयारी में घर की चौखट पर महिलाओं ने आकर्षक रंगोली बनाई। सुबह से ही बाल, वृद्ध, नर-नारी और बच्चों में दीप पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। शाम होते-होते घरों पर रंग-बिरंगी झालरें झिलमिलाने लगीं तो पूरा शहर रोशनी से नहा गया। अंधेरा होने के साथ ही पटाखों और आतिशबाजी का धूम-धड़ाका शुरू हो गया। आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठा। इस दौरान दुकानों और प्रतिष्ठानों से लेकर घरों तक में शाम होने के साथ ही भगवान गणपति और भगवती लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की गई। नागरिकों ने एक दूसरे के घरों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

दीप से दीप जला मनाई दीपावली

बिलारी, अमृत विचार : दीपावली का पर्व श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया। लोगों ने अपने घरों, प्रतिष्ठानों में मिट्टी के दीये प्रज्ज्वलित किए। बाजार में आतिशबाजी, मिठाई आदि के खरीदारी होती रही। अनार, चकरघिन्नी चलाने के साथ पटाखे फोड़े गए। घरों में खेल बताशे मीठे खिलौने फल फूल एवं पकवान के साथ माता लक्ष्मी गणेश जी सरस्वती और कुबेर आदि का पूजन किया गया। एक-दूसरे के घर जाकर भी मिठाई के साथ दीपावली की बधाई दी। बाजार में पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। भीड़ नियंत्रित करने को बाजार में बड़े वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रखी गई। सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने भी दीपावली मनाई। पूर्व सांसद राजा चंद्र विजय सिंह ने राजमहल सहसपुर के सिंह द्वारा एवं नवीन भवन में विशेष सजावट कराई। गन्ना समिति के डायरेक्टर चौधरी उदयवीर सिंह, सुंदर महल स्योंडारा, शंकर भवन बिलारी, हर विलास नगलिया जट में भी सजावट ने मोहित कर दिया। ग्राम प्रधान संजीव चौधरी ग्रामीणों को दीपावली की बधाई दी। पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने सफाई कर्मियों, पिछड़े, दलित वर्ग, भाजपा के बूथ अध्यक्षों के साथ दीपावली की खुशियों को साझा किया।

दीपक जलाते उदयवीर सिंह व उनकी पत्नी।

छह दिन बाद भी नहीं लगा बच्चे का सुराग

बच्चे को तलाश करने की गुहार लगाता पीड़ित परिवार। ● अमृत विचार

संवाददाता, छजलैट

- 16 अक्टूबर की शाम डेरे के बाहर से लापता हो गया था बच्चा

अमृत विचार: पुलिस लापता बच्चे की तलाश कर रही है, लेकिन छह दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला।

16 अक्टूबर की शाम छजलैट बिजनौर रोड पल पुल के पास चारपाई पर खेल रहा दो साल का मासूम अपहृत हो गया था। अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्जकर पुलिस ने बच्चे की तलाश शुरू की। लेकिन छह दिन बाद भी पुलिस मासूम को बरामद नहीं कर सकी है। बच्चे के न मिलने से उसकी मां को अनहोनी की आशंका सता रही है। कांठ क्षेत्र के गांव नवादडी के मूल निवासी अंकित सिंह अपनी पत्नी बंटी व बेटा रोहन और दो वर्षीय छोटा बेटा मोहन के साथ चार वर्ष से छजलैट में सड़क किनारे झोपड़ी डालकर रहते हैं और देशी दवाई बेचते हैं। लेकिन 16 अक्टूबर की शाम छजलैट तिराहे से एटीएम आ गया। पत्नी दोनों बेटों को झोपड़ी के बाहर चारपाई पर बैठाकर काम में लग गई। इसी बीच कोई आया और मोहन को उठाकर ले गया।

महिला ने बेटे की इधर उधर तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्जकर बच्चे की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने पहले तो छजलैट गांव के पास नहरों, तालाबों, पोखरों व खेतों में बच्चे को खोजने का प्रयास किया। लापता हुए 2 वर्षीय मासूम मोहन का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। बच्चे के गायब होने के बाद से ही परिजन चिंतित हैं। मोहन के वापस आ जाने की गुहार लगा रही है। वहीं बच्चे के पिता अंकित भी इसी ताक में हैं कि बच्चे का कोई तो सुराग मिल जाए लेकिन अभी तक बच्चे की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

दीपावली पर मंदिर से दान पात्र चोरी, ग्रामीणों में गुस्सा

खुलासे की मांग कर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: थाना कुंदरकी क्षेत्र के अंतर्गत चोरी की वारदातें कम होने का नाम नहीं ले रही जिसको लेकर क्षेत्र वासियों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है।

क्षेत्र के गांव मझौली के सामने सड़क किनारे मंदिर से चोर दीपावली की रात दान पेटी चोरी कर ले गए। ग्राम वासियों ने बताया है कि तीसरी बार मंदिर से चोरी हुई है। मंदिर की दो दान पेटी में करीब 15000 रुपए थे। ताले तोड़कर खाली दान पेटी मंदिर से कुछ दूरी पर फेंक कर चले गए। ग्रामीण अरविंद, विनीत, सोनू सिंह, विशाल, दीपक, विपिन, जितेंद्र, शिवम, सोनू सतपाल आदि ने थाना कुंदरकी में शिकायती पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने खुलोस के लिए प्रदर्शन भी कयि। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

गृह क्लेश के चलते गोली लगने से गृह स्वामी घायल

छजलैट, अमृत विचार: क्षेत्रीय गांव भीकनपुर में गृह क्लेश के चलते गृह स्वामी गोली लगने से घायल हो गया। जख्मी हालत में गृह स्वामी मुरादाबाद निजी अस्पताल में भर्ती है।

थाना क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर में कुछ समय पूर्व एक युवती ने प्रेम विवाह कर लिया था। परिजन प्रेम विवाह के खिलाफ थे। अब मायके के कुछ सदस्य विवाहिता से संबंध रखना चाहते हैं जबकि पिता किसी भी कीमत पर विद्रोही बेटी से संबंध नहीं रखना चाहता। इसी को लेकर परिवार में काफी समय से क्लेश चल रहा था। दीपावली के दिन रविवार को दोपहर 1:00 बजे करीब गृह स्वामी के अचानक गोली लग गई। घायल को मुरादाबाद में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में थाने में कोई सूचना समाचार लिखे जाने तक नहीं दी गई है। पुलिस इस प्रकार की किसी भी घटना की जानकारी नहीं दे रही है।

आतिशबाजी बाजार में लगी आग, अफरा-तफरी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : सुरजननगर में दुकानदारों ने बिना लाइसेंस बनवाये पुलिस व फायर बिग्रेड से हमसाज होकर जमकर आतिशबाजी बेची। मेन बाजार में ही करीब तीन दर्जन दुकानें आतिशबाजी की लगीं। सोमवार की शाम कियर ने रॉकेट जलाया। रॉकेट आसमान में न जाकर आतिशबाजी की दुकान में घुस गया। तेज आवाज के साथ आतिशबाजी छूटने से बाजार में भगदड़ मच गई। दुकानदारों व आसपास के लोगों ने किसी तरह रेत आदि डालकर आग पर काबू पाया। एक दुकानदार का हाथ झुलस गया और पास में खड़ी एक बाइक भी जल गई। दमकल विभाग के अंग्रेज सिंह ने बताया की सूरजनगर में कोई भी आतिशबाजी का थोक विक्रेता नहीं है और न ही कोई लाइसेंस है।

तीन गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक संजय पांचाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात फैजुल्लागंज तिराहे पर चेकिंग के दौरान तीन अभियुक्तों को चोरी की बाइक सहित पकड़ा। निशानदेही पर मुण्डोवाली कॉलोनी के पास खंडहर से दो और बाइकें बरामद कीं। अभियुक्तों की पहचान संजू पुत्र महेश सिंह निवासी असलेमपुर, अतुल कुमार पुत्र गंभीर सिंह निवासी फर्रखपुर और अमित कुमार पुत्र उदल सिंह निवासी लौंगी खुर्द के रूप में हुई है। तीनों का चालान कर दिया।

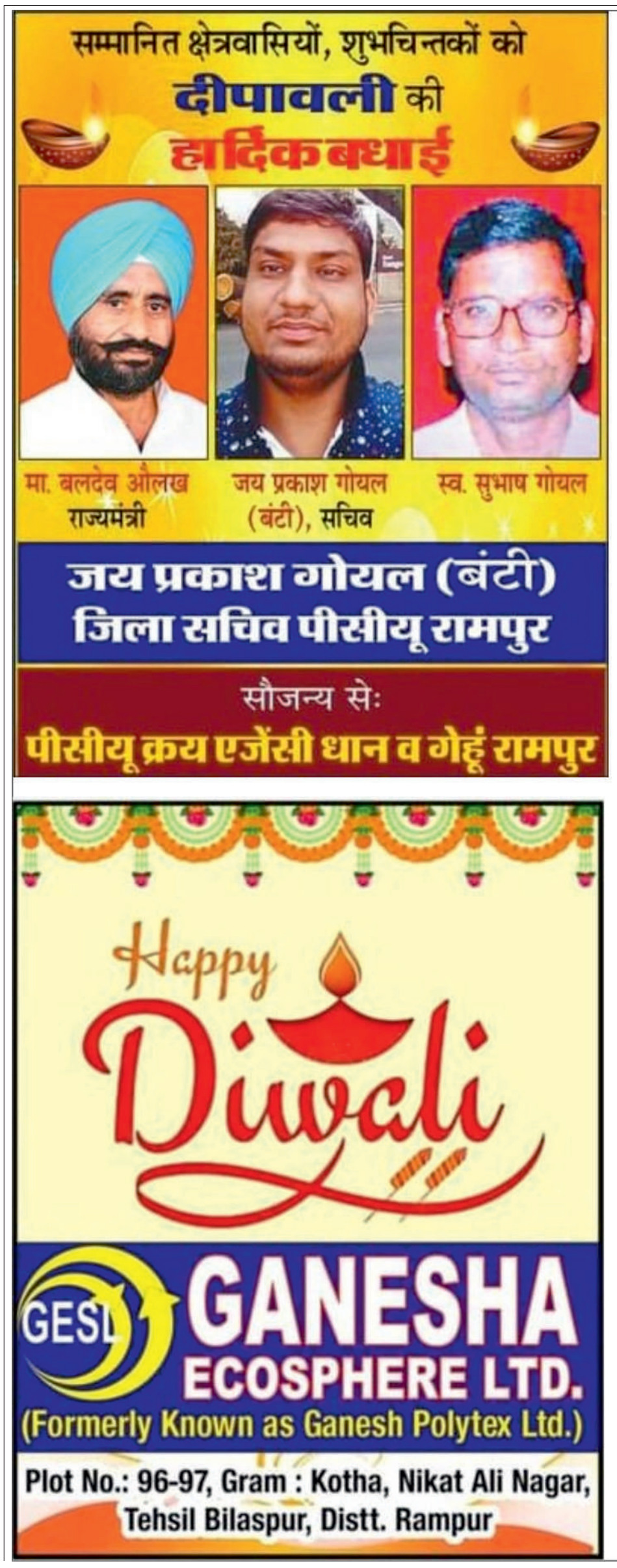

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,22 अक्टूबर 2025

रामपुर

लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर धूमधाम से मनाई दिवाली

रंग बिरंगी लाइटों से सजाए घर , खूब छोड़ी आतिशबाजी , शहर से लेकर देहात क्षेत्रों तक देखने को मिला त्योहार का उल्लास

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचार: सोमवार को जिले भर में दिवाली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। दिन छिपने के बाद लोगों ने विधि विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा अर्चना करके सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। लक्ष्मी पूजन के बाद बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों ने घरों पर दीए जलाकर घरों को रोशन किया।

सोमवार को बड़ी दिवाली होने के कारण लोगों में काफी उत्साह सुबह से ही देखने को मिला। बच्चों ने घरों को रंगोली से सजाया। महिलाएं पूजा के लिए घर को सजाती रहीं। शाम तक दिवाली पर्व को लेकर लोगों ने तैयारी पूरी कर ली। दिन छिपने के बाद शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। उसके बाद एक-दूसरे को दिवाली की बधाई दी। बाजारों में शाम तक खरीदारी के लिए लोग पहुंचते रहे। लोगों ने घरों को रंग- बिरंगे फूलों, बिजली की मालाओं से सजाया। शाम होते ही बच्चों ने घरों को दीयों से सजाया। नगर से लेकर गांव रंग- बिरंगी बिजली की मालाओं और दीयों की रोशनी से जगमगाता रहा। रात भर आसमान आतिशबाजी से सराबोर रहा। पैराशूट बम, रंग-बिरंगे रॉकेटों से आसमान में अलग अलग रंगों की बौछार दिखी। युवाओं ने जमकर आतिशबाजी करते हुए खूब आनंद लिया।

दुकानों को भी लाइटों से सजाया गया

जिले भर में घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और दफ्तरों को दीपों व रंग-बिरंगी लाइटों से खूबसूरत तरीके से सजाया गया। जिससे पूरा शहर जगमग हो उठा। उसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। रंग-बिरंगी लाइटें और आकर्षक लड़ियां हर गली-मोहल्ले में दिखाई दीं।लोगों ने मैन गेट को फूल मालाओं से सजा रखा था। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मिट्टी के दीयों की भी भरपूर खरीदारी हुई।

रंग बिरंगी लाइटों से सजी कोठी। ● अमृत विचार

दिवाली पर पूजा अर्चना करते सराफा कारोबारी। ● अमृत विचार

शिशु सदन में डीएम-एसपी ने मनाई दिवाली बच्चों को गोद में लेकर दुलारा

दिवाली पर्व पर डीएम जोगिंदर सिंह पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र व अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के साथ राजकीय बाल गृह (शिशु) पहुंचे। वहां बच्चों के साथ पर्व मना मिठाई वितरित की। डीएम व एसपी ने बच्चे को गोद में लेकर दुलार किया। इस दौरान जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित किया एवं उन्हें शिक्षा, अनुशासन तथा राष्ट्र निर्माण में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

दिवाली पर करोड़ो रुपयों की छोड़ी आतिशबाजी

सोमवार रात दिवाली के मौके पर लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। बच्चों ने रंग बिरंगी पेंसिल जलाई, तो युवाओं ने जमकर पैराशूट और राकेट को आसमान में पहुंचाया। देर रात धड़ाम, धड़ाम पटाखों की आवाजें आती रही। करोड़ो रुपये की लोगों ने आतिशबाजी जला दी। दिवाली के पर्व को लेकर लोगों पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटे थे। जिले भर में दिवाली के मौके पर 475 पटाखों की दुकानें 18 स्थानों पर लगी थी। पूजा होने के बाद बच्चे से लेकर युवक-युवतियां अपने परिवार के साथ छतों पर पहुंच गए। उसके बाद पटाखे छोड़ने का सिलसिला शुरू हो गया, जो कि देर रात तक चलता रहा।

भाकियू टिकैत के किसानों ने जलाए पटाखे

सिविल लाइंस स्थित भाकियू टिकैत के कार्यालय में सोमवार को दिवाली पर्व धूमधाम से मनाया गया। किसानों ने वहां जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान काफी संख्या में किसान मौजूद रहे। इसके अलावा नारायणा ई-टेक्नो स्कूल के एकेडमिक डीन दिव्यांश सिंघल को राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के जिला उपाध्यक्ष काशिफ खां ने गिफ्ट देकर बधाई दी।

स्वार, मसवासी में धूमधाम से मना दीपों का पर्व

स्वार/मसवासी, अमृत विचार : नगर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में दिवाली का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। सोमवार को सुबह से ही घरों में दीपावली की तैयारियों की रौनक दिखाई देने लगी। लोगों ने सुख, समृद्धि और वैभव की कामना के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की।दिनभर बाजारों में रौनक बनी रही। लोगों ने गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, मिट्टी के दीये, झालरें और मोमबत्तियां जमकर खरीदीं। शाम होते ही मंदिरों और घरों में दीपों की पंक्तियां जगमगा उठीं। पूजा के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दीप जलाकर एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। शाम होते ही आसमान आतिशबाजी से जगमगा उठा। बच्चों ने फुलझड़ी और पटाखों का खूब आनंद लिया, वहीं बड़े भी उल्लास में शामिल नजर आए। चौराहों, बाजारों और गलियों में रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी का मनमोहक नजारा देर रात तक जारी रहा। वहीं मसवासी नगर क्षेत्र में दीपावली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। सोमवार को गणेश-लक्ष्मी के पूजन के बाद मित्रों और सहयोगियों को बधाई के रूप में मिठाइयां भेंट की। घरों को रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया। घरों के बाहर दीप जलाए गए कुछ लोगों ने दीपों के रूप में घरों के बाहर सुसज्जित तरीके से मोमबत्तियां जलाई। रंग बिरंगी लाइटों से घरों को सजाया गया। आतिशबाजी छोड़कर पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। जबकि कुछ लोग दीपावली का पर्व मंगलवार को मना रहे हैं।

दिवाली के मौके पर कार्यालय पर पटाखे छोड़ते किसान ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने निर्माणाधीन फायर स्टेशन का किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र और अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने मंगलवार को कोतवाली क्षेत्रांतर्गत तोपखाना गेट पर बन रहे नये फायर स्टेशन के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उसके बाद संबंधित को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान शहर कोतवाली प्रभारी भी मौजूद रहे।

पुलिस ने परिवार टूटने से बचाया

रामपुर,अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सशक्त बनाने के लिए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली एवं मिशन शक्ति केंद्र कर्मचारी, महिला हेड कांस्टेबल चिंकी यादव,सोनिका यादव ने एक प्रकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। थाना कोतवाली निवासी एक महिला ने प्रार्थना पत्र दिया गया कि उसके देवर व सास द्वारा दहेज की मांग एवं मारपीट कर परेशान किया जा रहा। प्रभारी निरीक्षक व मिशन शक्ति केंद्र कर्मचारियों ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई गई। जिसमें आपसी मतभेद का सौहार्दपूर्ण समाधान हुआ। दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया और परिवार टूटने से बच गया।

सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल

बिलासपुर, अमृत विचार : दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। नगर की गुरूनानक कॉलोनी निवासी जितेंद्र सिंह सोमवार रात बाइक द्वारा रामपुर रोड जा रहा था। सामने से आ रही मिर्जापुर निवासी अख्तर अली की बाइक से उसकी आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद दोनों ही बाइक सवारों की चीख-पुकार मच गई। एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

खिलाड़ियों ने स्टेडियम को 1100 दीपों से किया जगमग

शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम पर दीप जलातीं हॉकी खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी प्रशिक्षक फरहत अली खान के नेतृत्व में अंडर 14 हॉकी खिलाड़ियों ने स्टेडियम को 1100 दीपों से रोशन किया। इस अवसर पर विश्व, भारत और राष्ट्रीय खेल हॉकी की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना की।

शाम पांच बजे से ही बालिकाएं हाथों में दिए पटाके और कोच साहब के लिए मिठाई लिए मैदान पर जमा हुईं और उन्होंने दीप जलाए पटाखे छोड़े और एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मशीयत फातिमा, हसनत फातिमा, रोशनी, कशिश, मुस्कान, नविता, माही, आंचल, किरन, सिमरन, संजना, परी, अंशिका, शीतल, खुशी समेत अन्य हॉकी खिलाड़ी उपस्थित रहीं।

आज मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व

रामपुर, अमृत विचार: बुधवार को गोवर्धन पर्व और गुरुवार को भैया दूज का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।जिसको लेकर बहनों ने भाई के टीका करने के लिए गोला और मिठाई की खरीदारी कर रही है।

धनतेरस से शुरू हुए पांच दिवसीय पर्व में सोमवार को धूमधाम से दिवाली का पर्व मनाया गया। मंगलवार को कुछ स्थानों पर दिवाली मनाई गई। अब बुधवार को गोवर्धन पर्व मनाया जाएगा।जिसे लेकर मैदानों में साफ सफाई का काम किया गया। उसके बाद गुरुवार को गोवर्धन बनाकर उनकी पूजा की जाएगी।गुरुवार को बहन भाई का पर्व भैया दूज मनाया जाएगा।

जिसमें बहनें गोला खरीदकर लेकर जाकर टीका करती है।उनकी लंबी उम्र की कामना करती है। भाई भी उनको उपहार के तौर पर गिफ्ट देते हैं।

...रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

शहीद पुलिस कर्मियों को सलामी देते एसपी विद्या सागर मिश्र। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा पुलिस लाइन में पुलिस के अमर शहीद जवानों को श्रद्धा-सुमन पुष्प चक्र अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। एसपी ने कहा कि इतनी सी बात हवाओं को बताए रखना, रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना।

उन्होंने कहा कि लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने, ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाए रखना। वो जो झुके नहीं मुश्किलों के सामने, वो जो देश की खातिर हंसकर मिट गए। आज हम सबका सिर उनके आगे झुका है, जो वर्दी की शान बनकर अमर हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतीकात्मक शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित करके किया। उसके बाद दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीदों की स्मृति में उन्हें नमन किया गया। 5 दिसंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में शहीद हुई महिला सिपाही रुचि रानी के पति सुरेश कुमार को सम्मानित किया। एसपी ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 का दिन था, लद्दाख के हॉट-स्प्रिंग के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की पेट्रोलिंग पार्टी के तीन ऑफिसर्स को भारत-तिब्बत बॉर्डर पर चीनी सैनिकों ने अपनी हिरासत में ले लिया, अगले दिन जब उनकी

● पुलिस स्मृति दिवस पर एसपी ने शहीदों को किया नमन, पुष्प चक्र अर्पित किये

तलाश में सीआरपीएफ की टीमें गई तो उन पर पहले से घात लगाकर बैठे चीनी सैनिकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। सीआरपीएफ के जवानों ने भी उस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। लेकिन अचानक हुए हमले में सीआरपीएफ के 10 जवान शहीद हो गए तथा सात अन्य जवान घायल हो गए थे। उसी दिन से उनकी शहादत को याद करते हुए 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी द्वारा शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित को अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहीद महिला सिपाही के पति को सम्मानित करते एसपी।

झालरों और आतिशबाजी से रात भर रौनक

संवाददाता,दढ़ियाल

दढियाल में सोमवार दोपहर पटाखे खरीदते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर सहित क्षेत्र के गांवों में दिवाली का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया। दीयो की रोशनी, रंग बिरंगी झालरें ओर आतिशबाजी की गूंज से रात भर रौनक बनी रही। बच्चों से लेकर बड़ों तक ने उजाले के पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। बाजारों में भीड़ और वाहनों की अधिकता के कारण बाजपुर मुरादाबाद मार्ग पर कई बार जाम की स्थिति बनी रही। लोगों ने देर रात तक सड़कों छतों पर आतिशबाजी करते रहे। घरों में साफ सफाई कर रंगोली बनाई गई और लक्ष्मी, गणेश व इष्टदेव की पूजा की गई ।पूजा के बाद लोगों ने दिवाली की मिठाइयां और अन्य पकवानों का एक दूसरे के घर जाकर आनंद लिया एक दूसरे घर जाकर गले मिलकर बधाइयां दी। नगर सहित क्षेत्र के गांव रामपुर धम्मन, लोदीपुर नायक, पर्वतपुर, अकबराबाद, सूरजपुर, जमालगंज, भाटीखेड़ा , खांडी खेड़ा, मेवला कला, मेवला फार्म, कुंडेसरा, कुंडेसरी, भावपुरा, रूपापुर, सिरका, जटपुरा, नारायणपुर, मुवाना, पीपली नायक , सरकथल आदि गांव में दीपावली का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया।

मंदिर में दीप महोत्सव मनाया

रामपुर,अमृत विचार : मिस्टनगंज स्थित शक्ति दरबार में पंडित विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा ने भक्तों को साथ लेकर कार्तिक मास कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि को सभी देशवासियों को बधाई दी। लक्ष्मी जी से सभी समाज को स्वस्थ रखने के साथ सभी बाधाओं से मुक्ति दिलाने को कहा। उसके बाद दीप महोत्सव में मनाया गया। प्रार्थना करते हुए कहा कि मानव जीवन को सुखी करें। हनुमान और गणेश जी सदा कृपा बनाए।इस दौरान काफी भक्त मौजूद रहे।

शिक्षकों को जांच का भय दिखाकर, मांग रहा रुपये

रामपुर, अमृत विचार: ठग नई-नई तरीके से लोगों से पैसे ठग रहे हैं। कुछ दिनों से शिक्षकों के पास नये नये नंबर से फोन आ रहे हैं।

ठग बीएसए ऑफिस का बताकर शिक्षकों को परेशान करते हैं। कहते हैं कि प्रधान द्वारा लिखित में शिकायत की गई है। मामला निपटाने के लिए 40 से 50 हजार रुपये तक मांग रहे हैं। जिससे शिक्षक काफी परेशान चल रहे हैं। शिक्षक नेताओं को अवगत करा चुके है। शिक्षक नेताओं का कहना है कि दिवाली के अवकाश खत्म होने के बाद जल्द ही अधिकारियों को शिकायत देकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलामंत्री आनंद गुप्ता ने बताया कि दो शिक्षकों के पास ऐसे फोन हैं।

एसपी ने पुलिस लाइंस में कर्मियों के साथ मनाई दिवाली

परिवार के साथ दिवाली मनाते एसपी एवं अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने धर्मपत्नी के साथ पुलिस लाइन परिसर स्थित मंदिर परिसर में दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने लाइन के बच्चों एवं

● मिष्ठान्न, पटाखे और उपहार वितरित कर दी पर्व की बधाई

कर्मचारियों को मिष्ठान्न, पटाखे एवं उपहार वितरित किए गए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी लाइन एवं अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

लोगों को साइबर क्राइम के बारे में किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार: मंगलवार को थाना साइबर क्राइम व थाना गंज पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम बघी में साइबर जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया।

थाना साइबर क्राइम से मुख्य आरक्षी राहुल सिंह, जितेंद्र कुमार एवं महिला आरक्षी स्वाति व मीता बैठक कर साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में जानकारी दी। कहा कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या संदेश पर विश्वास न करें। ओटीपी, पासवर्ड या बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या ऑनलाइन अपराध होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करें।

समिति ने बच्चों को वितरित किए पुरस्कार व मिष्ठान

बच्चों के साथ मौजूद समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: वीर खालसा सेवा समिति ने दिवाली पर्व जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया। बच्चों को उपहार दिये गए। बच्चों से पूछा हमारे शहर के विधायक कौन है बच्चों के द्वारा बताया कि शहर के विधायक सक्सेना, और भी सवाल किए। सही जवाब देने पर उन्हें सम्मानित किया। समिति के अध्यक्ष अवतार सिंह ने कहा समिति द्वारा पिछले 20 सालों से सभी त्योहार गरीब बच्चों के साथ बनाए जाते हैं उनके चेहरे पर खुशियां लाई जाती हैं।

उनका भी फर्ज बनता है कि पर्व खुशी के साथ मनाया जाए। इस मौके पर निर्मल सिंह,समिति के अध्यक्ष अवतार सिंह, संतोष सिंह सोखी, सरदार मनमीत सिंह, तीरथ सिंह, मौजूद रहे।

रानास ने जरूरतमंदों को बांटी मिठाई

रामपुर, अमृत विचार: रामपुर नागरिक समाज ने पर्व पर शहर के व्यस्तम बाजार मिस्टन गंज चौराहे पर शिविर लगाकर जरूरतमंदों को मिष्ठान वितरण किया। माल गोदाम पर मजदूरों को मिष्ठान दिया।

वृद्धाश्रम, बाल शिशु गृह, मंडी समिति के रिक्शा चालकों को मिठाई दी। शिविर में रानास प्रभारी सतीश भाटिया, अचल राज पांडेय, एमके अरोरा, अखिलेश सक्सेना, संतोष कपूर, हरीश ध्यानी, मुनीश शर्मा, सौरभ पाठक, कन्हैया लाल पटवा, वेद प्रकाश आहूजा, संजय नरूला, अभिनव भाटिया आदि का सहयोग रहा। रानास प्रभारी ने बताया कि शहर के सभी मिठाई दुकानदारों ने अपनी ओर से लोगों के लिए मुफ्त मिठाइयां उपलब्ध कराईं। इसके अलावा उद्यमियों, डिस्टलरी, मैंथा कारोबारी, पिलिंग फैक्ट्री वालों ने भी गरीबों को बांटने के लिए मिठाइयां भेजी, जो कि मिस्टन गंज चौराहे पर अगले तीन दिन तक बंटती रहेंगी।

भाकियू जिलाध्यक्ष का संगठन के सदस्यों ने किया विरोध

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

पंचायत को संबोधित करते किसान नेता ● अमृत विचार

अमृत विचार: भाकियू टिकैत के जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह गिल की कार्यशैली का फिर विरोध शुरू हो गया। आरोप लगाया कि जिलाध्यक्ष ने जिन नए और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को शामिल किया है वह संगठन की छवि धूमिल कर हैं। चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ऐसे लोगों को यूनियन से बाहर भी निकला तो गया तो अगला कदम उठाया जाएगा।

● किसान नेताओं पर अभद्र टिप्पणी का मामला गर्माया

भाकियू के युवा मंडल महासचिव प्रमोद यादव पर जानलेवा हमला करने और सोशल मीडिया पर किसान नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला गरमाता जा रहा है। आरोपी जिलाध्यक्ष के करीबी बताए जाते हैं। लिहाजा भाकियू एक गुट जिलाध्यक्ष के विरोध में उतर आया। इसे लेकर प्रदेश कैंप कार्यालय पर पंचायत बुलाई। उसमें प्रदेश सचिव दरियाव सिंह यादव ने कहा कि जब से जगजीत सिंह गिल ने जिलाध्यक्ष का पद संभाला उसी दिन से यूनियन को कमजोर और पुराने कार्यकर्ताओं की छवि धूमिल करने करने का प्रयास किया जा रहा है। क्योंकि जिलाध्यक्ष ने आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को यूनियन में शामिल कर लिया है। जिलाध्यक्ष के इशारे पर ये लोग पुराने कार्यकर्ताओं से मारपीट और सोशल मीडिया पर गलत टिप्पणी कर रहे हैं। फैसला लिया कि अगर शीघ्र हाईकमान ने जिलाध्यक्ष और आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की तो अगला कदम उठाया जाएगा। कैंप कार्यालय प्रभारी दरबारी लाल शर्माने भी ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इससे पहले प्रदेश प्रवक्ता राकेश टिकैत को मामले से अवगत कराया। पंचायत में रामदास मौर्य, राजपाल चौधरी, रामबहादुर, मोहम्मद तालिब, ठाकुर अनिल कुमार, गुड्डू, मुजक्किर, ग्यास हुसैन, छिद्दा नेता, आनंद पांडे, मुर्शिद , जयराज सिंह, खलील अहमद, नाजिम खा, इख्तियार हुसैन, अखलाक भी मौजूद रहे।

अधिकारियों व किसान पर टिप्पणी करने पर तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

रामपुर, अमृत विचार : अधिकारियों और किसानों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना तीन लोगों को भारी पड़ गया। किसान नेता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सिविल लाइंस के अजीतपुर निवासी खलील अहमद का कहना है कि 18 अक्टूबर को विकास भवन में आयोजित किसान दिवस में भाकियू टिकैत के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद सहित कई कार्यकर्ताओं ने जिले के उच्च अधिकारियों को सम्मानित किया था। लेकिन कुछ लोगों को यह बात अच्छी नहीं लगी। वह लोग अधिकारियों और किसानों कर छवि खराब करने के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। जानकारी करने के बाद किसान नेता ने सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने सुरेंद्र अशक, सुरेंद्र खन्ना और नाजिम मोहम्मद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

महिला के कुंडल लूटने में अज्ञात पर रिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के उपनगर मसवासी निवासी जरीना पत्नी नूर अहमद दो दिन पहले रविवार की साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने आई थी। इस दौरान बदमाश जरीना के कानों से दिनदहाड़े कुंडल खींचकर ले गए थे। जिससे वह घायल हो गई थी। पीड़िता रोते बिलखते कोतवाली पहुंची। दिनदहाड़े कुंडल खींचने की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया था। मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी थी, लेकिन बदमाश फरार हो गए थे। पीड़ित महिला ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज न कर महिला को टरका दिया था। पुलिस ने दूसरे दिन पीड़ित महिला की ओर से ठगी की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पत्नी को पीटा

बिलासपुर, अमृत विचार : केमरी थाना क्षेत्र के फैजनगर की रहने वाली मिथलेश के पति सोनू मध्यप्रदेश में ड्राइवर है। धनतेरस से एक दिन पहले वह दिवाली मनाने घर पहुंचा। मिथलेश ने बताया कि घर आने के बाद उन्होंने शराब पीने के लिए पैसे मांगे। उसने त्योहार का हवाला देते हुए इंकार कर दिया, जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। मंगलवार को भी सोनू ने पैसे मांगे और जब पत्नी ने मना किया तो वह गुस्से में आग-बबूला हो गया। उसने अपनी पत्नी को बेल्ट से पीटना शुरू कर दिया, बेल्ट का कुंडा लगने से उसका सिर फट गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर महिला का नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण कराया है।

दिवाली पर 16 लोगों का शांतिभंग में चालान

रामपुर, अमृत विचार : दिवाली के मौके पर कुछ लोग कोसी नदी के पीछे तंत्र-मंत्र कर रहे थे कि इस दौरान कुछ लोगों द्वारा इन लोगों पर शक होने के कारण कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस ने कोसी नदी के पास छापा मारा। उसके बाद सभी को पुलिस थाने ले आई। जहां सभी के खिलाफ शांति भंग में कार्रवाई कर दी है। शहर कोतवाल प्रभारी ओमकार सिंह ने बताया कि तंत्र मंत्र करने मामले में 16 लोगों का शांतिभंग में चालान कर दिया है।

युवक पर हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

रामपुर/शाहबाद, अमृत विचार : रंजिश के चलते युवक पर तलवार से हमला करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से वह जेल चला गया। शाहबाद थाना क्षेत्र के गांव मित्तर अहरोला निवासी प्रमोद किसी काम से कार से कहीं गया था। रास्ते में कुछ लोगों ने प्रमोद को रोककर गाली गलौज करते हुए तलवार और रॉड से हमला कर दिया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रंजीत यादव, संजीव यादव, राजकुमार यादव, निर्दोष यादव, कमल सिंह, राजवीर, गौस मोहम्मद, एहसान खान, आफताब वेग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पुलिस ने आरोपी राजकुमार यादव को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से वह जेल चला गया।

रुपये के विवाद में भाइयों पर हमला, घायल

टांडा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहरिया नरपत निवासी अनवर अली ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके भाई मोहब्बे अली व अकबर अली ने रास्ते में मिट्टी का भरान किया था। मिट्टी का भरान नवी हसन निवासी ग्राम सहरिया दराज द्वारा करवाया गया था। जब उसके भाई अपने किराये के रुपये लेने के लिए नवी हसन के पास पहुंचे, तो उसने गाली-गलौच करते हुए भुगतान से इंकार कर दिया। बाद में नवी हसन, भूरा, रिजवान, इन्तजार तथा मुस्तकीम ने मिलकर दोनों भाइयों लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने नवी हसन समेत पांच पर मामला दर्ज कर लिया।

कैशियर को अश्लील ऑडियो भेजी, बैंक मैनेजर सहित दो कर्मचारी फंसे

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

- अजीमनगर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार: महिला कैशियर को अश्लील ऑडियो भेजने में बैंक मैनेजर और चपरासी फंस गए है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बैंक मैनेजर सहित दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने बताया कि वह मौजूदा समय में बिजारखाता स्थित जिला सहकारी बैंक में कैशियर है। 19 अक्टूबर को रात्रि 9:34 उसके पास नए नंबर से कॉल आई थी। जिसे उसने रिसीव नहीं किया। कुछ देर बाद दोबारा कॉल आने पर उठाया तो बैंक मैनेजर विनोद कुमार का फोन था। कहा कि एक रिकार्डिंग छोड़ी है। उसे सुन लेना। पीड़िता ने रिकार्डिंग सुनी तो बैंक मैनेजर और चपरासी उसे लेकर अश्लील बातें कर रहे थे।

आरोपियों ने ऑडियो को वायरल कर दिया। पीड़िता ने मामले में अजीमनगर थाने में तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने बैंक मैनेजर और चपरासी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सोमवार सुबह 200 पार, मंगलवार शाम तक एक्यूआई 150 तक पहुंचा

आतिशबाजी के बाद बिगड़ा शहर के वायुमंडल का मिजाज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: आतिशबाजी के बाद वायुमंडल का मिजाज बदल गया है। मंगलवार की सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 200 को पार कर गया। वायुमंडल में सर्वाधिक 32 प्रतिशत तक नाइट्रोजन डाइऑक्साइड घुल जाने से लोगों की आंखों में जलन महसूस हो रही थी। हालांकि मंगलवार शाम तक वायु गुणवत्ता ठीक हो गई और एक्यूआई 150 तक आ गया।

आतिशबाजी करने के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक मंगलवार को सुबह 7:30 बजे 218 पर था, जो कि वायु गुणवत्ता की खराब स्थिति को दर्शाता रहा। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. डीके वर्मा बताते हैं कि यदि कोई अस्थमा, सांस की बीमारी वाले लोगों में से हैं, तो बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें कम करें। अन्य लोगों को भी गले में जलन और सांस लेने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है। घर के अंदर रहना और बाहर की गतिविधियों से बचना बेहतर हो सकता है। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. डीके वर्मा बताते हैं कि पटाखों से कार्बन-डाइऑक्साइड पर्यावरण के साथ दम घोटने लगती है और शरीर को भी नुकसान पहुंचाती है। कार्बन मोनोऑक्साइड जहरीली, गंधहीन गैस भी पटाखों से निकलती है, जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाती हैं। हालांकि वायु गुणवत्ता मंगलवार शाम को 150 तक पहुंच गया, इससे राहत मिली।

रामपुर में मंगलवार सुबह छाई धुंध। ● अमृत विचार

> प्रदूषण इंसानों के पेड़ पौधों और पशु पक्षियों के लिए नुकसानदायक है। दीपावली पर लोगों को कम धुएं वाले पटाखे छोड़ना चाहिए ताकि, एअर क्वालिटी इंडेक्स नहीं बिगड़े। वायुमंडल में 200 के पार एअर क्वालिटी इंडेक्स पहुंच गया है जोकि, खराब स्थिति है।
> – डा. बेबी तबस्सुम, पर्यावरणविद्

एक्यूआई इतना होने पर यह होती है स्थिति

एक्यूआई	स्थिति
0-50	अच्छा
51-100	संतोषजनक
101-200	मध्यम
201-300	खराब
301-400	बहुत खराब
401-500	गंभीर

आतिशबाजी छोड़ने में झुलसे लोग

लापरवाही के चलते आंख तो किसी की नाक पर लगे रॉकेट और पटाखे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: लाख समझाने के बावजूद आतिशबाजी छोड़ने में लापरवाही बरती गई और लोग रॉकेट, पटाखे और फुलझड़ियां से झुलस गए। किसी की आंख तो किसी की नाक पर रॉकेट और पटाखों ने जख्म कर दिए। केडी डालमियां नेत्र चिकित्सालय में घायलों का इलाज हो रहा है। आंखें जख्मी होने से परिजनों के हाथ-पांव फूले हुए हैं और ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि जख्मियों की आंखें ठीक हो जाएं।

अमृत विचार ने रविवार को दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरतें सावधानी शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी और दो नेत्र विशेषज्ञों डॉ. किशारी लाल और डॉ. विक्रम द्वारा दी गई सलाह को भी प्रकाशित किया था। इसके बावजूद लोगों ने आंख के बारूद से झुलसने के बाद उसे रगड़ लिया और जख्म को गहरा कर लिया।

घायल गोविंद।

घायल यशपाल।

घायल अजय।

घायल जितेंद्र।

> जिला अस्पताल में आतिशबाजी से झुलसने वालों के लिए बर्न वार्ड के अलावा चार अन्य वार्डों को झुलसे लोगों के लिए तैयार कराया गया था। लेकिन, जिला अस्पताल में झुलसने वाला कोई मरीज नहीं पहुंचा है।
> – डॉ. बीसी सक्सेना, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल

आतिशबाजी छोड़ते समय झुलसने वालों की लंबी सूची है। आंख के झुलसने के बाद आए मरीजों का इलाज कर रहे नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विक्रम बताते हैं कि लोगों ने आतिशबाजी छोड़ते समय लापरवाही बरती जिसके कारण उनकी आंखों में बारूद पहुंच गया। यदि आंख में बारूद पहुंचने के बाद ठंडे पानी से धो दिया जाता तब इतनी स्थिति खराब नहीं होती। लेकिन, मरीजों ने आंखों को रगड़ लिया है जिसके कारण आंख के भीतर जख्म हो गए हैं। गदियाखेड़ा का गोविंद बताता है कि वह रॉकेट छोड़ रहा था और एक रॉकेट में ऐसा लगा की उसमें आग नहीं लगी है। जैसे ही वह राकेट में दोबारा आग लगाने गया रॉकेट एक दम से जल उठा और उसका बारूद उसकी आंख में चला गया। ग्राम चकिया हयातनगर के यशपाल की आंखों में जलती हुई फुलझड़ी का बारूद पहुंचने से उसकी आंख जख्मी हो गई। गंगापुर निवासी अजय के आंख और सिर बारूद की आग से जख्मी है। ग्राम सुनारखेड़ा निवासी जितेंद्र की आंख भी आतिशबाजी से जख्मी हो गई है। सभी मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

आतिशबाजी छोड़ने में यह हुए जख्मी

अर्जुन निवासी ग्राम लखीमपुर, श्रेष्ठ निवासी रामपुर, अजय निवासी गंगापुर, अनु निवासी ग्राम जुनैया, पातीराम निवासी, रामपुर, अंश निवासी ज्वालानगर, जितेंद्र निवासी सुनारखेड़ा, दिनेश निवासी पंजाबनगर, यशपाल निवासी चकिया हयातनगर, गोविंद गदइयाखेड़ा, विवेक सींगनखेड़ा।

> दीपावली पर आतिशबाजी करते हुए काफी लोग झुलस गए हैं। अधिकतर लोगों की आंखें जख्मी हुईं, जख्मियों का इलाज किया जा रहा है। आतिशबाजी छोड़ने में मामूली से लापरवाही बरतने पर लोगों ने अपनी आंखों को जोखिम में डाल दिया है।
> – डॉ. विक्रम, नेत्र रोग विशेषज्ञ, केडी डालमियां नेत्र चिकित्सालय

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

स्वार, अमृत विचार: दहेज की मांग पूरी न करने पर दहेज लोभियों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

नगर के मोहल्ला चक स्वार निवासी रुखसार की शादी करीब दो वर्ष पूर्व उसी मोहल्ले के आसिफ के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर रूखसार पर दबाव बनाने लगे। 10 अक्टूबर को पति आसिफ, सास अनवरी, ससुर शफीक उर्फ बजाज और ननद रेशमा ने मिलकर उससे मारपीट की। दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे घर से बाहर निकाल दिया। रूखसार किसी तरह मायके पहुंची। परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। महिला ने पति समेत चार लोगों को नामजद कर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल प्रदीप मलिक ने बताया कि रिपोर्ट कर जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिन-रात के तापमान में अंतर, लोग हो रहे बीमार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- दिन में 31 डिग्री तक पहुंच रहा अधिकतम तापमान

अमृत विचार: मौसम का मिजाज रंग बदल रहा है। दिन में गर्मी और रात में सर्दी होने से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों को हो रही है। बच्चे बुखार, जुकाम और खांसी की चपेट में आ रहे हैं। दिन में तापमान 32 डिग्री तक पहुंच रहा है जबकि, रात का तापमान 19 डिग्री तक लुढ़क रहा है।

मंगलवार को दिन में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा जबकि, रात में तापमान लुढ़क कर 20 तक पहुंच गया। खुले मकानों में लोग कंबल और लिहाफ ओढ़ने लगे हैं। रात में पंखे भी बंद करने पड़ रहे हैं। इस समय मौसम का अचानक बदलना बच्चों के लिए सबसे अधिक हानिकारक साबित हो रहा है। दिन में गर्मी और रात में ठंड व हवा के कारण शरीर के तापमान का संतुलन बिगड़ रहा है जिससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. डीके वर्मा ने कहा कि बच्चों को दिन में गर्मी से बचाना और रात में अच्छी तरह ढककर रखना बेहद जरूरी है। पसीने के बाद ठंडी हवा लगने या देर शाम खेलने से बचें।

> मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। दिन का तापमान 32 डिग्री व रात्रि का 18 से 20 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं।
> – डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक

बरतें सावधानी

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना ने बताया कि सावधानी बरतने की जरूरत है, सर्दी-जुकाम, बुखार के साथ संक्रमण भी हो रहा है। आवाज में बदलाव, लंबे समय तक खराश का बना रहना जैसे लक्षण देखने में आ रहे है। तीन दिन में बुखार नहीं जाने पर खून जांच जरूर कराएं। पिछले एक सप्ताह में 13 डेंगू के मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इनमें 8 मरीज स्वास्थ्य लाभ कर जा चुके हैं।

चक्की के पट्टे की चपेट में आया युवक, मौत

संवाददाता मसवासी

अमृत विचार: नगर निवासी चक्की स्वामी की पट्टा चढ़ाते समय पट्टे की चपेट में आने से मौत हो गई।

नगर निवासी नन्ने(45) पुत्र सफदर पिकअप चलाता था। कुछ ही दिन पहले नन्ने ने मझरा खुशहालपुर मार्ग पर चक्की लगाई थी। जिस पर वह आटा व धान के सेलर पर कुटाई करता था। मंगलवार को वह धान की कुटाई करने के लिए चक्की का पटा चढ़ा रहा कि अचानक पट्टे में उसका पैर आ गया। पट्टे में फंसने के बाद इंजन ने कई राउंड लगा दिए। जिससे मौके पर ही नन्ने की मौत हो गई। परिवार में चीख पुकार मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी तरह पट्टे में नन्ने को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी प्रदीप मलिक भी मौके पर पहुंचे। परिवार ने कार्रवाई से इंकार कर दिया। चक्की स्वामी की लड़की की एक माह बाद शादी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने को लेकर तहरीर सौंपी है।

मृतक नन्ने।

लोगों से पूछताछ करते इंस्पेक्टर। ● अमृत विचार

● मसवासी की घटना

मारपीट में दो घायल, पांच पर रिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार: कहासुनी को लेकर कुछ युवकों ने ट्रक ड्राइवरों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

नगर के मोहल्ला रसूलपुर निवासी शाहरुख खां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि ट्रक चालक भाई अरमान, अयान व चचेरा भाई मुराद 16 अक्टूबर की रात नरपतनगर से ट्रक से वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे बुधवार की बाजार स्थित बैंक के सामने पहुंचे।वहां पहले से घात लगाए बैठे अतीक व युसूफ,शाबान शान, जीशान और रऊफ निवासी रसूलपुर ने धारदार हथियार, सरिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने दो-तीन दिन पहले हुई कहासुनी के चलते हमला किया। जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ वार किए।

घटना में अरमान और मुराद के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं।आरोपियों ने ट्रक में तोड़फोड़ भी की। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

बेगम नूरबानो के चुनाव में रामपुर आए थे असरानी

रामपुर, अमृत विचार: कांग्रेस की पूर्व सांसद बेगम नूरबानो का चुनाव प्रचार करने के लिए वर्ष 2004 अंग्रेजों के जमाने के जेलर यानि असरानी रामपुर आए थे। हास्य अभिनेता असरानी ने रामपुर शहर समेत तीन गांवों में चुनाव प्रचार किया था उनके साथ फिल्म अभिनेत्री जीनत अमान भी आईं थीं। असरानी ने फिल्म शोले के डायलॉग हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं समेत कई फिल्मों के चर्चित डायलॉग सुनाकर लोगों को खूब हंसाया था और बेगम नूरबानो के पक्ष में वोट मांगे थे। मंगलवार को असरानी की मौत की खबर सुनकर लोगों ने दुख जताया। पूर्व मंत्री नवेद मियां के पीआरओ काशिफ खां ने बताया कि वर्ष 2004 में बेगम नूरबानो और सपा की प्रत्याशी जयाप्रदा के बीचे कांटे का मुकाबला हुआ था। इस चुनाव फिल्मी सितारे गली-गली घूम रहे थे। वर्ष 2004 के चुनाव में सपा प्रत्याशी जयाप्रदा ने जीत दर्ज की थी।

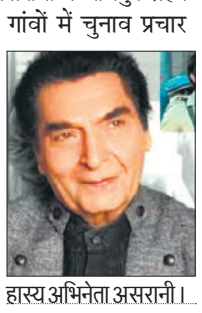

हास्य अभिनेता असरानी।

लापरवाही बरतने पर सफाईकर्मी निलंबित

रामपुर, अमृत विचार: सफाई में लापरवाही बरतने पर जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थूलाल ने ब्लॉक सैदनगर के ग्राम हमीरपुर में तैनात सफाईकर्मी सुलेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है। इससे पहले 16 अक्टूबर को जिला पंचायत राज अधिकारी ने इसी गांव में तैनात देशराज को निलंबित कर दिया था। कार्रवाई से सफाई कर्मचारियों में हड़कंप है।

गांवों में साफ-सफाई पर सरकार का फोकस है। इसके बावजूद गांवों में सफाई की व्यवस्था बदहाल है। अधिकांश गांवों में घुसते ही गंदगी से बजबजाती नालियां नजर आती हैं। इसके अलावा गांव के भीतर सड़कों पर गाय, बैल और भैंसों का जहां-तहां गोबर पड़ा रहता है। अधिकतर सफाईकर्मी गांवों में नियमित सफाई नहीं करते। जबकि, चमरौआ ब्लॉक में 135, सैदनगर ब्लॉक में 120, बिलासपुर में 160, स्वार में 240, मिलक में 200 और शाहबाद में 185 सफाईकर्मी तैनात हैं। इसके बावजूद अधिकतर सफाईकर्मी गांवों में सफाई करने के लिए जाना नहीं चाहते हैं। गांवों में पहुंचते हैं तो सफाई के नाम पर महज रस्म अदायगी की जाती है। यूनिसेफ के कोऑर्डिनेटर सुभान ने ग्राम पंचायत हमीरपुर का निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान नालियों में गंदगी भरी पाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि सफाईकर्मी गांव में नालियों एवं अन्य कार्यों के लिए नहीं आया है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे थे और सड़कों के किनारे नालियों में कूड़ा भरा हुआ था। जिला पंचायत राज अधिकारी ने हमीरपुर गांव में तैनात सुलेंद्र सिंह और देशराज को निलंबित कर दिया है।

● गांवों में साफ-सफाई पर सरकार का विशेष ध्यान, फिर भी सफाई व्यवस्था बदहाल

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दीपावली की रात किशोर ने फंदा लगाकर दी जान

संभल,सौंधन,अमृत विचार : दीपावली की रात एक 18 वर्षीय किशोर ने फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कैला देवी थाना क्षेत्र के नारंगपुर निवासी किरनपाल (18) शराब पीने का आदी था। सोमवार की रात उसने शराब पी और नशे की हालत में गांव के पास स्थित जंगल में पहुंच गया। वहीं लिप्टिस के पेड़ पर अपनी शर्ट से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने जब पेड़ पर युवक को फंदे से लटकता देखा तो तत्काल परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन किरनपाल को उस हाल में देखकर बिलख पड़े। दीपावली जैसे हर्षोल्लास के पर्व पर युवक की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया।

शहीद जवान के घर पहुंचे डीएम व एसपी

संभल,अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा एक दीया शहीद के नाम के अन्तर्गत संभल के मौहल्ला हल्लू सराय स्थित सीआरपीएफ के शहीद जवान अमित कुमार के घर पहुंच कर उनकी पत्नी पुष्पा रानी एवं उनकी बेटी कुमारी दीक्षा सिंह से मुलाकात कर अमर जवान अमित की तस्वीर पर माल्यार्पण किया दीपावली पर्व का उपहार भेंट किया। इसके बाद हल्लू सराय स्थित प्राचीन अशोक महा कूप पहुंच कर शहीद जवान के नाम एक दीया प्रज्ज्वलित किया।

खेत में खून से लथपथ मिला बुजुर्ग का शव

बदायूं, अमृत विचार : सोमवार को उघैती थाना क्षेत्र के गांव कोठा में आतिशबाजी चल रही थी। गांव निवासी राम प्रकाश (65) दीपावली की रात लगभग 10 बजे तक घर पर परिजनों के साथ रहे। परिजनों से कहा कि वह गांव में मिलने जा रहे हैं। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि वह जुआ खेलने के लिए गए थे। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश किया लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला तो परिजन घर आकर सो गए। मंगलवार सुबह लगभग छह बजे राम प्रकाश का खून से लथपथ शव गांव के पास डालचंद यादव के खेत में पड़ा मिला। खेत पर गए ग्रामीणों ने शव देखा। उनके कान और मुंह से खून निकल रहा था।

घर-घर मनी दिवाली, आतिशबाजी से रंगीन हुआ आसमान

मां लक्ष्मी और श्री गणेश का विधि विधान से किया पूजन, रोशनी से जगमगाए घर और प्रतिष्ठान, बच्चों और बड़ों ने छोड़े पटाखे

कार्यालय संवाददाता, संभल

- दीपावली पर जलाई गई करोड़ों रुपये की आतिशबाजी
- लोगों ने एक-दूसरे को दी दीपोत्सव की बधाई

अपनी मां के साथ आतिशबाजी चलाते बच्चे। ● अमृत विचार

दीपावली पर की जा रही आतिशबाजी।

अमृत विचार : संभल में दीपावली त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। सोमवार को दिनभर बाजारों में खरीदारी का सिलसिला चला तो शाम को लोगों ने घरों में विधि विधान से मां लक्ष्मी और गणेश की पूजा अर्चना की। लोगों ने मां लक्ष्मी धन्य धान्य और सुख समृद्धि के लिए कामना की। आतिशबाजी का सिलसिला शुरू होकर देर रात तक चला। करोड़ों रुपये की आतिशबाजी जलाई गई। घर और प्रतिष्ठान रोशनी से जगमग रहे।

सोमवार को दीपावली के मौके पर सुबह से ही खरीदारी के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ी। लोगों ने घरेलू सामान, सजावटी आइटमों के साथ ही पूजा की सामग्री और मिठाई खरीदी। आलम यह रहा कि दोपहर के बाद बाजारों में भीड़ बढ़ गई तो दुकानदारों को भी फुर्सत नहीं मिल पाई। घरों को सजाने के लिए गेंदे के फूल की खरीदारी के साथ ही बिजली की झालरों की भी खूब खरीदारी की गई। शाम को लोगों ने मुहूर्त में मां लक्ष्मी और गणेश का पूजन किया। मंदिरों में भी पूजा अर्चना की गई। लोगों ने मां लक्ष्मी से सुख समृद्धि प्रदान करने की कामना की। घरों के दरवाजों और छतों की बाउंड्री पर दीये जलाकर रखकर चारों ओर रोशनी दिखाई दी। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी।

इसी के साथ आतिशबाजी जलाने का सिलसिला शुरू हो गया। बच्चों ने फूलझड़ी, चकई तो बड़ों ने धीमी और तेज आवाज वाले पटाखे जलाए। आतिशबाजी के नजारे से आसमान में आकर्षक नजारे भी दिखाई दिए। देर रात तक आतिशबाजी का शोर गूंजता रहा। इस बीच कई घरों और प्रतिष्ठानों की सजावट आकर्षित करती रही। संभल के अलावा सिरसी, हजरतनगर गढ़ी, असमोली, सौंधन, पंवासा, बहजोई, धनारी, बबराला, गुन्नौर, जुनावई, रजपुरा और गवां क्षेत्र में दीपावली त्योहार का उल्लास छाया रहा।

घरों में बने पकवान, आतिशबाजी से जताया उत्साह

बहजोई, अमृत विचार : नगर व ग्रामीण अंचलों में दीपावली का त्योहार परंपरागत तरीके के साथ मनाया गया। जहां एक ओर नागरिकों ने घर घर में भगवान लक्ष्मी गणेश जी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं दूसरी ओर बच्चों ने जमकर आतिशबाजी की। नगर में सुबह से ही दीपावली त्यौहार को लेकर घूम रही। जहां नागरिकों ने मिठाइयों की जमकर खरीदारी की तो वहीं पटाखा बाजार में भी जमकर खरीदारी हुई। शाम होते ही नागरिकों ने घर-घर धन आगमन को लेकर लक्ष्मी गणेश जी की पूजा अर्चना की। सुख समृद्धि की कामना के साथ धन आगमन की कामना की। लोगों ने अपने घरों पर दीपक जलाए। वहीं रंगीन रोशनी से घर को सजाया। पूजा अर्चना करने के बाद बच्चे तथा नागरिक दीपावली त्यौहार मनाने को लेकर आतिशबाजी छोड़ने के लिए घरों से बाहर आ गए। आतिशबाजी से आसमान में रंगीन रोशनी छा गई। देर रात्रि तक यह सिलसिला चलता रहा। ग्रामीण अंचलों में भी दीपावली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

घर में पूजन के बाद दीपक जलाते दंपती। ● अमृत विचार

झोपड़ी में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

संभल/सिरसी,अमृत विचार: युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव गांव के बाहर तालाब किनारे बनी पन्नी की झोपड़ी में पड़ा मिला।

हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बैटला का रहने वाला नन्हे पुत्र मुरारी सोमवार सुबह गांव के बाहर तालाब के पास हरवीर की पन्नी की झोपड़ी में जाकर लेट गया। कुछ देर बाद हरवीर अपने घर चला गया। बताया गया कि शाम को हरवीर झोपड़ी पर पहुंचा। उसे नन्हे का शव मिला मिला। हरवीर ने तुरंत नन्हे के परिजनों को सूचना दी। कुछ ही देर में परिजन मौके पर पहुंच गए। हजरत नगर गढ़ी थाना प्रभारी अनुज कुमार तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के बड़े भाई जोत सिंह ने बताया कि नन्हें अविवाहित था और हलवाई का काम करता था। ग्रामीणों के अनुसार, नन्हे शराब पीने का आदी था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

करंट से युवक और महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल

मृतका सर्वेश।

मृतक जीतू।

- दीपावली पर दो परिवारों में छाया मातम, परिजन बेहाल
- टीवी का स्वीच लगाते युवक और फ्रिज में करंट से महिला की मौत

अमृत विचार: दीपावली के दिन जहां हर घर में खुशियां मनाई जा रही थीं, वहीं दो परिवारों में मातम छा गया। थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव रीठ में टीवी का स्वीच लगाते समय करंट से युवक की मौत हो गई। वहीं कैला देवी थाना क्षेत्र के गौंहत गांव में फ्रिज में करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। दोनों के परिजन बेहाल हो गए।

गांव रीठ निवासी जीतू पुत्र नेत्रपाल अपने घर पर टीवी का स्विच लगा रहा था। इसी दौरान उसे जोरदार करंट लग गया। करंट लगते ही जीतू जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और रोने-बिलखने लगे। पड़ोस के लोग भी एकत्र हो गए। किसी तरह तारों को तोड़कर जीतू को करंट से अलग किया गया, लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुका था। परिजन उसे लेकर तुरंत चंदौसी के एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, जीतू के पिता नेत्रपाल की दो वर्ष पहले छोटी दीपावली के दिन ही मृत्यु हो गई थी। अब बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटा भाई विकलांग है और एक छोटी बहन है। जीतू की अभी शादी नहीं हुई थी। मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

वही गौंहत गांव निवासी सर्वेश (47 वर्ष) पत्नी डंबर सिंह सोमवार को दीपावली की सुबह घर की लिपाई कर रही थी। अन्य परिजन किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में करंट उतर आया। सर्वेश फ्रिज के संपर्क में आ गईं और करंट की चपेट में आने से वहीं गिर पड़ीं।

कुछ देर बाद महिला का बेटा संजीव घर पहुंचा तो उसने मां को बेहोश हालत में जमीन पर पड़े देखा। पास में ही फ्रिज था, जिसमें करंट उतर रहा था। परिजन आनन-फानन में महिला को लेकर संभल के अस्पताल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही सर्वेश ने दम तोड़ दिया।

सड़क हादसे में पत्रकार गंभीर रूप से घायल

संभल,अमृत विचार: इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मुजम्मिल दानिश दीपावली की रात घायल अवस्था में सड़क के किनारे पड़े मिले। पास ही उनकी स्कूटी भी पड़ी थी। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हयातनगर निवासी पत्रकार मुजम्मिल दानिश सोमवार की रात लगभग 9 बजे संभल से स्कूटी पर सवार होकर घर हयातनगर जाने के लिए निकले थे। इसके बाद ही वह संभल बहजोई मुख्य मार्ग पर नवाब गार्डन के पास सड़क किनारे घायल हालत में पड़े मिले। उन्हें संभल के निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से गंभीर हालत में मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। मुजम्मिल के सर में गंभीर चोट आई है। यह साफ नहीं हो पाया कि किसी वाहन की टक्कर से मुजम्मिल को चोट आई या फिर किसी दूसरी वजह से।

गंगा स्नान कर लौट रहे तीन की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल

हादसे में तीन की मौत के बाद अस्पताल में दुखी परिजन। ● अमृत विचार

- तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर

अमृत विचार: दीपावली के अगले दिन गंगा स्नान से लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे की इलाज के दौरान मंगलवार सुबह मौत हो गई। हादसे से तीनों परिवारों में कोहराम मच गया है।

घटना जनपद संभल की गुन्नौर तहसील के थाना रजपुरा क्षेत्र के अनूपशहर गंगा पुल के निकट सोमवार शाम करीब छह बजे की है। बताया गया कि बुलंदशहर के सिकंदराबाद कस्बा क्षेत्र के गढ़ मोहल्ला पक्का बाग निवासी सूखा (62 वर्ष), राजू और अलीगढ़ के हरदुआगंज निवासी देवेंद्र ई-रिक्शा से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। तभी अनूपशहर-गंवा हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सूखा और देवेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजू गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर अलीगढ़ रेफर किया गया, जहां मंगलवार सुबह उसकी भी मौत हो गई।

मृतक सूखा के बेटे राजीव ने बताया कि उसके पिता राजू और देवेंद्र के साथ सोमवार की सुबह गंगा स्नान के लिए निकले थे। सूखा के छह बच्चे हैं जिनमें तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। जिनकी सभी की शादी हो चुकी है। थानाध्यक्ष निशांत कुमार राठी ने बताया कि अनूपशहर गंगा पुल के पास सोमवार शाम हुए सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि घायल राजू ने इलाज के दौरान अलीगढ़ में दम तोड़ दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गंगा पुल के आसपास हाईवे पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के चलते अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

महावीर मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया

संवाददाता,बहजोई

श्री दिगंबर जैन मंदिर में दीपोत्सव मनाते जैन समाज के लोग। ● अमृत विचार

- जैन समाज के लोगों ने श्री दिगंबर जैन मंदिर में दीपक जलाकर सुख समृद्धि की कामना की

अमृत विचार: श्री दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर मोक्ष कल्याणक दिवस का पर्व कार्तिक कृष्ण अमावस्या पर बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। जिसमें जैन समाज के लोगों ने दीपक जलाकर सुख समृद्धि की कामना की।

भगवान महावीर स्वामी को गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक के प्रतीक रूप में लड्डू अर्पित किए गए। मंदिर परिसर में 24 तीर्थंकर भगवान, मूलनायक भगवान चंद्रप्रभु, भगवान महावीर एवं निर्वाण क्षेत्र व गौतम गणधर स्वामी की विशेष पूजन-अभिषेक विधि सम्पन्न हुई। प्रथम अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य चंद्रप्रकाश जैन एवं विभोर जैन ने किया। गर्भ कल्याणक का प्रथम लड्डू कविश जैन, मनोज कुमार जैन (सर्राफ), जन्म कल्याणक का सुनील कुमार जैन, प्रफुल्ल जैन,तप कल्याणक का रघुवीरसरन जैन, ज्ञान कल्याणक का राजेन्द्र जैन, अंशुल जैन को तथा मोक्ष कल्याणक का प्रथम लड्डू अर्पण किया। महामंत्री संभव जैन ने भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और संयम को जीवन का आधार बताया। आज के युग में यदि हम इन सिद्धांतों को अपनाएँ तो समाज में शांति, सौहार्द और आत्मबल का प्रसार होगा। दीपावली का यह पर्व केवल आनंद का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मज्योति के जागरण का संदेश देता है। मंदिर परिसर में समाज के सभी महिला-पुरुष, युवक-युवतियाँ और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एएसपी अनुकृति शर्मा ने निर्धनों संग मनाई दीपावली, कपड़े और उपहार दिए

संभल,अमृत विचार : खुशियों, रोशनी और अपनत्व के त्योहार दीपावली को आईपीएस अनुकृति शर्मा ने अलग अंदाज में मनाया। अनुकृति शर्मा ने ऐसे परिवारों के बीच जाकर दीपावली मनाई जिनके पास न मिठाई खरीदने को पैसे थे न ही घर को रोशनी से जगमग करने का इंतजाम। बबराला कस्बे की माया देवी मिलीं बेटी के साथ बेहद खराब आर्थिक स्थिति में झोपड़ीनुमा घर में रह रही थीं। कभी अपना मकान था, पर कर्ज के बोझ तले सब बिक गया। अब वह कॉलोनी के छोटे-मोटे काम से किसी तरह गुजर-बसर करती हैं। वहीं राजवती नाम की एक विधवा महिला मिलीं, जिनकी बहू भी विधवा है और दोनों के पास जीविका का कोई स्थायी साधन नहीं है। किरण देवी मिलींकी बेटी अपने पति से अलग होकर दो बच्चों के साथ मां के पास रह रही है, जबकि बेटा मजदूरी से घर चलाता है। एएसपी अनुकृति शर्मा खुद इनके घरों पर पहुंचीं। मिठाई, कपड़े बांटे, जरूरत का सामान भेंट कियावृद्ध महिलाओं के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद कांशीराम आवास में गरीब परिवारों और बच्चों के साथ दीपावली मनाई। बच्चों को मिठाइयां, कपड़े और पटाखे बांटे।

बाइकों की टक्कर में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

सौंधन,अमृत विचार : कैला देवी थाना क्षेत्र के सौंधन की मिलक गांव निवासी रितेश दिवाली पूजा के लिए बाइक से सामान लेने आ रहा था।

सौंधन की तरफ से जा रहे लधनपुर गांव निवासी बाइक सवार राजकुमार व दीपक की बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्ती की दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना के बाद पहुंची सौंधन चौकी पुलिस ने निजी वाहन से तीनों घायलों को संभल जिला अस्पताल में भर्ती कराया जिनमें से मिलक निवासी रितेश की हालत नाजुक बनी हुई है। जिसे स्वजनों द्वारा दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं लधनपुर गांव निवासी राजकुमार व दीपक का भी निजी चिकित्सक के यहां उपचार चल रहा है।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/सिरसी

अमृत विचार: हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र के सिरसी-बिलारी मार्ग पर ग्राम हंडालपुर के पास सोमवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

संजय पुत्र आनंदपाल निवासी ग्राम जमालपुर थाना बिलारी, मुरादाबाद अपनी पत्नी की दवाई लेकर सिरसी से घर लौट रहे थे। इसी दौरालोकेश पुत्र छत्रपाल निवासी सराय सिकंदर थाना बनियाठेर अपनी बाइक तेज रफ्तार से लेकर आ रहा था। हंडालपुर के पास दोनों की बाइकों में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही हजरत नगर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान संजय की मौत हो गई, जबकि लोकेश की हालत नाजुक बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले ही संजय की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया था। पत्नी के डिस्चार्ज होने के बाद वह उसकी दवाई लेकर महमूदपुर से सिरसी होते हुए बिलारी लौट रहे थे। उधर, लोकेश अपने घर में होने वाले जागरण कार्यक्रम के कार्ड बांटने जा रहा था। संजय की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुफ्ती अजमल शाह ने फैलाई इल्म की रोशनी

कार्यालय संवाददाता,संभल

हज़रत मुफ़्ती अजमल शाह क़ादरी के उर्स कार्यक्रम में बोलते उलेमा। ● अमृत विचार

- मुफ्ती अजमल शाह क़ादरी के 64वें उर्स में हजारों अकीदतमंदों ने दी हाजिरी

अमृत विचार: मरकज़ी मदरसा अहले सुन्नत अजमल-उल-उलूम के संस्थापक हज़रत मुफ़्ती अजमल शाह क़ादरी का 64वां उर्से मुबारक सोमवार को बमनाया गया। इस मौके पर हज़ारों की संख्या में अकीदतमंदों ने हाजिरी देकर अपने बुजुर्ग के मज़ार पर फ़ातेहा पढ़ी और दुआएं मांगी।

ख़्वाजा कलीम अशरफ़ सम्भली ने कहा कि मुफ़्ती अजमल शाह क़ादरी बड़े आलिम और मुफ़्ती थे। वह सदरुल अफाज़िल हज़रत नईमुद्दीन मुरादाबादी के ख़ास शागिर्द और हुज़ूर हाफ़िज़े मिल्लत के उस्ताद भी रहे। मुफ़्ती आलम नूरी ने कहा कि मरकज़ी मदरसा अहले सुन्नत अजमल-उल-उलूम कल भी मरकज़ था, आज भी है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मरकज़ की तौहीन करना चाहते हैं, लेकिन मरकज़ की ख़ामोशी को कमज़ोरी समझना भूल होगी।

मुख्य वक्ता बनारस से आए मुफ़्ती आसिफ़ मिस्बाही ने कहा कि मुफ़्ती अजमल शाह क़ादरी का इल्मी कद इतना बुलंद था कि आज भी मॉरीशस जैसे देशों में फ़तावा अजमलिया के जरिए लोग अपने मसाइल का हल तलाश करते हैं। उन्होंने बताया कि निज़ाम हैदराबाद ने शाह साहब को 500 रुपये तनख़्वाह और चारमीनार पर 100 दुकानें देने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उन्होंने दुनियावी लालच ठुकराकर संभल में रहकर इल्म और दीन की सेवा जारी रखी।

आखिर में क़ारी तनज़ीम अशरफ़ अजमली ने मुल्क व क़ौम की सलामती के लिए दुआ कराई। इंतज़ाम की जिम्मेदारी क़ारी वसी अशरफ़ और तक़ी अशरफ़ एडवोकेट ने निभाई। मोहल्ला खग्गू सराय के सरफ़राज़ अजमली, सुब्हान अजमली व अन्य की जानिब से सभी मेहमानों को लंगर खिलाया गया।

सांसद संभल ज़ियाउर रहमान बर्क़, चेयरपर्सन पति चौधरी मुशीर, मुफ़्ती निसार रिज़वी, मुफ़्ती ग़ुलाम ग़ौस अज़हरी, सय्यद शामी मियां, सय्यद आमिर मियां, सय्यद माजिद मियां, मुफ़्ती महबूब वास्ती, इमामे ईदगाह मौलाना ज़हीरुल इस्लाम, मौलाना क़ारी राशिद रिज़वी सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। मदरसा कमेटी के हाजी ज़फ़ीर अहमद, सय्यद अब्दुल क़दीर, फ़रीद एडवोकेट और हाजी नदीम ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

पटाखे जलाने को लेकर मारपीट पिता-पुत्र घायल

संभल,अमृत विचार: पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों को पीट-पीटकर घायल कर दिया। घायल पक्ष ने मंगलवार सुबह थाना नखासा पहुंचकर तहरीर दी।

थाना नखासा क्षेत्र बिशनपुर गांव निवासी रामगोपाल पुत्र लल्लू सिंह और उनका पुत्र प्रशांत अपने घर पर दीपावली की तैयारियों में व्यस्त थे। पड़ोस में शिवा पुत्र लेखराज, विकास पुत्र सुरेश और गजेंद्र पुत्र लेखराज अपने घर के बाहर पटाखे जला रहे थे। पटाखों की चिंगारी रामगोपाल के घर के छप्पर पर जा गिरी। रामगोपाल ने उन्हें वहां पटाखे जलाने से मना किया। इस बात पर दूसरे पक्ष ने दबंगई दिखाते हुए रामगोपाल और उनके बेटे प्रशांत के साथ मारपीट कर दी। लाठी-डंडे चलने की नौबत आ गई। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहीद पुलिसकर्मियों को किया याद

संवाददाता,बहजोई

शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि देते एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई। ● अमृत विचार

- पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को एसपी व पुलिस कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार: कर्तव्य का पालन करने के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। जिसमें जहां एसपी सहित पुलिस कर्मियों ने शहीद स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं एसपी के नेतृत्व में पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने अपने कर्तव्य का पालन कर शहीद हुए पुलिसकर्मियों की याद में पुलिस स्मृति दिवस परेड आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। परेड में सर्वप्रथम एसपी ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेषित संदेश सुनाया। गत वर्ष उत्तर प्रदेश पुलिस के दो शहीद पुलिसकर्मियों के कर्तव्य का विवरण पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद शहीद स्मारक पर पुलिस अधीक्षक ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं पुलिसकर्मियों द्वारा भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसी के तहत सम्मान गार्द द्वारा ध्वनि के साथ शोक परेड आयोजित कर शहीदों को सलामी दी। 2 मिनट का मौन रखकर नमन किया गया। इस दौरान एएसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा, एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह, सीओ संभल आलोक भाटी, बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, चंदौसी मनोज कुमार सिंह, असमोली कुलदीप कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी सहित जनपद के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में युवक की मौत

मंडी धनौरा, अमृत विचार : गांव कैसरा निवासी नवनीत भारती पुत्र मदन भारती दीपावली की खरीदारी के लिए बाइक पर धनौरा आ रहा था। जबर गांव के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी भिड़ंत हो गई। नवनीत गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उसकी हालत नाज़ुक देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया। रास्ते में ही नवनीत की मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र कुमार ने कहा कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नवनीत भारती।

युवकों में जमकर मारपीट

हसनपुर, अमृत विचार : नगर क्षेत्र के एक कॉलोनी का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक एक दूसरे पर लात घूसे चला रहे हैं। बीच बचाव में महिलाएं भी वीडियो में दिखाई दे रही हैं। वीडियो पुलिस क्षेत्र अधिकारी के कार्यालय के निकट का बताया जा रहा है। कस्बा इंचार्ज राम प्रकाश ने बताया कि वायरल वीडियो का मामला संज्ञान में नहीं है।

पटाखा फेंक कर वृद्ध को किया घायल

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम वहादरपुर निवासी राम प्रकाश पुत्र जय राम सोमवार की रात लगभग 9 बजे अपने घर के आंगन में बैठा था। किसी ग्रामीण ने राम प्रकाश के ऊपर पटाखा फेंक दिया गया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। चिकित्सकों द्वारा घायल वृद्ध का उपचार कर उसे घर भेज दिया।

कहासुनी के बाद लोगों पर चढ़ाया ट्रैक्टर

बिजनौर, अमृत विचार :नहटौर थाना क्षेत्र के अलीनगर पालनी गांव में सोमवार देर रात आपसी विवाद के दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने भीड़ पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। ट्रैक्टर की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए, जिनमें देवेंद्र नामक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। कोतवाल जय भगवान ने बताया कि मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।

रोशनी से जगमगाए घर-आंगन, जमकर हुई आतिशबाजी

उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई दिवाली, लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई के साथ दीं शुभकामनाएं

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: दिवाली का त्योहार जिले में हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। दीपोत्सव पर शहर से लेकर गांव रोशनी से जगमग हो गए। शुभ मुहुर्त में लोगों ने मां लक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि मांगी। पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ और देर रात तक लोगों ने खूब पटाखे छोड़े। गली मोहल्ले और रिश्तेदारों के यहां मिठाई बांटकर दिवाली की शुभकामनाएं दी। युवाओं और बच्चों के साथ महिलाओं ने भी पटाखे जलाकर खुशी का इजहार किया।

सोमवार को दिवाली के अवसर पर पूरा जिला रंगबिरंगी रोशनी से जगमग हो उठा। दिवाली पर लोगों ने लाइटों व झालरों से अपने घरों को सजाया था। हालांकि त्योहार को लेकर रविवार को ही लोगों ने सभी खरीदारी कर ली थी लेकिन सोमवार को भी शाम तक बाजारों में पटाखों आदि की खरीदारी होती रही। शाम ढलते ही घर-आंगन रोशनी से जगमगाने लगे। लोगों ने अपने घरों के बाहर दीये, मोमबत्ती जलाई।

मंदिर पर दीपक जलाने जाती महिलाएं। • अमृत विचार

• मां लक्ष्मी व श्रीगणेश की पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि मांगी

महिलाओं ने रंगोली से घर के आंगन को सजाया। इसके बाद से पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। लोगों ने घर एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर विधिवत श्रीलक्ष्मी-गणेश व कूबेर जी की पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। घरों के साथ ही मंदिर परिसर में दीयों को रोशनी से जगमगा उठे। लोगों ने एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी और एक दूसरे को मिठाई व उपहार भेट किए। इसके बाद जमकर आतिशबाजी हुई। आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। बच्चे और युवाओं ने रंग-बिरंगी पोशाक पहनकर त्योहार को मनाते नजर आए। घर-घर में हर वर्ग के लोगों ने आतिशबाजी का खूब लुत्फ उठाया। नगर की आवास विकास कॉलोनी प्रथम में युवाओं और बच्चों ने फुलझड़ी, चर्खी आदि पटाखे जलाकर खुशी जाहिर की। इस बार महिलाएं भी पीछे नहीं रही। महिलाओं ने भी खूब जमकर आतिबाजी छोड़ी। देर रात्रि तक लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। इसके अलावा देहात क्षेत्रों में भी लोगों ने दिवाली पर्व हर्षोल्लास से मनाया। घरों और मंदिरों में पूजा अर्चना के बाद गांव देहात में भी देर रात तक आतिशबाजी छोड़ने का सिलसिला चलता रहा। वहीं कुछ जगहों पर मंगलवार को भी लोगों ने घरों में गोवर्धन की पूजा अर्चना की और जमकर आतिशबाजी की।

आतिशबाजी छोड़ती महिलाएं। • अमृत विचार

आतिशबाजी छोड़ते बच्चे। • अमृत विचार

शहर व देहात क्षेत्रों में दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया

गजरौला, अमृत विचार : दीपावली पर्व धूमधाम संग मनाया गया। लोगों ने घरों को झालर, दीपक और मोमबत्तियों से सजाया। घर-आंगन रोशनी से सराबोर रहे। मनमोहक रंगोली सजा कर फूल आदि से भी सजावट की गई। भगवान लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर बच्चों ने बड़ों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद युवाओं व बच्चों ने जमकर आतिशबाजी की। दीपावली पर्व पर घरों से लेकर गली-गलियारों और मंदिरों तक सब कुछ रोशनी से जगमग रहा। लोगों ने उत्साह संग घी व तेल के दीपक जलाए। मोमबत्ती व झालरों से भी रोशनी की। सोमवार शाम शुभ मुहूर्त में लोगों ने मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर का विधि विधान संग पूजन किया। खील-बताशे, खिलौने और मिष्ठान के साथ घर में बने पकवानों का भोग लगाया। आरती व पूजन के बाद बच्चों ने घरों को दीपक व मोमबत्ती लगाकर सजाया। घर-आंगन के हर कोने को दीपक से रोशन किया। इसके बाद बच्चों और युवाओं ने आतिशबाजी का आनंद लिया। देर रात करीब 12 बजे तक भी लोग आतिशबाजी करते रहे।

राज्य विधिज्ञ परिषद के चेयरमैन ने दी सांत्वना

उझारी, अमृत विचार: एसोसिएशन हसनपुर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जावेद कैसर के इंतकाल की खबर सुनकर उत्तर प्रदेश राज्य विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढ़स बंधाया और हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। शिवकिशोर गौड़ ने उनके क्लेम के आवेदन तैयार करने को भी कहा।

अधिवक्ता जावेद केसर शुक्रवार को मगरिब की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में गए थे। नमाज पढ़कर वह अपने घर वापस लौट रहे थे कि घर के दरवाजे पर ही हार्ट अटैक हो गया। परिवार के लोगों ने उन्हें मुरादाबाद ले गए जहां रविवार की सुबह उनका देहांत हो गया। तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट मुजाहिद चौधरी, सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन खान और मौहम्मद शाहिद एडवोकेट, तहसील बार हसनपुर के महासचिव मदन कुमार, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एडवोकेट मुस्तजाबुद्दीन, शादाब जफर, सोहेल अब्बास, जहीर अकबर व अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

गोवर्धन पर गोशालाओं में की गोवंश की पूजा

गोवर्धन पूजा करते लोग। • अमृत विचार

संवाददाता मंडी धनौरा

अमृत विचार: अखिल भारतीय हिंदू परिषद के जिला संयोजक निर्मल चौधरी ने कार्यकर्ताओं संग शहर की कान्हा गौशाला, गांव ढीगरा व चूचैला स्थित गौशाला में विधि विधान से गौमाता की पूजा अर्चना की। गौवंश को माला पहनाकर व गुड़ चना खिलाकर गौमाता की आरती भी की।

निर्मल चौधरीने कहा कि गायों की पूजा करने से हमारे परिवार के सदस्यों में धार्मिक संस्कार जागृत होता है। यह सामाजिक एकता और सहानुभूति को बढ़ावा देती है। वही उनके द्वारा गौशालाओं का निरीक्षण भी किया गया। प्रदेश ओपी गोला, केपी यादव, शंकर लाल सैनी, शिवम गुप्ता, गुरमीत सिंह, दीपक चौधरी आदि मौजूद रहें।

कुत्तों ने बालक सहित पांच लोगों को किया घायल

हसनपुर, अमृत विचार: तहसील क्षेत्र में सोमवार को कुत्तों ने हमला कर एक बालक सहित पांच लोगों को घायल कर दिया।

तहसील क्षेत्र के गांव दीपपुर निवासी रोहतास, बागड़पुर मुंजफ्ता निवासी रोबिन, पहाड़पुर बक्काल निवासी मुनीम एवं उसकी मां सुमंत्रा एवं ढक्का निवासी रईस अहमद को कुत्तों ने घायल कर दया। पांचो घायल नगर स्थित सीएचसी पहुंचे जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार करते हुए एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया, वही इस घटना के बाद क्षेत्र वासियों द्वारा प्रशासन से एक बार फिर कुत्ते पकड़वाने की मांग की है। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर धुर्वेद्र सिंह ने बताया कि कुत्तों के हमले में आए सभी घायलों का उपचार कर दिया गया है और उन्हें एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई है।

गंगा मेले की सड़क खराब, डीएम ने लगाई फटकार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

• डीएम, एसपी ने किया तिगरी गंगा मेला स्थल का निरीक्षण
• सड़कों व अन्य निर्माण कार्यों को गुणवत्ता से करने को कहा

अमृत विचार: डीएम निधि गुप्ता वत्स और एसपी अमित कुमार आनंद ने गंगा तिगरी मेला की तैयारी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस अवसर पर डीएम-एसपी ने प्रस्तावित ले आउट देखा और चल रहे कार्यों की प्रगति जानी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि गंगा किनारे बनाए गए शौचालयों को तत्काल हटाते हुए दूसरी जगह बनाने के निर्देश दिए।

मेन गंगा रोड की सड़क की गुणवत्ता खराब पाई गई जिस पर लोक निर्माण विभाग को सड़कों को कार्य गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के रहने के लिए बनाए गए सेक्टर को समतल कराने के निर्देश दिए। इसके साथ सेक्टर वाइज सड़के कटवाने के भी निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए। उपजिलाधिकारी धनौरा को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाए गए सेक्टर पर खड़े गन्ना को कल सांय तक कटवाना सुनिश्चित करें। पर्याप्त संख्य में बैरियर उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जिला पंचायत को सेक्टर के प्रारंभ से अंत तक प्रकाश व्यवस्था 03 दिन में पूर्ण करने और जहां टेंट लगने हैं उन समस्त स्थानों पर शीघ्रता से टेंट लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बन रहे घाटों का निरीक्षण किया और बाढ़खंड के अधिकारियों को घाटों का निर्माण सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए मजबूत बल्लियां लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसलिए, सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हों। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस के साथ-साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण करते डीएम निधि गुप्ता वत्स और एसपी अमित कुमार आनंद। • अमृत विचार

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लड़की छेड़ने के विवाद में चले लाठी-डंडे

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में कुआं पूजन समारोह में बज रहे डीजे के पास खड़ी युवती के साथ छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी, डंडे सरिया एवं पथराव हुआ। दोनों पक्षों की ओर से लगभग एक दर्जनलोग घायल हो गए। दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे और एक दूसरे पर आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की। पांच घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर खुर्द निवासी भोज राम के पोते का नामकरण एवं कुआं पूजन समारोह सोमवार को था जिसके चलते देर रात तक डीजे बजता रहा और ग्रामीण नाचते रहे। गांव निवासी छत्रपाल की पुत्री खुशी डीजे के पास खड़ी थी तभी गांव निवासी कैलाश का पुत्र ने छेड़छाड़ कर दी। युवती के परिजनों ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।

सीएचसी में बड़ी संख्या में दोनों पक्षों के लोग। • अमृत विचार

मारपीट के दौरान जमकर लाठी डंडे सरिया एवं पथराव हुआ जिससे गांव में अफरातफरी का माहौल बना रहा। वहीं दूसरे पक्ष के घायल रिशिपाल ने बताया कि जुए को लेकर मारपीट हुई है । गांव में जुआ काफी समय से खेला जा रहा है। मारपीट के दौरान लड़की पक्ष की ओर से छत्रपाल, रामस्वरूप, घायल हुए हैं वही दूसरे पक्ष की ओर से सौराज, जयपाल, रिशिपाल, कैलाश, ब्रह्मानन्द ,कुंवरपाल एवं नरोत्तम घायल हुए हैं। दोनों पक्ष घायलों को लेकर कोतवाली पहुंचे और एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

• दोनों पक्षों के एक दर्जन लोग घायल, पांच की हालत गंभीर

पुलिस ने तहरीर लेकर दोनों पक्षों के घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया, जहां उपचार के दौरान रामस्वरूप एवं कैलाश, ब्रह्मानंद ,निरोती, रिशिपाल ,कुवर पाल की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। जबकि कैलाश की हालत अधिक गंभीर होने के कारण परिजन उसे मेरठ ले गए जहां उसका उपचार किया जा रहा है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि कुआं पूजन के दौरान सरिया से बनी एक वस्तु से कुछ युवक गंधक पटास छोड़ रहे थे।

गंधक पटास छोड़ने पर वहां धुआं फैल रहा था इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट व पात्रा हुआ है। अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह द्वारा बताया गया मारपीट के दौरान कई लोग घायल हुए हैं।

दीवार उखाड़ने को लेकर मारपीट मे युवक घायल

हसनपुर, अमृत विचार: दीवार उखाड़ने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। 108 की मदद से घायल युवक सीएचसी पहुंचा जहां उसका उपचार किया गया।

सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव खरसोली निवासी राधेश्याम पुत्र हेम सिंह सोमवार की देर शाम अपनी ईंटों की दीवार को उखाड़ रहा था। तभी पड़ोसी रामकुमार के द्वारा उसका विरोध किया गया। पीड़ित का आरोप है कि रामकुमार एवं उसके पुत्रों ने गाली गलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी। मंगलवार की सुबह पीड़ित ने 108 एंबुलेंस को फोन कर मौके पर बुलाया जहां 108 एंबुलेंस ने घायल को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया।

उल्लास के साथ मनाई दीपावली

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: रोशनी व दीपोत्सव का त्योहार सोमवार को आस्था व उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। झालर और दीयों की रोशनी से पूरा नगर रोशन हो गया। रात में जबर्दस्त आतिशबाजी के कारण पूरा आसमान रंगीन हो गया। गली, मोहल्ला, प्रतिष्ठान, घर रोशन दिखाई दिए जो अलग ही छटा बिखेर रही थी।

सोमवार की प्रातः से ही दीपावली त्यौहार को लेकर का भी उत्साहित नजर आए वही पूरे दिन बाजार में खरीदारी की गई, शाम होते ही महिलाएं घरों में पूजन की तैयारी में लग गई, मुहूर्त के अनुसार मां लक्ष्मी एवं गणेश जी का पूजन किया गया। घर, प्रतिष्ठान व मंदिरों में दीपोत्सव किया। घर का हर कोना दीयों, मोमबत्ती व झालरों की रोशनी से जगमग हो उठा। इसके बाद लोगों ने पटाखे जलाना शुरू किया। बच्चे, नौजवान व बुजुर्गों ने पूरे परिवार के साथ पटाखे व फूलझड़ी जलाए। लोगों ने मिठाई खिलाकर व बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। देर रात तक बधाई देने का दौर जारी रहा।

दीपक जलाते चेयरमैन एवं उनकी पत्नी। • अमृत विचार

सात दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा का पारायण भंडारा आयोजित

हसनपुर, अमृत विचार: गायत्री परिवार के सात दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा का समापन पांच कुंडीय महायज्ञ के साथ किया गया। श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर समाज एवं देश की सुख शांति की कामना की। लोगों ने नशापान, धूम्रपान, मांसाहार एवं अन्य बुराइयों को त्यागने का संकल्प लेते हुए गायत्री मंत्र की दीक्षा भी ग्रहण की।

महिलाओं ने कलश प्रभात फेरी निकाली और गलत से सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। कथा व्यास ने कहा कि हवन प्रद्धति हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रद्धति है, जिससे हर प्रकार की बीमारियों के इलाज संभव है। हवन के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर बीनू चौधरी, नवल किशोर, लेखराज सिंह, ललित शर्मा, प्रदीप कुमार, वीर सिंह, सोरन सिंह, पप्पू, नवल आदि मौजूद रहे।

हादसे के बाद भड़के ग्रामीण शव रखकर लगाया जाम

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नहटौर-नूरपुर मार्ग मंगलवार की शाम उस समय गुस्से और अफरातफरी का केंद्र बन गया जब एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया।

घटना नहटौर क्षेत्र के समसपुर गांव के पास स्थित दिव्य दीप स्कूल के सामने हुई। बूढ़पुर निवासी मोनू सैनी (41 वर्ष) पुत्र शंकर सैनी नहटौर से काम खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मोनू की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए - और मृतक के परिजनों के साथ मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। नहटौर-नूरपुर मार्ग पर जाम लग गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

थानाध्यक्ष धीरज नागर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की, लेकिन आक्रोश शांत नहीं हुआ। इसके बाद सीओ धामपुर अभय कुमार पांडे कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। उन्होंने परिजनों को निष्पक्ष जांच और मुआवजे का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जाम समाप्त किया। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक मोनू सैनी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों सहित परिवार छोड़ गए हैं।

अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

गजरौला, अमृत विचार: अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने बृजघाट व तिगरी गंगाधाम में आस्था की डुबकी लगाई। भोर की पहली किरण के साथ गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। श्रद्धालुओं ने परिवार व समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

अमरोहा, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, संभल, दिल्ली आदि दूर स्थानों से आए श्रद्धालुओं ने सोमवार को बृजघाट गंगातट पर गंगा स्नान किया। दोपहर तक गंगा स्नान करने के लिए श्रद्धालु गंगाघाट पर पहुंचते रहे। सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार व समाज में सुख-शांति संग समृद्धि की कामना की। मंदिरों में पूजा-अर्चना कर जरूरतमंदों को दान किया। वहीं दूसरी ओर तिगरी गंगा धाम में भी श्रद्धालुओं ने गंगास्नान किया।

अमृत विचार कार्यालयों में हुआ दिवाली पूजन

बरेली कार्यालय

अमृत विचार: दीपावली पर्व पर पीलीभीत बाईपास रोड स्थित अमृत विचार के प्रधान कार्यालय में सोमवार अपराह्न 3 बजे गणेश-लक्ष्मी की पूजा हुई। पंडित किशोर जोशी ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इसके बाद प्रसाद का वितरण हुआ। इस अवसर पर बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल, डा. अर्जुन अग्रवाल, डा. चीना गर्ग, डा. वरुण अग्रवाल, डा. प्रज्ञा मिश्रा, अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार, आईटी हेड हरिओम गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, सुबोध शर्मा, अजीत श्रीवास्तव आदि शामिल हुए। पूजा समापन के बाद सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और सुख-समृद्धि की कामना की।

अमृत विचार कार्यालय, बरेली में दीपावली पूजन के दौरान बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल, डा. अर्जुन अग्रवाल, डा. चीना गर्ग, डा. वरुण अग्रवाल, डा. प्रज्ञा मिश्रा, सीओओ पार्थो कुनार, आईटी हेड हरिओम गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, सुबोध शर्मा व अजीत श्रीवास्तव आदि।

लखनऊ कार्यालय में भी दीपावली पर पूजन किया गया। समूह संपादक राजेश श्रीनेत, सीएमओ (हेड आफ आपरेशन, ई) एपी सिंह, कार्यकारी संपादक अनिल त्रिगुणायत व समूह प्रसार प्रबंधक विनोद सिंह सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे। अमृत विचार हल्द्वानी कार्यालय में सोमवार को दीपावली का पूजन हुआ। मुख्य प्रबंधक अजय सक्सेना ने गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की। विनोद राजपूत, अंकुर शर्मा, सर्वेश तिवारी, नरेंद्र देव सिंह, मनोज कुमार मौजूद रहे।

कानपुर कार्यालय में विघ्नहर्ता भगवान गणेश और लक्ष्मी जी का पूजन किया गया। आतिशबाजी के साथ ही मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर कार्यकारी संपादक दिग्विजय सिंह, विज्ञापन प्रबंधक राजेश श्रीवास्तव व निशांत पाठक व टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे। मुरादाबाद अमृत विचार कार्यालय परिसर में रंगोली बनाई गई। प्रबंधक राहुल शर्मा, सिटी इंचार्ज विनोद श्रीवास्तव, एच आर मिसवा खान ने साथी रिपोर्टर के साथ लक्ष्मी-गणेश की विधिवत पूजा अर्चना की। इसके बाद कार्यालय प्रबंधक द्वारा सभी साथियों में मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर रिपोर्ट शुभम शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, फोटोग्राफर राजेश राजा और विज्ञापन विभाग से प्रिया सिंह मौजूद रहीं। अयोध्या कार्यालय में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

• बरेली, लखनऊ, हल्द्वानी अयोध्या, कानपुर और मुरादाबाद में किया पूजन

अमृत विचार

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

सबसे महान जीत, प्रेम की होती है। यह हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।
–सम्राट अशोक

आत्मनिर्भर होती रक्षा

देश ने 2014 के बाद से रक्षा निर्यात में तीस गुना वृद्धि हासिल की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दावा राजनीतिक वक्तव्य नहीं, आंकड़ों से समर्थित तथ्य है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़े कहते हैं, 2014 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपये का था, आज यह बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। भारत जैसे देश के लिए, जो विश्व के सबसे बड़े हथियार आयातकों में है, यह वृद्धि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। हमारे शिप याड्र्स ने बीते दशक में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना को दी हैं। देश लंबे समय तक अमेरिका, रूस और फ्रांस से भारी मात्रा में हथियार आयात करता रहा है। अब हालात बदलने लगे हैं और ऐसे में उसका हथियारों का निर्यातक के रूप में उभरना वैश्विक रक्षा बाजार में युगांतकारी है। यह प्रगति व्यावसायिक उपलब्धि के साथ भारतीय सेना, वैज्ञानिकों और निजी रक्षा उद्योग के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देते हुए देश की सामरिक स्वायत्तता और 'मेक इन इंडिया' के विजन को भी मजबूती प्रदान करती है।

वर्तमान में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी शीर्ष पांच देश हैं। इन देशों की विश्व रक्षा निर्यात में संयुक्त हिस्सेदारी 75 फीसद से अधिक है। अकेले अमेरिका का योगदान ही 40 प्रतिशत है। भारत अभी भी इस सूची में वैश्विक रक्षा निर्यात में लगभग 0.3 फीसदी का हिस्सा लेकर शीर्ष 25 देशों में 22वें स्थान के आसपास है, हालांकि यह हिस्सा बहुत छोटा है, किंतु हमारी उछाल बताती है कि आने वाले दशक में शीर्ष 10 में शामिल होंगे। इस तेज वृद्धि के पीछे सरकार की नीतिगत भूमिका भी काबिले तारीफ है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन के लिए एफडीआई सीमा बढ़ाई गई, रक्षा क्षेत्र के 500 से अधिक आइटमों पर आयात प्रतिबंध लगाए गए और निजी क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास की नई राह खोली गई। इन कदमों से भारत में रक्षा स्टार्टअप्स की संख्या 500 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सैटेलाइट सिस्टम जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए भारत को रक्षा अनुसंधान में निवेश और निजी क्षेत्र के सहयोग को और बढ़ाना होगा। रक्षा निर्यात को गति देने के लिए सरकार को निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल करनी होगी, वैश्विक रक्षा प्रदर्शनियों में भारतीय कंपनियों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी और निर्यात वित्तपोषण की स्थायी व्यवस्था करनी होगी। इससे इस दिशा में और प्रगति होगी।

सच तो यह है कि भारत का यह सफर केवल संख्याओं का नहीं बल्कि स्वाभिमान का है। जब भारत अपनी सेना के लिए बने हथियारों को अन्य देशों की सेनाओं में सेवा करते देखेगा, जब हमारी सेना अपने बनाए हरबे-हथियारों से लड़ेगी तो यह न केवल आत्मनिर्भरता की विजय होगी बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत के तकनीकी और सामरिक सामर्थ्य की गूंज भी। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की उपलब्धि। 'वोकल फॉर लोकल' का भी सशक्त प्रदर्शन होगा।

विक्रांत पर पीएम: मनोबल बढ़ाने वाला कदम

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार पणजी में भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। पीएम बनने के बाद मोदी ने हर साल सैनिकों के साथ दिवाली मनाने की जो परंपरा शुरू की, उन्होंने उसका इस बार भी निर्वाह किया। यह परंपरा अब एक भावनात्मक और राजनीतिक रूप में प्रतीक बन चुकी है। यह अब सिर्फ दीयों की रोशनी में सैनिकों के साथ मिठाई बांटने का दृश्य नहीं है, बल्कि उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

देश की राजनीति में त्योहारों का इस्तेमाल हमेशा जनसंपर्क के अवसर के रूप में होता आया है, पर मोदी ने इसे नया आयाम दिया है। उन्होंने सत्ता के केंद्र दिल्ली की जगमगाहट छोड़कर वह रास्ता चुना, जो सीमाओं की सर्द हवाओं, पहाड़ी चौकियों और रेतीले रेगिस्तान में घरों से दूर बैठे सैनिकों के पास पहुंचता है। वर्ष 2014 में पीएम बनने के बाद मोदी हर साल किसी न किसी सीमा पर जाते हैं। अब तक वह जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जवानों के साथ दीपावली मना चुके हैं। हर बार इससे यह संदेश गया है कि राष्ट्र की सुरक्षा में लगे जवानों को राष्ट्र का अंग-संग रख रहा है।

मोदी के पणजी दौरे से देश भर में हमारी सेनाओं की भी आत्मनिर्भरता की खूब चर्चा है। जैसा कि मोदी ने कहा है, पिछले दशक में भारत की सेनाओं ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। हजारों रक्षा उपकरण अब देश में ही निर्मित हो रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत का रक्षा उत्पादन तीन गुना बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बीते दस वर्षों में रक्षा निर्यात 30 गुना बढ़ा है।

राजनीतिक आलोचक मोदी के हर दिवाली पर जवानों के बीच जाने को 'राजनीतिक इवेंट' का हिस्सा बताते हैं, पर मोदी के साथ आने वाले जवानों की तस्वीरों से पता चलता है मोदी ने किस कदर सेना के मनोबल को बढ़ाने का काम किया है। जब मोदी दीपावली मनाने जाते हैं, तो जवानों के लिए यह केवल प्रधानमंत्री की यात्रा नहीं होती, बल्कि उन्हें यह अहसास होता है कि जैसे देश के नागरिकों की ओर से उन्हें सामूहिक सम्मान दिया जा रहा है। मोदी का सीमा पर दीपावली मनाना न केवल जनता के बीच उन्हें सरोकारी नेता के रूप में प्रस्तुत करता है, बल्कि इससे वह भावनात्मक कड़ी भी मजबूत होती है, जो आम देशवासियों को सेना के प्रति गर्व से भरती है।

हर दीपावली पर जब मोदी सैनिकों के साथ दीपक जलाते हैं, तो मीडिया में छाई इस मौके की तस्वीरें देशभक्ति की प्रतीक बन जाती हैं। ऐसा करके मोदी यह संदेश भी दे जाते हैं कि देश की रक्षा और सीमाओं की सजगता पर सरकार का सर्वोपरि ध्यान है। मोदी द्वारा शुरू की गई यह परंपरा राष्ट्रवाद को एक नए रूप में प्रस्तुत करती है। मोदी के पीएम बनने से पहले सैनिकों का जिक्र परेड या शहीदी दिवस पर होता था, वहीं इसके बाद त्योहारों में भी उनका उल्लेख एक नई शुरुआत है, जो आम लोगों को सीमा प्रहरियों के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

अब त्योहारों में सैनिकों की उपस्थिति एक सामान्य परंपरा बन गई है। यह बदलाव इस बात का परिचायक है कि राष्ट्रवाद अब केवल नारों या झंडों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह संवेदना और सहभागिता का हिस्सा बन गया है। मोदी की जवानों के साथ हर वर्ष की दिवाली राष्ट्रवाद की नई परंपरा बनकर उभरी है। जब कोई प्रधानमंत्री जवानों के बीच बैठकर कहता है कि आप सब मेरे परिवार का हिस्सा हैं, तो ये शब्द आत्मीयता का भाव जगाते हैं। मोदी का हर दीपावली पर सैनिकों के पास जाना बहुत कुछ कहता है। सीमाओं पर दिया जलाना केवल अंधकार को मिटाने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस भय और अनदेखेपन को दूर करने का भी संकेत है, जो दशकों से सीमा चौकियों को देश के सामाजिक मानस से अलग रख हुए था। अब दूरदराज सीमाओं पर बैठे सैनिक हमारे दीपोत्सव की जगमग में बराबर की भागीदारी करते नजर आते हैं। यह केवल एक व्यक्ति की शैली नहीं है, बल्कि आने वाले समय में यह सत्ता की संवेदनशीलता की स्थायी परंपरा बन कर उभरेगी। मोदी हमेशा ऐसा कुछ रचते हैं, जिसकी सत्ता के शीर्ष स्तर से कभी अनदेखी नहीं की जा सकेगी। मोदी की हर शुरुआत चिरस्थाई बन रही है। कोई हैरानी नहीं होगी, यदि भविष्य के प्रधानमंत्रियों को भी देश इन तमाम परंपराओं को निभाते देखे।

किसी भी प्रधानमंत्री का सैनिकों के बीच जा कर त्योहार मनाना उनका मनोबल बढ़ाने वाला है। सैनिकों का मनोबल केवल हथियारों से नहीं बल्कि समाज और सरकार के व्यवहार से बनता है। प्रधानमंत्री का हर साल जवानों के बीच पहुंचना यह संदेश देता है कि देश उन्हें हमेशा याद रखता है। इससे सैनिक महसूस करते हैं कि सरहद पर उनकी ड्यूटी केवल आदेश का पालन ही नहीं, बल्कि सम्मान का भी प्रतीक है।

सीमा पर दिवाली मनाना केवल एक राजनीतिक क्रियाकलाप नहीं है बल्कि यह सत्ता और सैनिकों, नेता और नागरिकों, शहरों और सीमा चौकियों के बीच एक भावनात्मक पुल है। मोदी की यह परंपरा उस दीपक की तरह है, जो न केवल अंधेरे को मिटाता है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देश का असली उजाला वहीं से आता है जहां वर्दी में हमारे सीमा प्रहरी निगेहबानी की लौ जलाए खड़े हैं। जब सरहद पर दिया जलता है तो राजनीति, राष्ट्र और मानवता एक साथ दिवाली मनाते प्रतीत होते हैं। यह दिया भले ही सरहद पर प्रज्ज्वलित होता है, पर उसकी रोशनी से समूचा देश जगमगाता है।

पीएम मोदी का जवानों संग दिवाली मनाना उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

सोशल फोरम

रेयान ने छोटी उम्र में देखा बड़ा सपना

वह लड़का, जिसने डेढ़ मिलियन अफ्रीकियों की प्यास बुझाई, इसका नाम RYAN है, और वह मई 1991 में कनाडा में पैदा हुआ था। जब वह सिर्फ छह साल का था, उसके शिक्षक ने कक्षा में बताया कि अफ्रीका के बच्चे किस परेशानी में रहते हैं। वह इस बात से बहुत प्रभावित हुआ कि कुछ बच्चे प्यास से मर जाते हैं, जबकि वह खुद बस नल खोलकर साफ पानी पी सकता था। रायन ने अपने शिक्षक से पूछा कि अफ्रीका तक पानी पहुंचाने में कितना खर्च आएगा। शिक्षक ने बताया कि एक संस्था है जिसका नाम 'वॉटर कैन' (WaterCan) है, जो लगभग 70 डॉलर में एक कुआं बनवा देती है।

शोएब गाजी
ब्लॉगर

घर पहुंचकर रायन ने अपनी मां SUSEN से कहा कि उसे अफ्रीकी बच्चों के लिए कुआं खरीदने के लिए 70 डॉलर चाहिए। उसकी मां ने कहा कि उसे यह पैसा खुद मेहनत से कमाना होगा और उसे कुछ छोटे-मोटे काम बताए, ताकि वह हर हफ्ते कुछ डॉलर कमा सके। आखिरकार उसने 70 डॉलर बचा लिए और वॉटर कैन संस्था के पास गया।

वहां उसे बताया गया कि एक असली कुएं की खुदाई की लागत 2,000 डॉलर है। उसकी माँ ने साफ कहा कि वह इतना पैसा नहीं दे सकती, लेकिन रायन ने हार नहीं मानी। वह अपने मोहल्ले में काम करता रहा, अपने भाइयों, पड़ोसियों और दोस्तों को साथ जोड़ा, ताकि आवश्यक फंड जुटाया जा सके।

आखिरकार जनवरी 1999 में उत्तरी युगांडा के एक गांव में कुएं की खुदाई की गई। कुआं बनने के बाद, रायन के स्कूल ने भी मदद शुरू की। साल 2000 में, वे उस गांव पहुंचे, जहां सैकड़ों लोग उनका स्वागत करने आए। उन्होंने रायन का नाम लेकर नारे लगाए।

रायन ने हैरानी से पूछा, "उन्हें मेरा नाम भी पता है?"

गाइड ने मुस्कराते हुए कहा, "100 किलोमीटर के दायरे में हर कोई जानता है।"

आज रायन 34 साल का है। वह अपनी फाउंडेशन चलाता है और अब तक अफ्रीका में 400 से ज़्यादा कुएं बनवा चुका है। वह वहां शिक्षा को बढ़ावा देने और लोगों को कुओं की देखभाल और पानी प्रबंधन सिखाने का भी काम करता है। जब हम बहुत सी बेकार चीजों में उलझे रहते हैं, तो याद रखना चाहिए कि एक सच्चे हीरो को सम्मान देना ही सबसे बड़ी बात है। **-फेसबुक वाल से**

प्रसंगवश

हंसी खत्म हो सकती है असरानी नहीं

हरीश उप्रेती करन
रंगकर्मी

सिनेमा के विशाल परदे पर कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिर्फ अभिनय नहीं करते, बल्कि दर्शकों के मन में एक भाव बनकर बस जाते हैं। वे पीढ़ियां पार करते हुए भी अपनी सहजता, सरलता और संवेदना से अमिट छाप छोड़ते हैं। ऐसे ही कलाकार थे- गोवर्धन असरानी, जिन्हें पूरा देश बस 'असरानी' के नाम से जानता और प्यार करता है। वे हंसी के कलाकार थे, मगर उनकी हंसी के पीछे एक गहरी मानवीयता, एक करुण संवेदना और जीवन को देखने का गंभीर दृष्टिकोण छिपा था। उन्होंने साबित किया कि हास्य केवल हंसाने का साधन नहीं होता, बल्कि समाज के आईने में सच्चाई दिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम भी हो सकता है।

मुंबई में जूहू बीच पर समुद्र किनारे सूरज की किरणों के बीच, कई कलाकार और फिल्म जगत के लोग अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से करते थे। मैं भी वहां जाया करता था। अक्सर, वहीं उसी रेत पर असरानी भी आते थे। वे सुबह-सुबह ध्यान मुद्रा में बैठ जाते, चेहरे पर अद्भुत शांति लिए हुए। जूहू के उसी समुद्र तट पर, एक भिखारी भी था, जो भीषण गर्मी में भी कंबल ओढ़कर एक नारियल के पेड़ के नीचे सोया रहता था। असरानी की एक आदत ने हमें अंदर तक छू लिया। वे जब भी शनिवार या रविवार को ध्यान-योग के बाद लौटते, तो उस भिखारी को जगाकर 100 रुपये का नोट थमा देते। न कोई दिखावा, न कैमरा, न कोई हल्ला... बस चुपचाप दया का एक कर्म।

असरानी ने सिनेमा में वह किया, जो बहुत कम अभिनेता कर पाए। 'शोले' में उनका मशहूर डायलॉग, "हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं...।" आज भी दर्शकों की जुबान पर है, लेकिन उनके किरदार सिर्फ हंसाते नहीं थे, वे समाज के भीतर छिपी विडंबनाओं को उजागर करते थे। 'चुपके चुपके', 'अमर प्रेम', 'बावर्ची', 'कटी पतंग', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'चला मुरारी हीरो बनने' जैसी फिल्मों में उन्होंने हर बार अपनी विविधता और संवेदनशीलता का प्रमाण दिया। उनकी कॉमेडी में कभी फूहड़पन नहीं था। वह जीवन का सीधा और सच्चा प्रतिबिंब थी।

समय बीतता जाएगा, नई फिल्में बनेंगी, नए हास्य कलाकार आएंगे, पर दूसरा असरानी न था, न होगा। वे सिर्फ हंसी के उस्ताद नहीं, बल्कि जीवन के दार्शनिक थे। वे यह सिखा गए कि हंसी, करुणा और विनम्रता- ये तीनों ही इंसानियत की सबसे बड़ी ताकत हैं। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो सिनेमा ने सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युग खो दिया है। उनकी याद में समर्पित यह पंक्ति शायद उनकी आत्मा को सबसे अधिक सही श्रद्धांजलि होगी, 'हँसी खत्म हो सकती है, असरानी नहीं, क्योंकि उनका असर हर मुस्कान में जीवित है।'

आमने-सामने

लखनऊ को स्मार्ट सिटी कहा जाता है, लेकिन सड़कों पर जाम और कचरा अब भी आम है। मैं इस (अयोध्या दीपोत्सव) पर कोई राय नहीं देना चाहता, लेकिन हमें दीयों और मोमबत्तियों पर इतना खर्च क्यों करना पड़ता है। दुनिया के कई देशों में क्रिसमस पर शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं।
–अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर सपा प्रमुख का बयान उनकी विकृत मानसिकता और देश के बहुसंख्यकों का अपमान करने के तरीके का प्रतीक हैं। अखिलेश यादव कहते हैं कि उजाले के बाद अंधेरा अच्छा नहीं होता, जबकि असली अंधेरा उनकी सोच में है। **–भूपेंद्र चौधरी**
अध्यक्ष, भाजपा उप्र

गुमशुदा की तलाश में 'आधार' बनेगा आधार

आलोक तिवारी
स्वतंत्र पत्रकार

देश में हर साल लाखों लोग लापता हो जाते हैं और उनके परिवारों को अपनों की तलाश में भटकना पड़ता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2023 तक चार लाख 84 हजार 584 लापता व्यक्तियों के मामले विभिन्न राज्यों में दर्ज हो चुके हैं। इनमें से बच्चों के अपहरण एवं लापता मामलों की संख्या 79 हजार 884 है। निश्चित रूप से यह संख्या और बढ़ी होगी! वस्तुतः यह वे मामले हैं, जो दर्ज किए गए हैं। ऐसे कितने मामलों में तो पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं अन्य कारणों से रिपोर्ट ही दर्ज नहीं कराई जाती है। कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज का महत्वपूर्ण फैसला उम्मीद की किरण बनकर उभरा है।

इस फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लापता व्यक्तियों की जांच में आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी UIDAI (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) पुलिस एवं जांच एजेंसियों के साथ साझा कर सकता है, बशर्ते हाईकोर्ट से अनुमति ली जाए। यह फैसला न केवल प्राइवेसी के अधिकार का सम्मान करता है, बल्कि जीवन रक्षा के मौलिक अधिकार को प्राथमिकता देता है।

यह मामला हुबली-धारवाड़ के निवासी श्री कृष्णमूर्ति से जुड़ा है, जिनका बेटा विजय कृष्णमूर्ति 2019 से लापता है। परिवार और पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन 2023 में पिता को पता चला कि उनके बेटे के आधार कार्ड का उपयोग और प्रमाणीकरण (ऑथेंटिकेशन) कहीं हुआ है। इससे उम्मीद जगी कि शायद बेटा जीवित है या कोई उसका दुरुपयोग कर रहा है। पिता ने यह जानकारी पुलिस को दी और UIDAI से आधार उपयोग का विवरण मांगने का अनुरोध किया।

पुलिस ने UIDAI से संपर्क किया, लेकिन UIDAI ने सूचना देने से इनकार कर दिया। उनका तर्क था कि यह जानकारी व्यक्ति की निजता (राइट टू प्राइवेसी) के अंतर्गत आती है और सुप्रीम कोर्ट के 2017 के पुट्टस्वामी फैसले में निजता को मौलिक अधिकार माना गया है। UIDAI ने आधार अधिनियम 2016 की धारा 29 का हवाला दिया, जो आधार डेटा साझा करने पर प्रतिबंध लगाती है। निराश पिता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने मामले की सुनवाई की।

कोर्ट ने 23 सितंबर 2025 को दिए अपने आदेश में आधार अधिनियम की गहराई से व्याख्या की। कोर्ट ने माना कि आधार का उद्देश्य नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करना और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है, लेकिन इसका दुरुपयोग रोकने के लिए बायोमेट्रिक डेटा (जैसे फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन) और व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं की जा सकती, हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 29 का प्रतिबंध 'निरपेक्ष' (एब्सोल्यूट) नहीं है। आधार अधिनियम की धारा 33 के तहत, यदि जांच एजेंसी को आधार उपयोग की जानकारी जीवन रक्षा या लापता व्यक्ति की तलाश के लिए जरूरी लगे, तो हाईकोर्ट अनुमति देकर UIDAI को ऐसी सूचना साझा करने का आदेश दे सकता है।

कोर्ट ने UIDAI को निर्देश दिया कि वे पुलिस को केवल आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी दें, न कि बायोमेट्रिक या अन्य संवेदनशील डेटा। इससे पुलिस आधार का उपयोग किए गए स्थान पर जाकर अपनी जांच आगे बढ़ा सकेगी, न्यायमूर्ति गोविंदराज ने कहा, "जब किसी व्यक्ति की जान दांव पर हो, तो प्राइवेसी का अधिकार जीवन के अधिकार के सामने झुक सकता है।" यह फैसला पुट्टस्वामी जजमेंट की भावना को बनाए रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। जहां प्राइवेसी मौलिक है, लेकिन अपवादों में सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दी जा सकती है। यह फैसला एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह लापता व्यक्तियों की तलाश में डिजिटल टूल्स का उपयोग खोलता है। भारत में हर साल लाखों लोग लापता होते हैं। एनसीआरबी के अनुसार, 2023 में ही पांच लाख के लगभग मामले थे और 2025 में यह संख्या बढ़ रही है। ऐसे में आधार डेटा से पुलिस को मदद मिल सकती है।

यहां एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है, क्या हर आम नागरिक, खासकर गरीब परिवार, हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है? कानूनी प्रक्रिया महंगी और जटिल है, जो कई परिवारों की पहुंच से बाहर है। मेरे विचार से, सरकार को इस दिशा में सुधार करने चाहिए। UIDAI और सरकार एक सामान्य दिशा-निर्देश (जनरल ऑर्डर) जारी कर सकते हैं, जिससे लापता या फरार व्यक्तियों के मामलों में पुलिस और जांच एजेंसियों को सीधे आधार उपयोग की जानकारी मिल सके। हर बार हाईकोर्ट जाने की जरूरत न हो।

यह घटना हमें सिखाती है कि आधार कार्ड की सुरक्षा और अपडेट कितनी महत्वपूर्ण है। परिवारों को चाहिए कि अपने बच्चों के आधार में अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाना सुनिश्चित करें, तथा उस मोबाइल नंबर को हमेशा सक्रिय रखें साथ ही UIDAI आन लाइन पोर्टल (uidai.gov.in) से समय-समय पर उस आधार कार्ड के उपयोग की जानकारी चेक करते रहें और यदि कोई दुरुपयोग लगे, तो तुरंत शिकायत दर्ज करें।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुमशुदा लोगों के मामले में ऐतिहासिक फैसला दिया है। उसने लापता व्यक्तियों की तलाश में UIDAI को आधार उपयोग की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

सामयिकी

एक जंग हो गांव के अंधेरे के खिलाफ

गांवों में अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक पर इस कटौती का असर दिखता है। गांवों में शाम होते ही सन्नाटा उतर आता है, सिर्फ इसलिए नहीं कि दिन ढल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि बिजली कब जाएगी, इसका कोई भरोसा नहीं होता। अचानक बुझ जाने वाले बल्ब और बंद होते पंखे लोगों के रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं। यहां अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक इस कटौती का असर दिखता है। ग्रामीणों के लिए बिजली एक अधिकार नहीं, बल्कि एक इंतजार बन गई है। एक ऐसी रोशनी, जिसका आना-जाना उनकी सांसों की लय तय करता है।

अनिता
एक्टिविस्ट

बिजली कटौती का असर सबसे गहराई से महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। घर के भीतर का सारा बोझ उन्हीं के कंधों पर होता है। जब रात में बिजली चली जाती है, तो वे रसोई में अंधेरे में खाना बनाने, मिट्टी के तेल या मोबाइल की रोशनी में पानी भरने और बच्चों को सुलाने का संघर्ष करती हैं। गर्मियों में जब हवाएं झुलसा देने वाली होती हैं, तब बंद पंखों और बुझी लाइटों के बीच बच्चों का रोना, बुजुर्गों की बेचैनी और घर की घुटन बढ़ जाती है। किशोरियां, जो दिन में स्कूल से लौटकर शाम को पढ़ाई करना चाहती हैं, उन्हें टॉर्च या मोमबत्ती की हल्की लौ में आंखें चौंधियाते हुए किताबों पर झुकना पड़ता है। कई बार यह भी देखा गया है कि अंधेरे के कारण घर से बाहर निकलना उनके लिए असुरक्षित हो जाता है, जिससे उनकी आजादी और सीमित हो जाती है।

इस कटौती का सबसे बड़ा झटका किसानों को लगता है। खेतों में सिंचाई करने वाली मोटर अक्सर बिजली के अभाव में बंद रहती है। कई बार किसान रात के अंधेरे में तब तक खेतों में जागते हैं, जब तक बिजली न आ जाए। फसलें सूख जाती हैं, क्योंकि तय समय पर पानी नहीं मिल पाता। खासकर गर्मियों और सूखे के मौसम में बिजली कटौती खेती की लागत और चिंता दोनों बढ़ा देती है। खेतों में सौर पंप और बैटरी सिस्टम कुछ राहत देते हैं, लेकिन हर किसान इनकी लागत नहीं उठा सकता।स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह समस्या कम नहीं है। कई बार टीकाकरण या दवाओं को ठंडा रखने के लिए जरूरी फ्रिज या उपकरण काम नहीं कर पाते। रात में मरीजों के इलाज के दौरान अंधेरा फैल जाने पर नर्स और स्वास्थ्यकर्मी टॉर्च या मोबाइल की रोशनी का सहारा लेते हैं। यह स्थिति उस मानवीय असमानता को उजागर करती है, जिसमें बुनियादी सुविधा के अभाव से ग्रामीणों का स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन-गुणवत्ता प्रभावित होती है।

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की स्थिति पर नजर डालें तो, 2024 के एक अध्ययन में बताया गया है कि राज्य के लगभग 30 प्रतिशत ग्रामीण घरों को प्रतिदिन 12 घंटे से कम बिजली मिलती है। कई क्षेत्रों में शिकायत के बाद भी बिजली बहाल होने में छह घंटे से ज्यादा समय लगता है। बिजली की गुणवत्ता भी चिंता का विषय है। इसमें वोल्टेज में बार-बार उतार-चढ़ाव के कारण उपकरण खराब हो जाते हैं, हालांकि राज्य सरकार के प्रयासों से राज्य के लगभग सभी गांवों में बिजली का कनेक्शन पहुंच चुका है, लेकिन निरंतर आपूर्ति अभी भी चुनौती है। यह अंतर बिजली पहुंच और बिजली उपलब्धता के बीच की खाई को उजागर करता है। बिजली कटौती का असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। किशोरियां बार-बार कहती हैं कि अंधेरे में पढ़ाई करना आंखों और मन दोनों को थका देता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

ताने-बाने में बसी कला और कौशल

सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश का एक ऐसा नगर है, जो भौगोलिक नक्शे पर भले ही बहुत बड़ा नहीं है, परंतु इसकी स्मृतियों, साहित्यिक व सांस्कृतिक धरोहरों की गहराइयां इतनी विराट हैं कि वहां से निकले लोग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्य, सिनेमा और भावनात्मक चेतना में अपना चिरस्थायी स्थान रखते हैं। यहां की मिट्टी में शब्द, राग और रूहानियत का गहरा रंग घुला है। अमरोहा में जन्मे लेखक, फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही और उनकी शरीके हयात 'ट्रेजेडी क्वीन' अभिनेत्री मीना कुमारी से पूरा संसार परिचित है। उर्दू अदब में सबसे चर्चित और पसंद किए जाने वाली एक शख्सियत जॉन एलिया का जन्मस्थान भी अमरोहा है। उनके कलाम से नई पीढ़ी आज भी उतना ही प्रभावित है, जितना उनके दौर में लोग उन्हें पसंद करते थे।

डॉ. पारुल तोमर
नई दिल्ली

अमरोहा की गलियां उर्दू तहजीब का खजाना हैं, जहां अब भी पुरानी हवेलियों, इत्र, कागज और किताबों की दुकानों से अदब की खुशबू आती है। इसी अमरोहा जनपद के नौगावां सादात क्षेत्र के एक छोटे से गांव मखदूमपुर के हथकरघों में बुना हर धागा जैसे अपनी एक अलग यात्रा पर निकल पड़ा है। इसकी संकरी गलियों में सुबह की किरणें जैसे ही उतरती हैं, हथकरघों की खट-खट वातावरण में गूंजने लगती है। यह आवाज सिर्फ कपड़ा बुनने की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक धड़कन की आवाज है। यहां के बुनकर, जिनकी उंगलियां धागों को मानो सांस लेने की लय देती हैं। ये कपास, रेशम और जरी के तानों-बानों में पूरे अमरोहा की पहचान बुनते हैं। बुनकरों के हाथों में बारीकी और डिजाइन का अद्भुत संगम है। ये रंग-बिरंगे गलीचे, चादर आदि को इस तरह कुशलता से बुनते हैं, जैसे कोई चित्रकार अपने कैनवास पर रंग भर रहा हो। फूल-पत्तियों के पैटर्न, ज्यामितीय आकृतियां और पारंपरिक नक्शे इनको अद्वितीय पहचान देते हैं, जो कभी गांव की चौपाल और घर आंगन में बिछी चारपाई का हिस्सा बनते हैं, तो कभी हजारों मील दूर विदेश के किसी आलीशान ड्राइंग रूम के फर्श की शान बढ़ाते हैं। आज देश-विदेश में अमरोहवी गलीचे, चादरें, दोहरें, कुशन आदि घर-घर की पसंद बन चुके हैं।

7 अगस्त 1905 को जब स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई, तब देशवासियों ने विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कर हथकरघा उद्योग को पुनः जीवन देना शुरू किया। यह एक सांस्कृतिक और आर्थिक विद्रोह था, जिसमें करघे पर बनी खादी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बन गई थी। हथकरघा उद्योग महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर उभरा है। गांवों की असंख्य महिलाएं, जो कभी घर की देहरी तक सीमित थीं, आज हथकरघे के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता की ओर बढ़ रही हैं। वे घर पर रहकर ही अपनी कला से रोजगार कमा रही हैं, बच्चों को पढ़ा रही हैं, परिवार चला रही हैं।

संस्कृति व परंपरा

हथकरघा समय, मेहनत, कौशल, संस्कृति और परंपरा का यह जीवंत दस्तावेज है, जिसमें गांव-गांव की सांसें, रंग और लय बसी हुई है। लकड़ी के चौखटे पर बैठा बुनकर जब पैडल दबाता है और शटल को बारी-बारी से इधर-उधर घुमाता है, तो उसके हाथों की गति में केवल कपड़ा नहीं, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव और स्मृति गुंथने लगती है। एक-एक धागा जैसे किसी पुरानी कहानी का अक्षर होता है और कपड़ा उसका पूरा कथानक। आज भी गांव के मिट्टी के आंगन में रखा हथकरघा अक्सर घर का केंद्र होता है। बच्चे उसके आसपास खेलते हैं, महिलाएं धागे की पूनियां बनातीं। करघे की खट-खट आवाज की मधुर धुन अपनी ओर खींचती है। यह धुन, केवल कपड़ा नहीं, बल्कि घर का चूल्हा-चौका, बच्चों की पढ़ाई और भावी जीवन का सपना भी बुन रही होती है। यह केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है। बुनकर जानता है कि उसके धागों से बना कपड़ा न केवल तन को ढकेगा, बल्कि परंपरा, मेहनत और स्थानीय पहचान को भी दुनिया तक पहुंचाएगा। हर डिजाइन, हर पैटर्न किसी खास क्षेत्र का परिचय पत्र है। चाहे वह कश्मीर की पश्मीना हो, बनारस की जरी या आंध्र की इक्कत। हथकरघे के धागों की तरह जीवन भी तभी सुंदर बनता है, जब उसे धैर्य और प्रेम से बुना जाता है। वरना उलझे धागों की तरह उलझनें ही रह जाती हैं। यह केवल कपड़े का ताना-बाना नहीं, बल्कि मानवता के बुनियादी मूल्यों का भी करघा है, जो हमें जोड़ता है, संवारता है और हमें हमारी जड़ों से बांधता है।

आज मशीनों की तेज रफ्तार और बाजार की आर्टिफिशियल चमक-धमक के आगे यह धीमा, मेहनत-भरा शिल्प दम तोड़ रहा है। जिस कपड़े में कभी किसान का श्रमजल, बुनकर के हाथों की महक और रंगरेज की आत्मा बसती थी, उसकी जगह अब सस्ते मशीन-निर्मित सिंथेटिक कपड़ों ने बाजार पर कब्जा कर लिया है। कच्चा माल महंगा और बिक्री के रास्ते सीमित हैं, लेकिन परिवर्तन की आहट सुनाई दे रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सरकारी योजनाओं और डिजाइन में आधुनिकता के प्रयोग से ये बुनकर वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं। गलीचे, बैडशीट आदि के निर्यात ने मखदूमपुर को मानचित्र पर चमका दिया है, जो गांव कभी सिर्फ स्थानीय बाजार तक सीमित था, आज उसकी पहचान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर है।

भले ही अमरोहा का हथकरघा विश्व में अपना रंग बिखेर रहा है, लेकिन यदि हमने इस उद्योग को बचाने की कोशिश नहीं की तो केवल करघे का पहिया ही नहीं रुकेगा, बल्कि रुक जाएगी वह सांस्कृतिक धारा, जो हमारी मिट्टी की महक को दुनिया तक पहुंचाती रही है। हथकरघे का संरक्षण असल में केवल कारीगरों की आजीविका का प्रश्न नहीं, बल्कि अपनी विरासत और अपनी जड़ों को बचाने का संकल्प है।

आर्ट गैलरी

अमृता शेरगिल की पेंटिंग 'सुमैर'

इस पेंटिंग को अमृता शेरगिल ने 1936 में बनाया था। इसका शीर्षक है, सुमैर। 'सुमैर' उनकी कलात्मक परिपक्वता का एक शानदार उदाहरण है। यह पेंटिंग उनकी चचेरी बहन सुमैर का एक संवेदनशील और मनमोहक पोर्ट्रेट है। इस कृति में अमृता ने यूरोपीय पोस्ट-इंप्रेशनिस्ट तकनीकों को भारतीय सौंदर्य शास्त्र के साथ मिलाया है।

सुमैर को एक हरे रंग की साड़ी में दर्शाया गया है, जिसकी जीवंतता पृष्ठभूमि के लाल और भूरे रंग के साथ एक प्रभावशाली विरोधाभास पैदा करती है। उनके चेहरे पर चिंतनशील और उदासी के भाव हैं, जो उनकी आंतरिक भावनाओं को बड़ी संजीदगी से व्यक्त करते हैं।

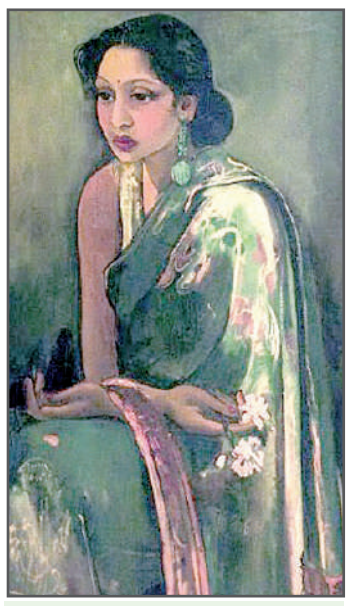

अमृता के बारे में

अमृता शेरगिल भारतीय उमराव सिंह और हंगेरियन मां एनटॉयनेट शेरगिल की बेटी थीं। वो 30 जनवरी 1913 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पैदा हुईं। उनके पिता संस्कृत और फारसी के विद्वान और मां ओपेरा गायिका थीं। कला के प्रति अमृता के रुझान को देखते हुए उनके माता-पिता उन्हें पेरिस ले गए। वहां उन्होंने पेंटिंग की औपचारिक शिक्षा ली। 1934 में पेरिस से भारत लौटने के बाद, अमृता शेरगिल ने अपनी कला को भारतीय वास्तविकता के करीब लाने का प्रयास किया। 'सुमैर' उसी दौर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

-फीचर डेस्क

'लोके उपभोग्यं नाट्यं भवतु।' अर्थात नाटक संसार के लिए आनंद का साधन बने। संसार के किसी भी हिस्से में, किसी भी काल में जब नाट्य विधा का आरंभ हुआ होगा, तो उसका मूल उद्देश्य क्या रहा होगा? क्या नाटक का मूल उद्देश्य केवल संदेश देना रहा होगा या किसी विचारधारा को प्रस्तुत करना? रंगमंच का मूल तो अपने दर्शक की आत्मा से जुड़कर रसों की निष्पत्ति करना है, उसके भीतर के वे सारे भाव, जो समाज द्वारा प्रदूषित कर दिए गए हैं, उनकी शुद्धि करना है।

लव तोमर
रंगकर्मी

रंगमंच का शाश्वत उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना

हाल के वर्षों में नाटक लोगों की राजनीतिक पसंद-नापसंद और उनके निजी एजेंडों पर अधिक निर्भर हो गया है। यह पूरे देश के नाटकों में अनुभव किया जा सकता है। चिंता की बात यह है कि दर्शकों की घटती संख्या पर न तो कोई ध्यान दे रहा है, न ही उसके समाधान पर विचार कर रहा है। नाटक का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक टिप्पणी या सामाजिक संदेश देना मात्र नहीं है। यदि यह साथ में हो पाए तो बहुत अच्छा, लेकिन मूल तो अपने दर्शक के भीतर छिपे भावों को उत्पन्न करना और उसकी आत्मा को स्पर्श करना है।

भारतमुनि का कहना है, "नाट्यं भिन्नरूपं लोकवृत्तानुकीर्तनम्।"अर्थात नाटक मनुष्य के जीवन का अनुकरण है। वहीं अरस्तू का कहना है, नाटक किसी क्रिया का अनुकरण है, जिसका उद्देश्य करुणा और भय के माध्यम से आत्मशुद्धि करना है। दो महान व्यक्ति, जो समय और संस्कृति में पूरी तरह अलग हैं, दोनों एक ही बात कह रहे हैं, "पहले भाव को छुओ, विचार अपने आप जन्म लेंगे।" आजकल नाटकों में हम देखते हैं कि अभिनेता अपने नाटक के लेखक या निर्देशक के निजी विचारों, उनकी राजनीतिक पसंद-नापसंद को अलग-अलग तरीकों से अभिव्यक्त कर रहे होते हैं। इस प्रकार भाव पर विचार हावी हो जाता है।

कैसे खो रहा है आधुनिक रंगमंच रस

प्रासंगिकता की दौड़ में रंगमंच ने अनुभूति को पीछे छोड़ दिया है। आज अनेक नाटक जीवन को दिखाते नहीं, बल्कि समझाते हैं। वे अनुभव की जगह विचार प्रस्तुत करते हैं।

चार कारण जिनसे रस मिटता है –

- थीसिस-ड्रामा- जहां नाटक पहले से ही निष्कर्ष लेकर चलता है।
- उपदेशात्मक लहजा- जहां पात्र मनुष्य नहीं, प्रवक्ता बन जाते हैं।
- विचार-प्रधान लेखन- जहां क्रिया के स्थान पर कथन होता है।
- एक-रस शैली- जहां न लय है, न मौन, न विरोधाभास- केवल सूचना।

दर्शक नाटक से जानकर लौटते हैं, जीकर नहीं और बिना अनुभूति का नाटक, नाटक नहीं- प्रचार है। हमें अपनी कहानियों को कहने की कला के अतीत की ओर लौटना होगा। देखना होगा कि किस तरह कालिदास और शेक्सपियर जैसे महान रचनाकारों ने श्रृंगार, करुण, भय, वीर आदि रसों को साधा या ग्रीक त्रासदियों में कैसे नैतिकता नाटक के अंत में स्वत: प्रकट हो जाती है। या फिर आधुनिक नाटककारों- मोहन राकेश, गिरीश कर्नाड और विजय तेंदुलकर ने अपने पात्रों के जटिल जीवन के माध्यम से भाव उत्पन्न किए, जिन्हें दर्शक अनुभव करता है। यदि कोई संदेश होता है, तो वह स्वत: प्रकट हो जाता है। संदेश को रस के माध्यम से आना चाहिए, न कि रस के स्थान पर। थिएटर का उद्देश्य सही या गलत का निष्कर्ष निकालना नहीं, बल्कि भाव उत्पन्न करना है। भाव के उत्पन्न होने पर दर्शक स्वयं अपने नैतिक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगा। रंगमंच का शाश्वत उद्देश्य है, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना। साझा अनुभव, साझा सांस और साझा हृदय।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,426 .34	25,868 .60
बढ़त	62 .97	25 .45
प्रतिशत में	0 .07	0 .10

सोना 1,28,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने को आरबीआई ने 7.7 अरब डॉलर बेचे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर बेचे। आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन में प्रकाशित अमेरिकी डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब अमेरिकी डॉलर रही जो पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना है। केंद्रीय बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। आरबीआई का घोषित रुख यह है कि वह रुपये-डॉलर विनिमय दर के किसी स्तर या दायरे को लक्षित नहीं करता बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता हो। अगस्त में डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट आई थी।

कोयला आयात घटकर 2.05 करोड़ टन

नई दिल्ली। कोयला आयात अगस्त में सालाना आधार पर मामूली 0.6% घटकर 2.058 करोड़ टन रह गया। कोयला आयात अगस्त 2024 में 2.07 करोड़ टन था। ई-कॉमर्स समाधान प्रदाता एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि में कोयला आयात सालाना आधार पर 12.118 करोड़ टन से घटकर 11.807 करोड़ टन रह गया। अगस्त के कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले की मात्रा 1.155 करोड़ टन और कोकिंग कोयले की 48.2 लाख टन रही। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-अगस्त के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात 7.217 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 2.704 करोड़ टन रहा।

मुंबई शहरी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने को तैयार

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने कहा कि मुंबई महानगरीय क्षेत्र 2047 तक दुनिया की अग्रणी शहरी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरने को तैयार है। उस समय तक एमएमआर का जीडीपी 1,200-1,500 अरब डॉलर और जनसंख्या 3.6 से 3.8 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ की हुई बिक्री

जीएसटी दरों में कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास से इस साल हुई रिकॉर्ड बिक्री

- कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल दिवाली के मौके पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है।

कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं। संगठन के मुताबिक, पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रही थी। मुख्यधारा की खुदरा बिक्री, खासकर गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों का कुल व्यापार में 85% योगदान रहा। यह ऑनलाइन खरीदारी के दौर में छोटे व्यापारियों और भौतिक बाजारों की मजबूत वापसी को दर्शाता है।

क्षेत्रवार बिक्री के मामले में राशन सामग्री और रोजमर्रा के सामान 12, सोना एवं आभूषण 10, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बिजली उपकरण 8, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद 7, रेडिमेड कपड़े 7, उपहार 7 , घरेलू सजावट 5% रहे। इसके अलावा फर्निशिंग एवं फर्नीचर 5, मिठाई और नमकीन 5, कपड़ा एवं वस्त्र चार प्रतिशत, पूजा सामग्री 3 और फल एवं सूखे मेवे 3% भी शामिल हैं।

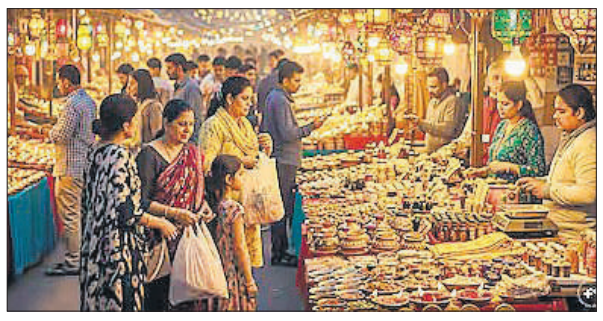

कुल बिक्री आंकड़े

श्रेणी	आंकड़ा	विवरण
इस साल की बिक्री	6.05 लाख करोड़	दिवाली पर बिक्री
उत्पादों की बिक्री	5.40 लाख करोड़	उत्पादों से योगदान
सेवाओं से बिक्री	65,000 करोड़ रुपये	सेवाओं से योगदान
गत वर्ष की बिक्री	4.25 लाख करोड़	2024 दिवाली पर बिक्री

व्यापारियों ने जीएसटी दरों में की गई कटौती को उच्च बिक्री का बताया मुख्य कारण

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि सेवाओं के क्षेत्र ने पैकेजिंग, आतिथ्य, कैब सेवाएं, यात्रा, कार्यक्रम आयोजन, टेंट एवं सजावट, मानव संसाधन और आपूर्ति से 65,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया। रिपोर्ट कहती है कि स्थिर मूल्य ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ाई और उत्सव के दौरान खर्च को प्रोत्साहित किया। दिवाली पर कारोबारी गतिविधियां बढ़ने से 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिसमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का 28 प्रतिशत हिस्सा लिया।

ई-कॉमर्स की बिक्री 24% बढ़ी, क्विक कॉमर्स का जलवा

नई दिल्ली। दिवाली त्योहारी सत्र भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए शानदार रहा, जिसमें मात्रा के लिहाज से बिक्री सालाना 24% बढ़ी और सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 23% की वृद्धि हुई। ई-कॉमर्स क्षेत्र के मंच यूनिकॉमर्स ने यह जानकारी दी। इस दौरान क्विक कॉमर्स एप का वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रहा, जिन्होंने ऑर्डर की मात्रा में सालाना आधार पर 120% की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद ब्रांड वेबसाइट ने 33% की वृद्धि दर्ज की। मार्केटप्लेस प्रमुख चैनल बने रहे, जिनकी कुल खरीदारी में 38% हिस्सेदारी रही और उनका ऑर्डर मात्रा के लिहाज से 8% बढ़ा। यूनिकॉमर्स ने कहा कि ये जानकारियां 2024 और 2025 में 25 दिन तक चलने वाले त्योहारी सत्र के दौरान उसके प्रमुख मंच यूनीवेयर के माध्यम से हुए 15 करोड़ से अधिक लेनदेन पर आधारित हैं।

मुहूर्त सत्र में सेंसेक्स, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी

- नए संवत 2082 की शुरुआत पर विशेष मुहूर्त सत्र का बाजार ने किया आयोजन

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक चढ़कर 84,426.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्च और 84,286.40 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

बीएसई-एनएसई ने नए संवत 2082 की शुरुआत और निवेशकों के लिए नई लेखा पुस्तकों के उद्घाटन पर मंगलवार को पौने दो से पौने तीन तक विशेष मुहूर्त कारोबार सत्र आयोजित किया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42% की वृद्धि हुई। इसके बाद एक्सिस बैंक में 0.80, इन्फोसिस में 0.72, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60, टाटा मोटर्स में 0.55, बजाज फाइनेंस में 0.53 और टाटा स्टील में 0.52% की तेजी दर्ज की गई। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी इंडिया, ट्रेंट लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई मिडकैप 106.95 अंक की बढ़त के साथ 46,787.20 अंक और स्मॉलकैप 486.81 अंक की चढ़कर 53,842.85 अंक पर बंद हुआ। क्षेत्रीय सूचकांकों में, औद्योगिक क्षेत्र 0.53, दूरसंचार 0.51, जिंस 0.47, पूंजीगत वस्तुओं 0.40, सेवाओं में 0.38 और धातु 0.37% बढ़ा।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 3% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में मासिक आधार पर घटकर 3 प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है लेकिन मासिक आधार पर इसमें सुस्ती दर्ज की गई है।

अगस्त में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 6.5% बढ़ा था, जबकि पिछले साल सितंबर में यह वृद्धि 2.4% दर्ज की गई थी। सितंबर में इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन माह में सबसे कम रही। इसके पीछे कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादन एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में आई नरमी की अहम भूमिका रही। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में धीमी होकर क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत रह गई जबकि सितंबर, 2024 में यह क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, इस्पात और बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमशः 14.1 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। पिछली वर्ष की समान अवधि में यह 4.3 प्रतिशत थी। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर प्रभाव पड़ता है। दरअसल आईआईपी में शामिल वस्तुओं के भारांक में इन प्रमुख उद्योगों का योगदान 40.27 प्रतिशत है।

अमेरिकी पारगमन शुल्क से भारत होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका द्वारा लगाए 40% पारगमन शुल्क से भारत और आसियान क्षेत्र की कंपनियों के लिए अनुपालन से जुड़ी बड़ी दिक्कतें पैदा होने और मशीनरी, बिजली उपकरण एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों पर इसका खास असर पड़ने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 जुलाई को उन वस्तुओं पर 40% शुल्क लगाने की घोषणा की थी जिन्हें शुल्क से बचने के लिए तीसरे देश के रास्ते भेजा गया हो। यह व्यापक देश-स्तरीय शुल्कों के अतिरिक्त होगा। मूडीज ने मंगलवार को 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार' पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप प्रशासन 'पारगमन' को किस तरह परिभाषित करेगा। लेकिन इस कदम के निशाने पर चीन में उत्पादित ऐसी वस्तुएं हैं जो तीसरे देशों के जरिये अमेरिका भेजी जाती हैं। पारगमन शुल्क से जुड़ी अस्पष्टता आसियान देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए जोखिम पैदा करती है। यदि अमेरिका इस परिभाषा को सीमित रखता है और केवल चीन से आयातित, प्रसंस्कृत या दोबारा लेबल लगाकर भेजी वस्तुओं को शामिल करता है तो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं पर इसका असर सीमित रहेगा। वहीं, यदि अमेरिका व्यापक व्याख्या अपनाता है और उन वस्तुओं को शामिल करता है जिनमें चीनी सामग्री का अंश है, तो इससे एशिया-प्रशांत आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर आर्थिक नुकसान हो सकता है।

- 40% शुल्क से आसियान क्षेत्र की कंपनियों को होगी बड़ी दिक्कतें होंगी
- मूडीज ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट की प्रस्तुत

मूडीज ने कहा कि यह शुल्क आसियान के निजी क्षेत्र के लिए बड़ी अनुपालन चुनौतियां खड़ी करेगा। निर्यातकों को शुल्क से बचने के लिए उत्पादों का महत्वपूर्ण रूपांतरण साबित करने में अतिरिक्त सतर्कता और प्रमाणन शर्तों का सामना करना पड़ेगा। पारगमन जोखिमों का सबसे अधिक सामना मशीनरी, बिजली उपकरण, उपभोक्ता ऑप्टिकल उत्पादों और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों को करना पड़ सकता है।

राष्ट्रीय

सेना-पुलिस का एक ही मिशन, राष्ट्र की रक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा - समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं

- पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर केंद्रीय मंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि एक ओर जहां सीमाओं पर अस्थिरता है, वहीं समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सिंह ने यह भी कहा कि सेना और पुलिस अलग-अलग मोर्चों पर कार्य करते हैं लेकिन उनका मिशन एक ही है - राष्ट्र की रक्षा करना।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लिए राष्ट्र की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा में संतुलन बनाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

इस कार्यक्रम के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त परेड आयोजित की गई। वर्तमान चुनौतियों पर रक्षा मंत्री ने कहा कि अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है तथा इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कमजोर करना तथा राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है। सिंह ने अपराध रोकने की अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के नैतिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और पुलिस पर भरोसा है। यही भरोसा हमारे देश की स्थिरता की नींव है। नक्सली समस्या पर सिंह ने कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के ठोस और संगठित प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ कि समस्या बढ़े नहीं और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने राहत की सांस ली। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि अगले वर्ष मार्च तक नक्सल समस्या समाप्त हो जाएगी। सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के कारण यह समस्या अब इतिहास बनने की कगार पर है। कई शीर्ष नक्सलियों का सफाया हो गया है। जो पहले हथियार उठाते थे, वे अब आत्मसमर्पण कर रहे हैं और विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भारी कमी आई है। जो इलाके कभी लाल गलियारे के नाम से जाने जाते थे, वे अब विकास के गलियारों में तब्दील हो गए हैं। सिंह ने कहा कि लंबे समय तक एक राष्ट्र के रूप में हमने पुलिस के योगदान को पूरी तरह से मान्यता नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमारे पुलिस बलों की स्मृतियों को सम्मानित करने के लिए 2018 में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना की। पुलिस को अत्याधुनिक हथियार और बेहतर सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अब उनके पास निगरानी प्रणाली, ड्रोन, फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुलिसिंग जैसे आधुनिक साधन हैं। स्मृति दिवस हर साल सीआरपीएफ के उन 10 जवानों की याद में मनाया जाता है, जो 1959 में इसी दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए थे।

कांस्टेबल हत्याकांड के आरोपी की मौत पर डीजीपी को नोटिस

हैदराबाद। निजामाबाद जिले में कांस्टेबल की चाकू मारकर हत्या किए जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में हुई आरोपी की मौत पर तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (एचआरसी) ने मंगलवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आरोपी की मौत से जुड़े हालात पर विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने उन खबरों का संज्ञान लिया जिनमें कहा गया था कि शेख रियाज (24) को सोमवार को पुलिस ने उस समय गोली मार दी जब उसने एक सरकारी अस्पताल में एक पुलिसकर्मी से कथित तौर पर पिस्तौल छीनकर उस पर हमला करने की कोशिश की थी। वाहन चोरी के एक मामले में शामिल शेख रियाज ने दोपहिया वाहन पर उसे ले जाते समय कांस्टेबल प्रमोद (उम्र लगभग 40-45 वर्ष) के सीने पर चाकू से हमला किया था।

बंगाल : महिला चिकित्सक का हाथ मरोड़ा और मारे थप्पड़ दुष्कर्म करने की दी धमकी

कोलकाता, एजेंसी

- चिकित्सक की शिकायत पर यातायात होमगार्ड और उसका पड़ोसी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक जूनियर महिला डॉक्टर को एक यातायात होमगार्ड और उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर दुष्कर्म की धमकी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कथित घटना सोमवार को उलूबेरिया में स्थित एक अस्पताल में घटी। इसके बाद पीड़ित डॉक्टर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि खरिया मायनापुर की एक गर्भवती महिला को सोमवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नियमित जांच के दौरान जूनियर डॉक्टर रोगी की जटिल स्थिति के कारण उसकी पूरी तरह जांच नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि परीक्षण के बाद महिला रोगी के रिश्तेदार होमगार्ड और दो अन्य ने उसकी हालत के बारे में पूछा और उनमें कहासुनी हो गई। अधिकारी के मुताबिक, डॉक्टर को कथित तौर पर थप्पड़ मारा गया, उसकी बांह मरोड़ी गई और गाली-गलौज भी की गई। आरोपियों ने महिला चिकित्सक को दुष्कर्म करने की धमकी भी दी। हमने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच की जा रही है।

विदेशी आतंकियों को मार गिराने का कर रहे प्रयास : आईजीपी

जम्मू, एजेंसी

जम्मू संभाग में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने का दावा करते हुए एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि घने जंगलों में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है और उन्हें मार गिराने के प्रयास जारी है।

जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने कहा कि आतंकवादी और अपराधी सुरक्षा तंत्र को तोड़ने के प्रयास में ड्रोन जैसी तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां उनसे दो कदम आगे हैं। टूटी ने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर कर्मियों को पुलिस स्मृति दिवस पर जम्मू रेलवे स्टेशन के पास पुलिस शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। जम्मू पुलिस प्रमुख ने कहा कि दो साल से विदेशी आतंकवादी (जम्मू में) एक बड़ी चुनौती रहे हैं। लेकिन हम अपने आतंकवाद-रोधी अभियान और सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। जल्द हम विदेशी आतंकियों को मार गिराने में सक्षम होंगे। जम्मू क्षेत्र में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए जाते हैं।

- प्रतिदिन चल रहे 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान

तमिलनाडु में बारिश 8 जिलों में रेड अलर्ट स्टालिन ने की समीक्षा

चेन्नई। तमिलनाडु में क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। वहीं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये।

स्टालिन ने उन जिलों में निगरानी अधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारियों को तैनात करने का निर्देश भी दिया, जहां भारी बारिश की चेतावनी है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव निम्न क्षेत्र में तब्दील हो ग या है। खाड़ी के ऊपर वायु चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से आज सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पश्चिम भाग में निम्न दबाव का क्षेत्र बना। यह सुबह 8:30 बजे उसी क्षेत्र में एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया।

बेटे की मौत के बाद पूर्व डीजीपी और उनकी पत्नी पर मुकदमा

चंडीगढ़, एजेंसी

- हरियाणा पुलिस ने दर्ज की चार आरोपियों के खिलाफ हत्या व साजिश की प्राथमिकी

हरियाणा पुलिस ने पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा के बेटे की मौत के सिलसिले में उनके और उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुस्तफा की पत्नी रजिया पंजाब की पूर्व मंत्री हैं।

चारों व्यक्तियों के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मुस्तफा और पंजाब की पूर्व मंत्री सुल्ताना के 35 वर्षीय बेटे अकील अख्तर की गुरुवार को हरियाणा के पंचकूला में मौत हो गई थी। शमशुद्दीन नाम के व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई प्राथमिकी के अनुसार, अख्तर की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। पंचकूला पुलिस ने बताया कि मुस्तफा, सुल्ताना और अख्तर की बहन पर मुकदमा दर्ज हुआ है। पंचकूला की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सृष्टि गुप्ता के अनुसार, 16 अक्टूबर को पंचकूला के सेक्टर-4, एमडीसी निवासी अख्तर अपने घर पर मृत पाए गए। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और उनका बयान दर्ज किया गया। शुरुआत में साजिश का संदेह नहीं था और पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। हरियाणा पुलिस के अनुसार डीसीपी ने कहा कि इसके बाद कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो सामने आए, जो अख्तर ने मौत से पहले बनाए थे। इनमें अख्तर ने विवाद और जान को खतरे की आशंकाओं का आरोप लगाया था।

लालू पर नीतीश ने साधा निशाना, कहा- सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

- मुजफ्फरपुर की चुनावी सभा में राजद पर किया हमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्होंने सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया तथा चारा घोटाले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद पद छोड़ने की नौबत आई तो पत्नी राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया।

जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष कुमार ने मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहली चुनावी सभा में राजद अध्यक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद के साथ दो बार हुए गठबंधन के अनुभव से वह निराश हो गए और अब राजग के साथ स्थायी रूप से बने रहने का संकल्प लिया है। महिला सशक्तीकरण पर कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने बड़े पैमाने पर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए हैं और हाल ही में शुरू की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 1 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक को 10,000 की राशि भेजी गई है। उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग पहले सत्ता में थे, क्या उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ किया? उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं थी।

महिला प्रत्याशी को पहना दी माला

पटना/मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा के दौरान महिला उम्मीदवार को माला पहनाने पर जोर देकर और रोकने की कोशिश करने वाले करीबी सहयोगी को डांटकर अपने स्वास्थ्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया। कुमार ने चुनाव अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र से की। इस दौरान वह जद(यू) प्रत्याशी अजय कुशवाहा का नाम गलत लेने और औराई सीट से भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद के नाम के आगे श्री जोड़ देने पर भी चर्चा में रहे।

वर्ल्ड ब्रीफ

चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में ई स्कूटरों पर प्रतिबंध

प्राग। चेक गणराज्य की राजधानी प्राग अगले साल इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर प्रतिबंध लगाएगा, जिससे यह पर्यटकों के अनुकूल परिवहन वाला नवीनतम यूरोपीय शहर बन जाएगा। नगर पार्षदों ने सोमवार को एक नया उपाय अपनाया जो साझा परिवहन नियमों में बदलाव करेगा और यह तय करेगा कि चेक गणराज्य की राजधानी में पैडल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह की साइकिलें पार्क की जा सकती हैं। साझा ई-स्कूटरों को नियमों से हटा दिया गया है, जिससे जनवरी 2026 से इन तक पहुंच समाप्त हो जाएगी। राष्ट्रीय पाइरेट पार्टी के अध्यक्ष और शहरी परिवहन के प्रभारी उप महापौर जेडेनेक ह्रीब ने सोशल मीडिया पर कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटरों के अंत को मंजूरी मिल गई है।

लीबिया : नकदी की कमी को लेकर केंद्रीय बैंक के गवर्नर तलब

त्रिपोली। लीबियाई प्रतिनिधि सभा ने नकदी की कमी से जूझ रहे लीबिया को उबारने के लिए केंद्रीय बैंक के गवर्नर को तलब करने का फैसला लिया है। संसद ने सर्वसम्मति से केंद्रीय बैंक के गवर्नर नागी इस्सा, उनके डिप्टी गवर्नर और निदेशक मंडल को बैंक की नीतियों और नकदी की कमी पर चर्चा करने के लिए अगले सत्र में शामिल होने के लिए बुलाने का फैसला किया। सत्र की कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है। प्रथम उपसभापति फावजी अल-नुवैरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय बैंक की नवीनतम रिपोर्ट की समीक्षा की गई। संसद का यह फैसला त्रिपोली स्थित बैंक की आलोचना के बीच आया है, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि मौजूदा नकदी संकट में बैंक की अहम भूमिका है।

युद्धविराम होने के बाद आंशिक रूप से फिर खोला गया चमन बॉर्डर

कराची। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद दोनों देशों के बीच स्थित चमन बॉर्डर आंशिक रूप से फिर से खुल गया है। सीमा पर कई दिनों तक हुई हिंसक झड़पों में दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए थे। कई अफगान परिवारों ने सोमवार को बलूचिस्तान प्रांत में दक्षिण-पश्चिमी सीमा पार करना शुरू कर दिया जबकि अफगानिस्तान जाने वाले कई कंटेनर वाहनों की आवाजाही भी हुई। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष शुरू होने पर चमन बॉर्डर सील कर दिया गया था जिससे कराची बंदरगाह से माल ले जा रहे लगभग 400 कंटेनर वाहन सीमा पर फंस गए थे। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर भी ऐसी ही स्थिति देखी गई जहां पाकिस्तान आने वाले कंटेनर वाहन फंस गए थे।

एच1बी वीजा : स्टेटस बदलवाने या प्रवास अवधि बढ़वाने पर शुल्क नहीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने जारी किए दिशा-निर्देश**

अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाया गया एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने स्टेटस में बदलाव कराना चाहते हैं या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की ओर से सोमवार को जारी दिशानिर्देशों में कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के राष्ट्रपति ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है। इसके तहत नए एच1-बी वीजा के लिए शुल्क बढ़कर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। यूएससीआईएस ने कहा, यह आदेश पहले जारी किए गए और वर्तमान में मान्य एच-1बी वीजा, या 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे से पहले जमा किए गए किसी भी आवेदन पर लागू नहीं होगा। इस आदेश में किसी मौजूदा एच1-बी धारक के अमेरिका में आने-जाने पर रोक नहीं है। यह आदेश 21 सितंबर 2025 को रात 12:01 बजे या उसके बाद किए गए स्टेटस बदलने या प्रवास की अवधि बढ़वाने के आवेदन पर भी लागू नहीं होगा यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क स्टेटस में परिवर्तन के मामलों पर लागू नहीं होता है, जहां व्यक्ति देश छोड़े बिना ही श्रेणी बदल लेता है।

58 साल के खूनी इतिहास के बाद

खात्मे की ओर नक्सलवाद

नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव में किसान विद्रोह के रूप में हुई थी। यह शुरुआत चारु मजूमदार और कानू सान्याल जैसे नेताओं ने की थी, जो जमींदारों के उत्पीड़न और भूमि सुधारों की कमी से पैदा हुई आर्थिक व सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे थे। यह आंदोलन माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित था, इसी कारण इसे नक्सली-माओवादी विद्रोह के रूप में जाना जाता है। समय के साथ यह आंदोलन कई समूहों में विभाजित हो गया, इसका मुख्य लक्ष्य सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से एक साम्यवादी राज्य स्थापित करना था। करीब 58 साल रक्तपात की बेशुमार घटनाओं के बाद अब यह हिंसक आंदोलन अपने ढलान पर है। सरकार का दावा है कि 2026 तक देश में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- साठ के दशक में भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक भूमि व्यवस्था जारी थी। अधिकांश जमीन कुछ जमींदारों के पास थी, जो भूमिहीन किसानों का शोषण करते थे।
- भुखमरी से जूझ रहे किसानों ने एक जमींदार के अनाज भंडार पर छापा मारा, जिस पर पुलिस के साथ उनकी हिंसक झड़प हुई, इसमें कई किसान मारे गए थे।
- इस घटना के बाद 1967 में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी, खारीबाड़ी और फांसीदेवा क्षेत्रों में नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई थी।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी नेता चारू मजूमदार, कानू सान्याल, जंगल संथाल के नेतृत्व में किसानों ने जमींदारों के खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया।

नक्सलवाद का फैलाव

- 1970 के दशक में यह आंदोलन पश्चिम बंगाल से निकलकर आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में फैल गया।
- इन क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक-आर्थिक असमानता और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी भीषण समस्याओं ने नक्सलवाद को पनपने में काफी मदद की।
- सरकार ने 1971-72 में नक्सली गतिविधियों को दबाने के लिए ऑपरेशन स्टीपलचेज के नाम से बड़ा सैन्य अभियान चलाया लेकिन नक्सलवाद का खात्मा नहीं कर सका।

प्रमुख घटनाएं

- वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ के बस्तर में 300 विद्रोहियों ने 55 पुलिसकर्मियों को मार डाला था।
- वर्ष 2010 में कोलकाता से मुंबई जा रही एक ट्रेन में 150 से ज्यादा यात्रियों की हत्या कर दी गई थी।
- 2011 में पश्चिम बंगाल के सिल्दा कैंप पर हमले में 24 जवान और दंतेवाड़ा में 76 जवान शहीद हुए।

आंदोलन का चरम

- 1980 से 2010 के दशक तक यह आंदोलन आंध्र प्रदेश के तिरुपति से नेपाल तक फैलकर 200 से अधिक जिलों में सक्रिय हो गया।
- इस बीच पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में सर्वाधिक हिंसक घटनाएं हुईं।

इन कारणों से बढ़ा

- स्वतंत्रता बाद भी बड़े पैमाने पर भूमि कुछ लोगों के हाथ में होना, भूमिहीनों की बड़ी संख्या।
- सरकार की ग्रामीण भारत में कृषि को संगठित करने में विफलता, गरीबी और बेरोजगारी बढ़ी।
- प्राकृतिक संसाधनों पर दबंगों के कब्जे, अपने हक छीन लेने से आदिवासियों में असंतोष।
- सरकार की आर्थिक नीतियों से पैदा असमानता गरीबी ने लोगों को आंदोलन की ओर धकेला।

क्षीण होने की शुरुआत

- वर्ष 2014 के बाद से सरकार की नीतियों और सुरक्षा अभियानों के कारण कमी आई है।
- नक्सल प्रभावित क्षेत्र 18,000 वर्ग किमी से घटाकर 11 जिलों तक सीमित कर दिया गया।

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं

आठ देशों के नेताओं ने यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे का किया विरोध

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय संघ के नेताओं ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों में देरी करने का आरोप लगाया और ऐसे किसी भी कदम का विरोध किया जिसमें शांति के बदले कीव को रूसी सुरक्षा बलों द्वारा कब्जा की गई भूमि को सौंपने की बात हो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में कई मौकों पर यह सुझाव दे चुके हैं।

यूरोप के आठ नेताओं और यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे कीव को युद्ध जीतने में मदद करने के लिए रूस के अरबों यूरो की विदेश में जब्त संपत्तियों का उपयोग करने की योजना पर आगे बढ़ने का विचार बना रहे हैं। हालांकि, इस तरह के कदम की वैधता और परिणामों को लेकर कुछ आशंकाएं हैं। बयान में यूक्रेन में ट्रंप के शांति प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया। ट्रंप आने वाले सप्ताह में हंगरी के बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले हैं। बयान में यह भी बताया गया कि सभी नेता इस सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए।

ट्रंप ने अपने रुख से पलटते हुए पिछले महीने कहा था कि यूक्रेन को जमीन छोड़नी होगी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यूक्रेन वह सारा इलाका वापस जीत सकता है, जो उसने रूस के हाथों गंवाया है। पिछले सप्ताह पुतिन के साथ फोन पर बातचीत और उसके बाद शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने अपना रुख फिर से बदल दिया और कीव व मॉस्को से युद्ध को जहां हैं, वहीं रोकने का आह्वान किया। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा युद्ध जारी है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्हें लगता है कि यूक्रेन अंततः रूस को हरा सकता है, लेकिन अब उन्हें इस बात पर संदेह है कि ऐसा होगा।

यूक्रेन और यूरोपीय नेता ट्रंप को अपने पक्ष में रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बयान के मुताबिक, हम राष्ट्रपति ट्रंप के इस रुख का पुरजोर समर्थन करते हैं कि युद्ध तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए और मौजूदा संपर्क रेखा ही बातचीत का शुरुआती बिंदु होनी चाहिए। हम सभी देख सकते हैं कि पुतिन हिंसा और विनाश को चुन रहे हैं।

ठंड में यूक्रेन में पैदा हो सकता है भीषण बिजली संकट

शोस्त्का। यूक्रेन पर रूस के युद्ध का असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। युद्ध को लेकर रूस जहां अपनी रणनीति बदल रहा है, वहीं आम लोगों को यह फिक्र सता रही है कि इस बार की ठंड भी बिजली संकट के बीच बीतेगी। दरअसल, रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संस्थानों पर अपने हमले का अभियान तेज कर दिया है। खासकर पूर्व में सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में जेनरेटर के चलने और अंधकार और पानी की कमी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। रूस की ओर से सैकड़ों ड्रोन दागे जाने के कारण ये हमले और भी ज्यादा प्रभावी हो गए हैं और हवाई सुरक्षा को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, खासकर उन इलाकों में जहां सुरक्षा कमजोर है। इसके नतीजे पहले से ही रोजमर्रा की जिंदगी को बदल रहे हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनका जीवन बिजली पर निर्भर है।

- शोस्त्का के मेयर मायकोला नोहा ने कहा, स्थिति चुनौतीपूर्ण है। बिजली और पानी अब एक निश्चित समय पर दिन में कुछ घंटों के लिए उपलब्ध है। यह लोगों के लिए वाकई चिंता का विषय है, क्योंकि हम बिजली कटौती का पूर्वानुमान नहीं लगा सकते। हम कुछ ठीक करते हैं और वह फिर से खराब हो जाता है। यही हमारी स्थिति है।

रूसी खुफिया प्रमुख का नाटो पर युद्ध की तैयारी का आरोप

व्लादिवोस्तोक। रूसी विदेश खुफिया सेवा के निदेशक सर्गेई नारिश्किन ने कहा है कि नाटो रूस के साथ युद्ध के लिए तेजी से संसाधनों को जुटा रहा है। वह उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित स्वतंत्र राज्यों की एक बैठक में बोल रहे थे। नारिश्किन का बयान खुफिया सेवा की वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित किया गया। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से नाटो के यूरोपीय सदस्यों को रूस के साथ युद्ध की तैयारी करते देख रहे हैं। इसके लिए नियुक्त नाटो सहयोगी प्रतिक्रिया बल को सभी आवश्यक संसाधन शीघ्रता से उपलब्ध कराने का कार्य निर्धारित किया गया है। नारिश्किन ने कहा कि यूरोपीय देश अपने रक्षा उद्योगों के विस्तार के साथ नियमित अभ्यास कर रहे हैं और रूसी खतरे के प्रचार को बढ़ा रहे हैं। यूरोपीय नाटो सदस्यों के पास महाद्वीप की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक योजनाएं नहीं हैं। उन्होंने फ्रांस और जर्मनी पर रूसोफोबिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

नया गठबंधन अब भी संसद के दोनों सदनों में बहुमत से कम है और किसी भी विधेयक को पारित करने के लिए अन्य विपक्षी दलों का समर्थन लेना होगा, जो उनकी सरकार को अस्थिर और अल्पकालिक बना सकता है।

साने ताकाइची बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

- **एलडीपी की हार के बाद तीन माह से छाया गतिरोध हुआ खत्म**

टोक्यो। जापान की संसद ने मंगलवार को अति रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इस घटनाक्रम से एक दिन पहले 64 वर्षीय ताकाइची की संघर्षरत 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' ने एक नए सहयोगी दल के साथ गठबंधन समझौता किया, जिससे उनके सत्तारूढ़ गठबंधन के और अधिक दक्षिणपंथी होने की उम्मीद है।

ताकाइची ने शिगेरु इशिबा का स्थान लिया, जिससे जुलाई में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी चुनावी हार के बाद तीन महीने से जारी राजनीतिक गतिरोध खत्म हो गया। प्रधानमंत्री के रूप में केवल एक वर्ष तक सेवा देने वाले इशिबा ने मंगलवार को मंत्रिमंडल सहित इस्तीफा दे दिया, जिससे ताकाइची के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हुआ। निचले सदन में हुए मतदान में ताकाइची को 237 वोट मिले, जो बहुमत से चार अधिक हैं जबकि 'कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान' के प्रमुख योशिको नोडा को 149 वोट मिले। परिणाम घोषित होने पर ताकाइची खड़ी हुईं और उन्होंने झुककर सभी का अभिवादन किया। एलडीपी का ओसाका स्थित दक्षिणपंथी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन नो काई) के साथ गठबंधन ने ताकाइची की जीत सुनिश्चित की, क्योंकि विपक्ष एकजुट नहीं था।

निकोलस सारकोजी 5 साल की सजा काटने जेल पहुंचे

पेरिस। पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी अपने 2007 के चुनाव अभियान के लिए आपराधिक षडयंत्र के तहत लीबिया से धन प्राप्त करने के जुर्म में पांच वर्ष की सजा काटने मंगलवार को पेरिस की जेल में पहुंच गए। वह आधुनिक फ्रांस के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें जेल भेजा गया है।

सारकोजी पत्नी कार्ला ब्रूनी का हाथ थामे हुए घर से निकले और ला सांते जेल पहुंचने के लिए कार में बैठे। जेल जाते समय सारकोजी ने कहा, एक निर्दोष को जेल में डाला जा रहा है। पिछले महीने अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। सारकोजी ने अपील लंबित रहने के दौरान जेल भेजने के जज के निर्णय को चुनौती दी है। राष्ट्रपति आवास एलिसी पैलेस से ला सांते जेल तक के अब तक के उनके सफर ने पूरे फ्रांस को झकझोर दिया है। जेल में दाखिल होने से पहले सारकोजी पत्नी के साथ बच्चों और नाती-पोतों से मिलने घर के बाहर निकले। उन्होंने बाहर समर्थकों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और कार में बैठ गए। सैकड़ों समर्थकों ने तालियां बजाईं और 'निकोलस, निकोलस' के नारे लगाए।

पेरिस की अदालत ने आदेश दिया है कि सारकोजी अपील सुने जाने की प्रतीक्षा किए बिना सजा शुरू करें क्योंकि अपराध से सार्वजनिक व्यवस्था में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। अदालत के आदेश के अनुसार, 70 वर्षीय सारकोजी जेल में दाखिल होने के बाद ही अपनी रिहाई के लिए अपीलीय अदालत में आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण खनिज : अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ किया 8.5 अरब डॉलर का सौदा

वाशिंगटन, एजेंसी

- **ट्रंप ने चीन पर कसा तंज, कहा- एक साल बाद बेकार हो जाएंगे आपके महत्वपूर्ण खनिज**

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने चीन के एकाधिकार को तोड़ने के लिए सोमवार को महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौता किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने व्हाइट हाउस में समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसे सहयोगियों के बीच 8.5 अरब डॉलर (7.3 अरब यूरो) का सौदा बताया।

ट्रंप ने चीन के एकाधिकारवादी मानसिकता पर तंज कसते हुये कहा, लगभग एक साल बाद हमारे पास इतने महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा खनिज होंगे कि आपको समझ नहीं आएगा कि उनका क्या करें। उनकी कीमत दो डॉलर होगी। वहीं अल्बानीज ने संतुलित रुख अपनाते हुए कहा कि यह समझौता अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को अगले स्तर पर ले जाएगा।

इस महीने के शुरू में बीजिंग ने घोषणा की थी कि विदेशी कंपनियों को चीन से आने वाले या चीनी तकनीक से उत्पादित दुर्लभ मृदा पदार्थों की थोड़ी सी भी मात्रा के निर्यात के लिए चीनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे चीन को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक शक्ति प्राप्त हो जाएगी। इस समझौते को ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के बाजार में चीनी प्रभुत्व का मुकाबला करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

अंधकार पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है दिवाली: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली पर शुभकामनाएं देते हुए इस त्योहार को अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण बताया।

ट्रंप ने सोमवार को एक बयान में कहा, आज मैं रोशनी के पर्व दिवाली मना रहे हर अमेरिकी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, कई अमेरिकियों के लिए दिवाली, अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है। यह जश्न मनाने, उम्मीद से ताकत हासिल करने और नई चीजों को पूरे जोश से अपनाने और परिवारों व दोस्तों को एक साथ लाने का भी समय है। उन्होंने कहा, लाखों नागरिक दीये जलाते हैं और हम इस शाश्वत सत्य में आनंदित होते हैं कि अच्छाई की हमेशा बुराई पर विजय होती है। दिवाली मनाने वाले प्रत्येक अमेरिकी के लिए, ईश्वर करे कि यह त्योहार समृद्धि, आशा और शांति लाए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

युद्धविराम पर मंडराते खतरे के बीच इजराइल पहुंचे वेंस

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मंगलवार को इजराइल पहुंचे, ताकि कमजोर होते युद्धविराम समझौते को मजबूती दी जा सके। पिछले कुछ दिनों में हिंसा बढ़ने के बाद लागू युद्धविराम और दीर्घकालिक शांति योजना पर सवाल उठने के बाद यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इसी बीच, इज़राइल ने मंगलवार को कहा कि उसने एक बंधक के शव की पहचान की है जिसे फिलिस्तीनी चरमपंथियों ने रात में छोड़ा था। दूसरी ओर चरमपंथी समूह हमास के प्रमुख वार्ताकार ने कहा है कि समूह इजराइल के साथ संघर्ष विराम समझौते को बरकरार रखने पर कायम है। व्हाइट हाउस के दो शीर्ष दूतों के बाद पहुंचे वेंस बृहस्पतिवार तक यहीं रहेंगे। उनके साथ उनकी पत्नी ऊषा वेंस भी हैं।

वह इजराइली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। वह यरुशलम में एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे और उनके उन बंधकों के परिवारों से भी मिलने की संभावना है, जिनके शव अब भी गाजा में हैं। साथ ही पिछले महीने चरमपंथियों द्वारा रिहा किए गए बंधकों से भी मुलाकात कर सकते हैं। इजराइल ने पुष्टि की कि हमास ने ताल हैमी (42) के शव को लौटाया है, जो सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में मारे गए थे। हैमी का किब्बुत्ज़ निर यित्ज़हाक से अपहरण किया गया था और उनके चार बच्चे हैं, जिनमें एक का जन्म हमले के बाद हुआ। इजराइल समझौते के तहत 15 शेष बंधकों के शव सौंपे जाने की प्रतीक्षा कर रहा है।

- **नेतन्याहू से करेंगे मुलाकात, मृत बंधकों के परिवारों से भी मिलेंगे**

हमास के शांत रहने तक सैन्य कार्रवाई नहीं: इजराइल

यरूशलम। इजराइल ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह शांति समझौते का पालन करता रहेगा तब तक इजराइली सैन्य बल कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इजराइल की यह चेतावनी हमास की ओर से सभी मृत बंधकों के अवशेष लौटाने में देरी के बाद आई है। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, हमास खेल खेल रहा है, वे और शवों को लौटा सकते हैं, लेकिन हम देख रहे हैं कि वे लौटाने में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमास शवों को लौटाने में किसी तरह की देरी करता है तो इजराइल जरूर कोई कदम उठायेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 20.16 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

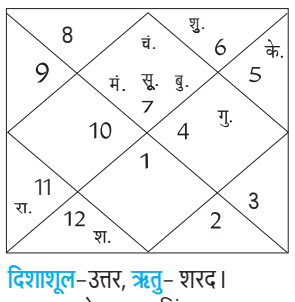

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 23 अक्टूबर 01.52 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज व्यवसाय में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी को पर्याप्त समय दें। रिलेशनशिप को लेकर समस्या दूर होगी। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर चर्चा का आनंद लेंगे। परिजनों का पूरा समर्थन मिलेगा।

वृष — आज आप आराम करने का विचार बनाएंगे। रचनात्मक अभिरुचियों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में बॉस आपकी प्रशंसा करेंगे। मनचाहा काम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा।

मिथुन — आज अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। पेट में जलन की परेशानी हो सकती है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। मन में अज्ञात भय परेशान कर सकता है। समय का दुरुपयोग करने के कारण अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं।

कर्क — आज अपने शौक को पूरा करने में तत्पर रहेंगे। प्रेमीजन के प्रति अविश्वास न रखें। आपके व्यक्तित्व में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं। पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह — आज आपकी नेतृत्व योग्यता की प्रशंसा होगी। कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे। अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा।

कन्या — आज घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। मानसिक तनाव में कमी आएगी। किसी जरूरी काम को निपटाने का दबाव रहेगा। करियर में उच्च पद प्राप्त होगा। कला जगत से जुड़े लोगों की प्रशंसा होगी।

तुला — आज महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। परेशानियों का हल ढूंढने में लगे रहेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। नव विवाहित लोग कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपको बुरे सपने परेशान कर सकते हैं। आपको अति स्पष्टवादी बयान देने से बचना चाहिए। परिवार का वातावरण अत्यंत सहयोगात्मक रहेगा। आप दिखावे में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। बजट का ध्यान रखकर ही कोई काम करें।

धनु — आज आप अनुशासन को अत्यधिक महत्व देंगे। संतान की उन्नति से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन से अपने मन के मनोभावों को व्यक्त कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखें। बड़े भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर — आज पूरा दिन स्वयं को तरोताजा महसूस करेंगे। सकारात्मक रवैया अपनाने के कारण आपके सभी काम समय पर हो जाएंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ आपका तालमेल शानदार रहेगा।

कुंभ — आज कानूनी मामले उलझने के योग बन रहे हैं। किसी से शत्रुता मोल न लें। विदेश यात्रा के दौरान कठिनाइयां आएंगी। रिश्तेदारों की बातें आपको बुरी लग सकती हैं। बिना जांच-परख के किसी अजनबी से मित्रता न करें।

मीन — आज मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। सहकर्मियों के साथ आपको अपने संबंध खराब नहीं करना चाहिए। दांपत्य जीवन में कुछ विघ्नता रहेगी। प्रियजनों का व्यवहार आपको दु:ख पहुंचा सकता है।

सुडोकू-137

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	5	4				
2	3				9			
4				6				
8			9					
	7						5	
			1		7			
	1			9		6		4
	9		4					8
5				3	2	7		

सुडोकू - 136 का हल

4	5	8	3	1	6	2	9	7
9	3	1	5	7	2	6	8	4
6	7	2	4	9	8	1	5	3
7	2	9	8	6	3	5	4	1
1	8	5	2	4	9	7	3	6
3	6	4	7	5	1	8	2	9
2	9	3	1	8	7	4	6	5
8	4	7	6	3	5	9	1	2
5	1	6	9	2	4	3	7	8

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। हमारी टीम वास्तव में बहुत अच्छी है पर हम अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए।
-अटापट्टू, श्रीलंका की कप्तान

स्टेडियम

मुरादाबाद, बुधवार 22 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रिजवान की जगह शाहीन कप्तान

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को अपनी वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जो मुहम्मद रिजवान की जगह लेंगे। पीसीबी ने सोमवार को कहा कि शाहीन चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुक्केबाजी टीम बहरीन रवाना

नई दिल्ली : भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए मनामा, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने 43 पदक जीते थे और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया था।

भारतीय एथलेटिक्स टीम रांची पहुंची

रांची : भारतीय एथलेटिक्स दल का पहला जत्था 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्थित प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली दक्षिण एशियाई सैफ सीनियर चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गया। धावक प्रणव गुरव, उत्तम पाटिल और अर्नव टाकलकर अपने कोच के साथ सबसे पहले पहुंचे, जिससे तीन दिवसीय महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारतीय अभियान की तैयारी की शुरुआत हुई। भारत का 92 सदस्यीय दल इस प्रतियोगिता में भाग लेगा। वक प्रणव ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा व्यवस्था बहुत अच्छी है। मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हूं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली हुईं बाहर

इंदौर : आस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडली की चोट के कारण बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप मैच में नहीं खेल पाएंगी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्रा कप्तानी करेंगी। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी। आस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निश्चेके ने मंगलवार को मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा हां, यह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी पिंडली में हल्का खिंचाव है।

लक्ष्य फ्रेंच ओपन में हारकर बाहर

पेरिस : भारत के लक्ष्य सेन मंगलवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में आयरलैंड के एनहात एनगुएन के खिलाफ सीधे गेम में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। लक्ष्य शुरुआत से ही लय में नहीं दिखे और उन्हें दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 7-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पिछले हफ्ते डेनमार्क ओपन के पहले दौर में तीन गेम में एनगुएन को हराया था लेकिन पेरिस में उनका प्रदर्शन अनियमित रहा।

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड दौरे के दौरान पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने के बाद मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ लाल गेंद की श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लग गई थी और इसके बाद वह एशिया कप और हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी, लेकिन इसके बावजूद वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरे और उन्होंने अर्धशतक बनाया।

चयनकर्ताओं ने उन्हें 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में होने वाले दोनों मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया है। इससे पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का मौका मिलेगा। साई सुदर्शन को इन दो चार दिवसीय मैचों के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है। उनके अलावा केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया गया है। यह सभी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रसिद्ध, सिराज, आकाश दीप और जुरेल छह से नौ नवंबर तक होने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। पहले मैच के लिए एन जगदीसन टीम में दूसरे विकेटकीपर होंगे। घरेलू खिलाड़ियों में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और खलील अहमद कैसा प्रदर्शन करते हैं।

पहले चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका की ए टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे, जबकि सीनियर टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा भी इसमें शामिल होंगे, जो पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। द. अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी।

मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

दुबई, एजेंसी

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं।

कोहली की वापसी को पटरी से उतारने की ऑस्ट्रेलियाई योजना

शॉर्ट ने कहा-ऑफ स्टंप के बाहर विराट की कमजोरी का फायदा उठाएंगे तेज गेंदबाज

एडीलेड, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हाल ही में मिली सफलता की लय को बरकरार रखते हुए भारतीय दिग्गज विराट कोहली की वापसी को उनके सबसे शानदार मैदान पर बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड ओवल में आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। इस महान भारतीय खिलाड़ी ने एडिलेड ओवल में सभी प्रारूपों में पाँच शतक लगाए हैं - जो उनके करियर में दुनिया के किसी भी मैदान से ज़्यादा है। कोहली ने एडिलेड में चार अर्धशतक भी लगाए हैं, जहां उनका औसत 65 का है। पर यह भारतीय धुरंधर यह जानते हुए एडिलेड लौट रहा है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले रविवार को पर्थ में हुए सीरीज के पहले मैच की तरह ही उन पर दबाव बनाए रखेगा, जहां वह शून्य पर गली में कैच आउट हो गए थे। इस आउट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों द्वारा ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति को जारी रखा।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ हाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं।

शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा हॉफ (जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। शॉर्ट ने कहा, पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे। भारत को पहले एकदिवसीय में ऑप्टस स्टेडियम में 42,423 दर्शकों की मौजूदगी में भारी समर्थन मिला था जिनमें से अधिकांश सात महीने से अधिक समय के बाद रोहित शर्मा और कोहली की टीम में वापसी देखने आए थे। खेल के अन्य प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद ये दोनों पूर्व कप्तान नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। दोनों ने सिर्फ एकदिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित व कोहली विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पोंटिंग

दुबई : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली व रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ आईसीसी रिव्यू पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।

- बृहस्पतिवार को होगा दूसरा एकदिवसीय मैच

मैं मानसिक रूप से अब जल्दी थक जाता हूं : स्मिथ

सिडनी : टेस्ट क्रिकेट पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने से स्टीव स्मिथ पूरे सत्र में तरोताजा बने रहे हैं जबकि कुछ वर्ष पहले वह तीनों प्रारूपों में समान जुनून से खेलने के बाद पूरी तरह से थक जाते थे।

एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास ले चुके स्मिथ ने तरोताजा होने के लिए ब्रेक लिया था और अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। यह 36 वर्षीय बल्लेबाज अब ऑस्ट्रेलियाई सर्दियों के दौरान न्यूयॉर्क में रहता है और अगस्त के बाद से उन्होंने बल्ला नहीं उठाया है।

स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद यहां संवाददाताओं से कहा मैं मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं। उन्होंने कहा दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब जसहिर है कि टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है। स्मिथ ने कहा मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका ने दिया 312 रनों का लक्ष्य

कोलंबो, एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	5	4	0	1	9	1.490
द.अफ्रीका	5	4	1	0	8	-0.440
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
पाकिस्तान	5	0	3	2	2	-1.887

कप्तान लॉरा वोलवार्ट, अनुभवी मारिजेन कैप और सुने लूस के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने महिला एकदिवसीय विश्व कप के वर्षा से प्रभावित 40 ओवर के मैच में पाकिस्तान के खिलाफ नौ विकेट पर 312 रन बनाए। पाकिस्तान को डकवर्थ लुईस पद्धति के तहत 306 रन का लक्ष्य मिला।

सलामी बल्लेबाज लॉरा ने 82 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा लुस (61 रन, 59 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम को मजबूत मंच दिया। कैप (नाबाद 68, 43 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और नेदिन डि क्लर्क (41 रन, 16 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने 45 जबकि सादिया इकबाल ने 63 रन देकर तीन विकेट चटकाए। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे ओवर में ही ताजमिन ब्रिट्स (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने फातिमा की गेंद पर नतालिया परवेज को कैच थमाया। लॉरा और लूस ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने अर्धशतक जड़े और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचया। लूस के आउट होने के बाद वोलवार्ट ने अनुभवी कैप के साथ भी चौथे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। लॉरा ने विकेट के चारों तरफ आकर्षक शॉट खेले। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा ने आठ ओवर में 69 रन लुटाए। उनकी गेंद पर आठ चौके और तीन छक्के लगे। अंतिम ओवरों में डि क्लर्क ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और टूर्नामेंट में अपनी फिनिशर की भूमिका को और पुख्ता किया। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के मारे। डि क्लर्क ने ऑफ स्पिनर सादिया पर लॉन्ग ऑफ पर छक्का जड़ने के बाद फातिमा पर भी दो छक्के जड़े। कैप ने भी सादिया पर छक्का मारा और फिर फातिमा की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया।

- वोलवार्ट, कैप और लूस ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

दक्षिण अफ्रीका की मरीजान काप ने शुरुआत में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान लय बिगाड़ दी। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी प्रकरण | एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं

बीसीसीआई को श्रीलंका और अफगानिस्तान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध बना हुआ है और बीसीसीआई को श्रीलंका तथा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं हैं।

ट्रॉफी अभी तक चैंपियन भारतीय टीम को मिली नहीं है। एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को बताया कि नकवी ने कहा है कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी उनसे ले सकता है लेकिन भारतीय बोर्ड ने इससे इनकार किया। बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मसला उठायेगा।

एसीसी सूत्र ने कहा बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान समेत अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिये कहा। उन्होंने कहा लेकिन उनका जवाब था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिये मामले में गतिरोध बना हुआ है बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में होगा। आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय पर है चूंकि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद इसे नकवी से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद वह ट्रॉफी लेकर चले गए। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं और भारत विरोधी रवैये के लिये जाने जाते हैं।

नकवी ने बीसीसीआई के पत्र का दिया जवाब

नकवी ने कहा-उन्हें पहले बताया नहीं गया था कि भारतीय खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी लेने का बहिष्कार करने वाले हैं। पत्र में कहा गया जब समारोह होने वाला था और मंच पर सभी अतिथि पहुंच गए थे, तब बीसीसीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि भारतीय टीम एशिया कप ट्रॉफी और पुरस्कार नहीं लेगी। इसमें कहा गया एसीसी अध्यक्ष ने तमाम अतिथियों के साथ करीब 40 मिनट तक इंतजार किया ताकि पुरस्कार वितरण समारोह की गरिमा बनी रहे और इस पर राजनीति का प्रभाव नहीं पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पत्र में कहा गया एसीसी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक यहां रखा जाएगा जब तक कि बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। इसमे आगे कहा गयाइस तरह से ट्रॉफी लेने को निश्चित रूप से बहुत धूमधाम और कवरेज के साथ किया जाएगा क्योंकि स्थापित प्रथाओं से अलग कुछ नहीं होना चाहिए और कोई मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था।

बादशाहत के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

इंदौर : गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा।

दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, पर ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है।

भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के लिए अंतिम स्थान की दौड़ में

बेंगलुरु, एजेंसी :

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, और चौथे और अंतिम स्थान के लिए दौड़ अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच सिमट गई है, क्योंकि दोनों टीमों के दो-दो लीग मैच बाकी हैं। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.818), इंग्लैंड महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.490) और दक्षिण अफ्रीका महिला टीम (8 अंक, नेट रन रेट -0.440) पहले ही नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत, जो 4 अंकों और 0.526 के अच्छे नेट रन रेट के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और 26 अक्टूबर को बंगलादेश के खिलाफ अपने बाकी बचे मैच जीतने पर ही सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना रहेगा। दो जीत से भारत के 8 अंक हो जायेंगे, जिससे सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। न्यूज़ीलैंड, जिसके भी 4 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट (-0.245) कम है, के लिए राह और भी कठिन है। उसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए भारत और इंग्लैंड दोनों को हराना होगा, और उसका क्वालीफिकेशन नेट रन रेट पर भी निर्भर हो सकता है। श्रीलंका कम नेट रन रेट के कारण लगभग बाहर हो चुकी है।